MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories,
Safety Equipment, Power Tools,
Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda,
Hyderabad - 500 012

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 22 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-81

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने खेला विक्टिम कॉर्ड, कहा

हवाई जहाज तो छोड़िए हम रेल का टिकट भी नहीं खरीद सकते

कांग्रेस का खाता फ्रीज होने पर सोनिया, खड़गे और राहुल ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया और राहुल गांधी भी मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज किए जाने के मुद्दे पर जमकर हमले बोले गए। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी चंदों के मुद्दों पर घेरा गया। खरगे, सोनिया, अजय माकन से लेकर राहुल तक, सभी ने मोदी सरकार को जमकर घेरा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे सभी बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। हम कोई प्रचार नहीं कर सकते, हम अपने कार्यकर्ताओं का समर्थन नहीं कर सकते, हम अपने उम्मीदवारों का समर्थन नहीं कर सकते। ▶9पर

कांग्रेस की अंदरूनी कलह बाहर आई

आनंद शर्मा ने खड़गे को पत्र भेज राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस में अंदरूनी कलह सामने आई है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम एक पत्र भेजा है। इस पत्र में जो बातें लिखी हैं, उनसे साफ है कि राहुल गांधी के बार बार जाति जनगणना कराए जाने की बात से आनंद शर्मा खुश नहीं हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस के प्रमुख चुनावी मुद्दों में एक जाति जनगणना का मुद्दा भी है। अब इस मुद्दे पर कांग्रेस के अंदरखाने कलह साफ नजर आ रही है। आनंद शर्मा ने पार्टी अध्यक्ष खरगे को लिखे खत में इस बात पर जोर दिया है कि यह पूर्व प्रधानमंत्री इदिरा गांधी और राजीव गांधी की ▶9पर

कांग्रेस का दिवालियापन आर्थिक नहीं, नैतिक और बौद्धिक है: नड्डा

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने देश में लोकतंत्र खत्म होने के कांग्रेस के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस अप्रासंगिक हो गयी है और उसका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरूवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार पर कांग्रेस के बैंक खातों को बंद करने का आरोप लगाया और कहा कि देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है। श्री नड्डा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि कांग्रेस को जनता पूरी तरह से खारिज कर देगी और ऐतिहासिक हार के डर से उनके शीर्ष नेतृत्व ने एक संवाददाता ▶9पर

शराब घोटाले और मनी-लॉन्ड्रिंग में ईडी की कार्रवाई

'ईमानदार' केजरीवाल भ्रष्टाचार में गिरफ्तार

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को गुरुवार रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के पहलू की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया। आम आदमी पार्टी के संयोजक केजरीवाल को ईडी के अधिकारियों ने दो घंटे की पूछताछ करने के बाद उनके निवास से गिरफ्तार किया। प्रवर्तन निदेशालय की टीम कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पीएमएलए कोर्ट में पेश करेगी। दिल्ली पुलिस सीएम आवास के आसपास ड्रोन से कड़ी निगरानी कर रही है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद उनकी कानूनी टीम उच्चतम न्यायालय से गुहार लगाने के लिए पहुंच गई है। जांच एजेंसी ने दो घंटे तक पूछताछ के बाद रात 9 बजे यह कार्रवाई की। इस मामले में पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया 13 महीने और आपा नेता संजय सिंह 6 महीने से जेल में हैं। इस बीच दिल्ली की मंत्री आतिशी ने कहा कि केजरीवाल दिल्ली के सीएम बने रहेंगे। जेल से सरकार चलाएंगे। इधर, केजरीवाल की

- देश का पहला मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए पकड़ा गया
- दिल्ली हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी रोकने से मना कर दिया था
- गिरफ्तारी के बाद खटखटाया सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा

लीगल टीम ने सुप्रीम कोर्ट में अपील कर फौरन सुनवाई की मांग की। केजरीवाल गिरफ्तार होने वाले पहले सिटिंग सीएम हैं। इससे पहले झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को ईडी ने गिरफ्तार किया था। सोरेन ने ईडी की हिरासत में राजभवन जाकर इस्तीफा दिया था।

इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने आज दिन में केजरीवाल की गिरफ्तारी से बचने की अर्जी को खारिज कर दिया था। उसके बाद ईडी अधिकारियों की टीम मुख्यमंत्री के आवास पर तलाशी के लिए पहुंची और दो घंटे तक पूछताछ की। केजरीवाल मंत्रिमंडल के सहयोगी सौरभ भारद्वाज ने सोशल मीडिया मंच पर एक्स पर लिखा, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया गया है। ईडी की टीम किसी बाहरी व्यक्ति को मुख्यमंत्री के आवास के अंदर जाने की अनुमति नहीं दे रही है। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर संवाददाताओं से कहा कि यहां ईडी छापेमारी की गई है। पुलिस किसी को अंदर नहीं जाने दे रही है। ईडी की जांच के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर नेता, मंत्री और कार्यकर्ता भारी संख्या में एकत्र हो गए थे। जिसके बाद पुलिस ने सीएम केजरीवाल के घर के बाहर धारा 144 लागू कर दी है। वहीं सीएम केजरीवाल का फोन भी जब्त कर लिया है।

इस बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि भाजपा की राजनीतिक टीम (ईडी), केजरीवाल की सोच को कैद नहीं कर सकती क्योंकि आपा ही भाजपा को रोक सकती हैं। सोच को कभी भी दबाया नहीं जा सकता। आम आदमी पार्टी ने एक्स पर कहा, मोदी जी, केजरीवाल एक कट्टर देशभक्त हैं। आपसे और आपकी टटपूंजीयों से नहीं डरने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति तैयार करने और लागू करने में कथित भ्रष्टाचार और धनशोधन से जुड़े मामले में नौ समन ▶9पर

मंदिरों पर टैक्स लगाने वाला विधेयक राज्यपाल ने लौटाया

कर्नाटक सरकार से इस मुद्दे पर अधिक स्पष्टीकरण मांगा

बेंगलूरू, 21 मार्च (एजेंसियां)।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सरकार के मंदिरों पर टैक्स लगाने वाले बिल को सरकार को वापस लौटा दिया है। राज्यपाल ने विधेयक में और ज्यादा स्पष्टीकरण के साथ फिर से देने का निर्देश दिया है। इस विधेयक में मंदिरों की कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान है। भाजपा द्वारा इस विधेयक का विरोध किया जा रहा है। राजभवन की

तरफ से कहा गया है कि साल 2011 और 2012 में जो कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक पेश किया गया था, उस पर हाईकोर्ट की धारवाड़ पीठ ने रोक लगा दी थी। हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी। राजभवन की तरफ से कहा गया है कि उसके बाद से मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। ऐसे में इस पर स्पष्टता जरूरी है कि क्या मामले के लंबित रहने के दौरान उसमें संशोधन ▶9पर

युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति का सबसे सुरक्षित मार्ग

भारत का उदय वैश्विक शांति,सद्भाव का आश्वासन: धनखड़

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है और भारत का उदय वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए एक आश्वासन है।

श्री धनखड़ ने आज यहां एक उपराष्ट्रपति निवास पर अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक सहभागिता कार्यक्रम (आईएन-स्टेप) के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शांति को शक्ति से ही सुरक्षित रखा जा सकता है और युद्ध के लिए सदैव तैयार रहना शांति के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है।

श्री धनखड़ ने कहा कि अर्थव्यवस्था और प्रौद्योगिकी में भारत का उदय विश्व शांति, सद्भाव और वैश्विक व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा आश्वासन है। उन्होंने कहा कि भारत वैश्विक शांति, स्थिरता और सद्भाव को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए समान विचारधारा वाले देशों को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। इन-स्टेप 21 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और आठ भारतीय अधिकारियों वाले इस दो सप्ताह के कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक विकास पर है और यह वृद्धि अजेय है। उन्होंने कहा कि भारत की असाधारण विकास की कहानी है जो दूरदर्शी नेतृत्व, समावेशी विकास और अटूट दृढ़ता का उदाहरण है। अर्थव्यवस्था और प्रभावी कूटनीति और बढ़ती सौम्य शक्ति के कारण दुनिया ▶9पर

तमिलनाडु की नौ सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का ऐलान

तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई और अन्नामलाई को भी मिला मौका

नई दिल्ली 21 मार्च (एजेंसियां)।

भाजपा ने तीसरी लिस्ट जारी करते हुए नौ उम्मीदवारों की घोषणा की है। कोयंबटूर से अन्नामलाई को भाजपा ने चुनावी मैदानी में उतारा है। चेन्नई दक्षिण से तमिलिसाई सुंदरराजन, चेन्नई सेंट्रल से विनोज पी. सेल्वम, वेल्लोर से ए. सी. शनमुगम. कृष्णागिरी से सी. नरसिम्हन, नीलगिरी से एल. मुरुगन, पेरम्बलुर से टी. आर. परिवेन्धर, थूथुकुड़ी से नैनार नागेन्द्रन और कन्याकुमारी से पोन. राधाकृष्णन को उम्मीदवार ▶9पर

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति पर रोक से सुप्रीम इनकार

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य दो आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति संबंधी 2023 के (संशोधित) कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं गुरुवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि 2023 का फैसला नहीं कहता कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए सिलेक्शन पैनल में ज्यूडीशियल मेंबर होना चाहिए। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि हम अब कानून

पर रोक नहीं लगा सकते हैं। रोक लगाने से केवल अराजकता और अनिश्चितता पैदा होगी। कोर्ट ने कहा कि नए निर्वाचन आयुक्तों पर तो कोई भी आरोप नहीं हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह नहीं कहा जा सकता कि चुनाव आयोग कार्यपालिका के अधीन है। देश में बहुत अच्छे चुनाव आयुक्त रहे हैं। हालांकि कोर्ट ने कानून को चुनौती देने वाली मुख्य याचिकाओं की जांच करने का आश्वासन दिया है।

पीठ ने कहा कि चयन समिति के सदस्यों को विचार-विमर्श के लिए अधिक समय दिया जा सकता था। सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को 14 मार्च को चुनाव आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। इससे ठीक एक दिन पहले शीर्ष अदालत में इससे संबंधित मामले की सुनवाई होनी थी।

पीठ ने आगाह करते हुए कहा कि ऐसी संवैधानिक नियुक्तियों से सावधान रहना होगा। विपक्ष के नेता को बैठक से पहले उम्मीदवारों पर विचार करने के लिए कोई समय नहीं दिया गया। ऐसा लगता है कि कुछ ही घंटों में 200 नामों पर विचार किया गया। पीठ ने कहा कि जब मामला अदालत में विचाराधीन है तो सरकार चयन संबंधी बैठक को एक या दो दिन के लिए टाल सकती थी। ▶9पर

पीआईबी की फैक्ट चेक यूनिट बंद करे सरकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) के तहत फैक्ट चेक यूनिट बनाने को लेकर केंद्र की अधिसूचना पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की आजादी के खिलाफ है। इस फैक्ट चेक यूनिट को केंद्र सरकार के बारे में फर्जी खबरों की पहचान करने और उसे रोकने के लिए बनाया गया था। सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 11 मार्च के आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें फैक्ट चेकिंग यूनिट बनाने पर रोक लगाने वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने 20 मार्च को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 के तहत फैक्ट चेक यूनिट को अधिसूचित किया था। 2023 अप्रैल में सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधन किए गए थे। ▶9पर

कार्टून कॉर्नर

TIBCON CAPACITORS
It`s all about
SAVING ENERGY
AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

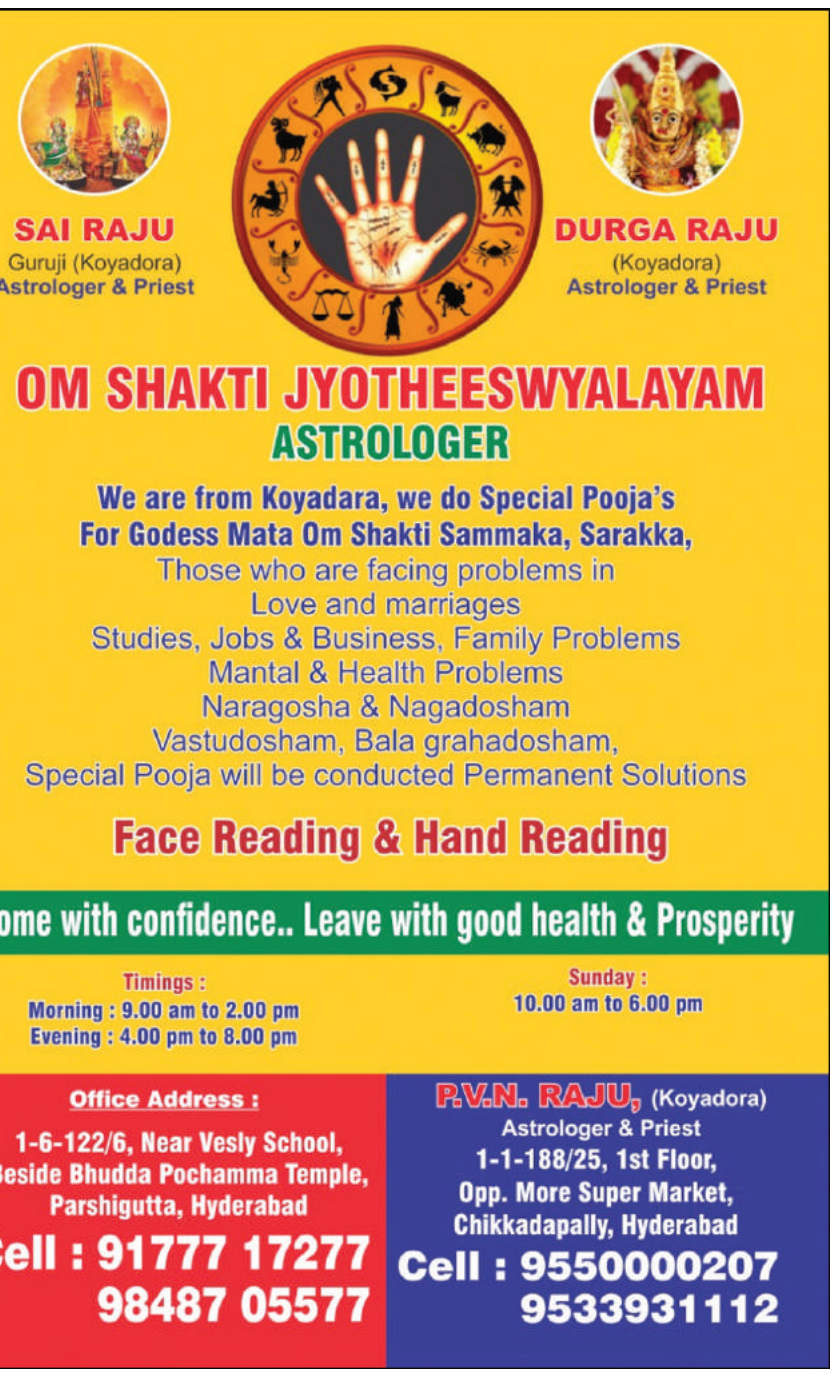

पश्चिम एशिया के दौरे पर सऊदी अरब पहुंचे एंटनी ब्लिंकन, इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन एक बार फिर पश्चिम एशिया के दौरे पर हैं। अपने दौरे के तहत अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब पहुंचे। सऊदी सरकार के साथ इजराइल हमास के बीच युद्धविराम के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। साथ ही अमेरिका की कोशिश है कि इजराइल-हमास युद्ध अरब क्षेत्र में फैलने न पाए।

इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद छठा दौरा

अमेरिकी विदेश मंत्री सऊदी अरब के बाद मिस्त्र के दौरे पर जाएंगे और वहां के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एंटनी ब्लिंकन इजराइल का दौरा भी करेंगे और इजराइली सरकार के साथ बंधकों की रिहाई के प्रयासों पर बात करेंगे। साथ ही ब्लिंकन गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के प्रयासों पर भी बात करेंगे। इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिकी विदेश मंत्री का पश्चिम एशिया का यह छठा दौरा है।

अमेरिका कोशिश कर रहा है कि सऊदी अरब, इजराइल के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करे। इसके बदले में इजराइल, फलस्तीन को कुछ राहत दे। साथ ही सऊदी अरब चाहता है कि अमेरिका और इजराइल उसके परमाणु कार्यक्रम को बनाने में समर्थन दें। सऊदी अरब, अमेरिका से सैन्य मदद भी चाहता है। सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच भी इस मुद्दे पर चर्चा हो चुकी है।

राफा पर हमले की तैयारी में इजराइल

मनीला में पत्रकारों से बात करते हुए एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि पश्चिम एशिया के दौरे का उद्देश्य गाजा में युद्ध के बाद के हालात पर चर्चा और क्षेत्र में शांति स्थापित करना है। एंटनी ब्लिंकन का पश्चिम एशिया का दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब इजराइल राफा पर हमले की तैयारी कर रहा है। मिस्त्र की सीमा पर स्थित राफा में बड़ी संख्या में शरणार्थी रुके हुए हैं और अगर इजराइल राफा पर हमला करता है तो उससे बड़ा मानवीय संकट पैदा हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी इजराइल के इस कदम को लेकर चिंतित हैं। अमेरिका को डर है कि राफा पर हमले के बाद इजराइल वैश्विक स्तर पर बुरी तरह घिर सकता है ।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान आतंकवाद के भयानक खतरे का सामना कर रहा, सांसदों से बोले डोनाल्ड लू

वॉशिंगटन । बाइडन प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने पाकिस्तान में आतंकवाद का खतरा बढ़ने को लेकर चिंता जताई है। वहीं, एक अमेरिका के सांसद ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि से कार्रवाई की मांग करते हुए आरोप लगाया है कि भारत से आयातित झींगा बंधुआ मजदूरी पर निर्भर है और यह स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। 40 साल से संघर्ष जारी सदन में पाकिस्तानी चुनावों पर सुनवाई हो रही थी। इस दौरान दक्षिण एवं मध्य एशिया के लिए सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू ने सदन की विदेश मामलों की समिति के सदस्यों को बताया कि पाकिस्तान आतंकवाद के भयानक खतरे का सामना कर रहा है क्योंकि अफगानिस्तान के साथ उसकी सीमा से लगे इलाकों में आतंकवादी गतिविधियों में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में 40 साल से संघर्ष जारी है। इसमें पाकिस्तान फंस कर रह गया है। लू ने कहा, अफगानिस्तान में युद्ध खत्म होना हम सभी को पाकिस्तान के साथ उसकी अपनी शर्तों पर संबंध रखने का अवसर देती है और हम ऐसा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा अब एक बड़ा लक्ष्य उन्होंने कहा, हमारा अब एक बड़ा लक्ष्य है पाकिस्तानी लोगों की मदद करना क्योंकि वे आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहे हैं। यह एक ऐसा देश है, जहां लोग आतंकवाद के खतरे से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। मुझे लगता है कि अभी तक किसी भी देश को ऐसे आतंकवाद को नहीं सहना पड़ा है- जैसे पाकिस्तान के लोग सह रहे हैं। कई सदस्यों ने इस पर चर्चा की है। अफगानिस्तान से हमले जारी लू ने कहा कि पिछले तीन सालों में अफगानिस्तान से हमले जारी हैं। विशेष रूप से खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में हमले तेजी से बढ़े हैं।

इस मामूली एडिटिंग पर हंगामा क्यों केट मिडलटन की तस्वीर को लेकर जारी विवाद पर ट्रंप की चुटकी

लंदन । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की तस्वीर के

साथ छेड़छाड़ की गई मामले पर चुटकी ली। उन्होंने कहा कि वेल्स की राजकुमारी ने वही किया जो सब करते हैं। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। ट्रंप ने ली चुटकी मीडिया को साक्षात्कार देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, इसमे कोई बड़ी बात नहीं होनी चाहिए, क्योंकि हर कोई तस्वीरों के साथ एडिटिंग करते हैं। आप फिल्मी अमिनेताओं को देखते हैं और उनसे मिलते हैं। उन्हें देखते ही आप यह सोचते हैं कि क्या तस्वीर में यही व्यक्ति है। मैंने वास्तव में उस पर गौर किया और इसमे बहुत ही मामूली एडिटिंग की गई थी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस पर इतना हंगामा क्यों हो रहा क्या था पूरा मामला बता दें कि पेट की सर्जरी के बाद मदर्स डे पर वेल्स की राजकुमारी केट मिडलटन की पहली तस्वीर सामने आई थी। इस तस्वीर में राजकुमारी केट मिडलटन मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं। तस्वीर में केट के तीनों बच्चे जॉर्ज, चार्लेट और लुइस भी थे। उनकी ये तस्वीर उनके पति प्रिंस विलियम ने ही क्लिक किया था। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा था, बीते दो महीनों में आपकी दुआओं और समर्थन के लिए धन्यवाद। सभी को मदर्स डे की शुभकामनाएं। हालांकि, बात में इस तस्वीर को अपने प्लेटफॉर्म से हटाते हुए न्यूज एजेंसियों ने बताया है कि ऐसा लगता है कि तस्वीर से छेड़छाड़ की गई है। दरअसल, तस्वीर में केट की बांहे नहीं दिख रही थीं। उनकी उंगलियों में अंगूठी भी नहीं था और उनकी बांहे असामान्य तौर पर फैली दिखाई दे रही थी। पेट की सर्जरी के बाद से ही केट मिडलटन सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दी हैं और इसी वजह से उनकी सेहत को लेकर चिंताएं उभरी हैं।

चीन-ताइवान में फिर तनातनी, पीएलए के 32 लड़ाकू विमानों ने की घुसपैठ की कोशिश

ताइपे । चीन और ताइवान के बीच लगातार तनातनी चल रही है। चीन की सेना ने ताइवान की सीमा में घुसपैठ की कोशिश की। हालांकि ताइवान की सेना ने भी इसका जवाब दिया। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर बताया कि 32 चीनी लड़ाकू विमान 20 से 21 मार्च को सुबह करीब छह बजे ताइवान की सीमा के करीब देखे गए। साथ ही चीन की नौसेना के पांच युद्धक जहाज भी ताइवान की सीमा के नजदीक देखे गए। चीन और ताइवान के बीच एक अनौपचारिक सीमा रक्षा मंत्रालय का दावा है कि पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के इन 32 विमानों में से 20 युद्धक विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य को लांघा और दक्षिण-पश्चिमी, दक्षिणपूर्वी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में घुस गए। बता दें चीन और ताइवान के बीच यह जल संधि एक अनौपचारिक सीमा है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ताइवान में 15 चीनी सैन्य विमान और 10 नौसैनिक जहाज घुस आए।

भारत के साथ हमारे संबंध पहले से अधिक मजबूत, रूस से रिश्ते पर उठा सवाल तो पेंटागन अधिकारी ने कही यह बात

वॉशिंगटन ।
अमेरिका के शीर्ष रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध मजबूत हो रहे हैं। आज के समय में यह संबंध पहले से अधिक मजबूत हैं। साथ ही अधिकारियों ने सांसदों से कहा कि रूस के साथ संबंध होने के कारण भारत के पास कई विकल्प हैं।

पहले से कहीं अधिक मजबूत संबंध

हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिए सहायक रक्षा मंत्री एली एस रैटनर ने हिंद-प्रशांत पर सदन की उपसमिति के सदस्यों से कहा कि अमेरिका कई क्षेत्रों में भारत के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि अमेरिका और भारत के बीच संबंध दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं और यह पहले से कहीं अधिक मजबूत होते जा रहे हैं। एक स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के हमारे दृष्टिकोण के लिए यह बहुत जरूरी है।

यह है मामला

बता दें, रैटनर रैंकिंग सदस्य एडम स्मिथ के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, हम कई क्षेत्रों में संबंध को मजबूत कर रहे हैं। हमने जेट इंजन को लेकर कुछ प्रगति की है। इसके अलावा हमारे रक्षा औद्योगिक आधार को एकीकृत करने के लिए बख्तरबंद वाहनों पर कुछ नई परियोजनाएं हैं, जो उन संबंधों को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। स्मिथ ने कहा, मैं उन्हें महत्वपूर्ण समझता हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से भागीदार नहीं बनूंगा क्योंकि उनका संबंध रूस के साथ है और इससे उनके पास विकल्प ज्यादा हैं।

स्मिथ के सवाल का जवाब

इस पर सहायक रक्षा मंत्री ने बताया कि वह अपने निजी क्षेत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं, विशेष रूप से रक्षा प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में काम किया जा रहा है। इसके अलावा संबंधों को मजबूत करने के लिए हमारे पास कुछ महत्वपूर्ण नई योजनाएं हैं। यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के कमांडर नेवी एडमिरल जॉन एक्विलिनो भारतीयों के साथ कई महत्वपूर्ण अभ्यासों और अभियानों का नेतृत्व कर रहे हैं जो हमारे परिचालन समन्वय को बढ़ा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारा रक्षा व्यापार अब 20 अरब डॉलर का है और भारत ने हाल ही में 30 एमक्यू9बी और बीएस खरीदने का एलान किया है। यह दोनों देशों के बीच बढ़ते रक्षा संबंधों को दिखाता है।

एक्विलिनो ने भी सहमति जताई

इस बयान पर एक्विलिनो ने भी सहमति जताई और कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों के साथ अमेरिका के कई हित जुड़े हैं।उन्होंने कहा, सेना से सेना तक, हम एक साथ बहुत अधिक अभियान और अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने हमारे हेलीकॉप्टर खरीदे हैं, उनके पास सी-130 हैं।

ऋषि सुनक का महत्वकांक्षी रवांडा विधेयक फिर अटका, हाउस ऑफ लॉर्ड्स से नहीं हो सका पास

लंदन । ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की महत्वकांक्षी योजना रवांडा विधेयक एक बार फिर अटक लगया है। दरअसल ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में विधेयक पर मतदान हुआ, लेकिन यह विधेयक पारित नहीं हो सका। हाउस ऑफ लॉर्ड्स के सदस्यों ने विधेयक में संशोधन की मांग की है। ऐसे में विधेयक में फिर से संशोधन किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विपक्षी नेताओं के साथ ही, सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी के कुछ नेताओं ने भी विधेयक में संशोधन करने का समर्थन किया है। क्या है रवांडा विधेयक ब्रिटेन की सरकार का कहना है कि रवांडा विधेयक का उद्देश्य ब्रिटेन में इंग्लिश चैनल से अवैध रूप से आने वाले शरणार्थियों को रोकना है। बीते साल इंग्लिश रूट से 29,437 लोग ब्रिटेन पहुंचे। रवांडा विधेयक के तहत ब्रिटेन की सरकार शरण लेने वाले लोगों को रवांडा भेजेगी, जहां से वे ब्रिटेन में शरण पाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। शरणार्थियों के लिए ब्रिटेन की सरकार ने रवांडा को साल 2023 के अंत में 24 करोड़ पाउंड का भुगतान किया था। रवांडा विधेयक का एलान अप्रैल 2022 में बोरिस जॉनसन की सरकार में किया गया था, लेकिन उसके बाद से यह विधेयक विवादों के चलते लंबित हो रहा है। बीते साल नवंबर में ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट ने इस विधेयक को लेकर कहा था कि ब्रिटेन में शरण मांगने वाले लोगों के लिए रवांडा सुरक्षित देश नहीं है। इसके बाद सुनक सरकार ने दिसंबर में सेफ्टी ऑफ रवांडा विधेयक सदन में पेश किया। अगर ये विधेयक ब्रिटेन के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स से पास हो गया तो इससे सुप्रीम कोर्ट का फैसला बायपास हो जाएगा। लेबर पार्टी ने रवांडा विधेयक वापस लेने का किया एलान ब्रिटेन की विपक्षी पार्टी लेबर पार्टी इस विधेयक के विरोध में है और उन्होंने एलान किया है कि अगर वह सत्ता में आए तो इस विधेयक को वापस ले लेंगे। ब्रिटेन में अगले साल जनवरी में आम चुनाव होने हैं, जिनके इस साल के अंत तक होने की भी संभावना है। ऐसे में ऋषि सुनक की सरकार के पास अब इस विधेयक को पारित कराने के लिए ज्यादा समय नहीं बचा है।

अपहृत छात्र को ढूंढने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में भारतीय दूतावास परिवार ने लगाई मदद की गुहार

न्यूयॉर्क ।
अमेरिका के क्लीवलैंड में एक 25 वर्षीय भारतीय छात्र को ढूंढने के लिए न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना शुरू किया है। वह छात्र इस महीने की शुरुआत से ही लापता है। हैदराबाद में नाचाराम के निवासी मोहम्मद अब्दुल अरफात पिछले साल मई में क्लीवलैंड यूनिवर्सिटी से आईटी में मास्टर्स करने के लिए यहां पहुंचे थे।

अरफात के परिवार के संपर्क में भारतीय वाणिज्य दूतावास

अरफात के पिता मोहम्मद सलीम ने बताया कि उन्होंने आखिरी बार सात मार्च को अपने बेटे से बात की थी। इसके बाद से ही अरफात अपने परिवार के संपर्क में नहीं है और उसका फोन भी बंद आ रहा है। भारतीय वाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, हम अरफात के परिवार और अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में हैं। हम स्थानीय कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

अरफात का हुआ अपहरण

अमेरिका में अरफात के रूममेट ने उनके पिता को बताया कि उन्होंने अरफात के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। 19 मार्च को अरफात के परिवार को एक फोन आया जिसमें संदिग्ध ने बताया कि उनके बेटे का अपहरण किया गया है। संदिग्ध ने अरफात को छोड़ने के लिए 1,200 अमेरिकी डॉलर की मांग भी की। संदिग्ध ने यह भी कहा कि अगर उसे पैसे नहीं मिले तो वह अरफात की किडनी बेच देगा। अरफात के पिता ने बताया, कल मुझे एक फोन कॉल आया। फोन पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने बताया कि मेरे बेटे का अपहरण हो गया है और उसने पैसे की मांग की। कॉलर ने पैसे किस तरह से देना है उसका जिक्र नहीं किया। जब हमने अपने बेटे से बात करवाने के लिए कहा, तो उसने मना कर दिया। अरफात के परिवार ने केंद्र सरकार से मदद की अपील की है।

यूक्रेन की राजधानी पर रूस का मिसाइल हमला, कम से कम आठ लोग घायल

कीव ।
रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच रूस ने एक बार फिर कीव पर मिसाइल हमले किए। इस हमले में कम से कम आठ लोग घायल हुए। वहीं कई आवासीय इमारतें व औद्योगिक प्रतिष्ठान क्षतिग्रस्त हो गए। बताया जा रहा है कि यूक्रेन ने जवाबी हमले किए, जिसके कारण राजधानी में सुबह पांच बजे के आसपास जोरदार धमाके सुने गए। वहीं, हवाई हमले की चेतावनी सुबह छह बजकर 10 मिनट पर समाप्त हुई।

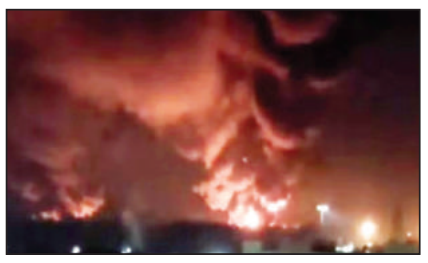

यह हाल के हफ्तों में यूक्रेन की राजधानी पर हुआ सबसे बड़ा हमला है। हालांकि, फिलहाल नुकसान का पता नहीं चला है। मलबा गिरने से लगी आग यूक्रेन की सेना ने बताया कि रूस ने हाइपरसोनिक और बैलेस्टिक मिसाइलों से हमला किया। कीव के पार्षद विताली क्लिट्सको ने बताया कि वायु रक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई कर मिसाइलों को मार गिराया। इन मिसाइलों का मलबा शहर के विभिन्न हिस्सों में गिर गया, जिससे कम से कम तीन आवासीय इमारतों और पार्किंग स्थलों में आग लग गई। हमले को देखते हुए पहले से ही आपातकाली सेवाओं को सतर्क कर दिया गया था। सैन्य सहायता की आवश्यकता बता दें, हवाई हमला ऐसे समय में हुआ, जब रूसी सेना 600 मील से अधिक की सीमा रेखा के साथ कई स्थानों पर जमीनी हमलों के साथ आगे बढ़ रही है। इस हमले से एक दिन पहले ही यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि देश को हमलों से बचाने के लिए सैन्य सहायता की आवश्यकता है।

अरुणाचल प्रदेश पर अमेरिका ने चीन का दावा किया खारिज, पन्नूं मामले को बताया बेहद गंभीर

वॉशिंगटन ।
अमेरिका ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावे को खारिज कर दिया है। अमेरिका ने कहा कि हम एकपक्षीय तरीके से सीमा में किसी भी तरह के बदलाव का सख्ती से विरोध करेंगे। दरअसल बीते दिनों पीएम मोदी ने अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया था और वहां सेला टनल का उद्घाटन किया था। पीएम मोदी के दौरे के बाद चीन ने बयान जारी कर प्रधानमंत्री के दौरे पर विरोध जताया था।

अमेरिका ने चीन का दावा किया खारिज

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका अरुणाचल प्रदेश को भारत का हिस्सा मानता है और हम एकपक्षीय कार्रवाई से एलएसी पर सैन्य या नागरिक तरीके से किसी भी तरह के बदलाव के खिलाफ हैं। पीएम मोदी के अरुणाचल प्रदेश दौरे पर चीन के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था कि शीजांग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन का अभिन्न हिस्सा है और चीन कभी भी अरुणाचल प्रदेश पर भारत के कथित कब्जे को कभी स्वीकार नहीं करेगा। चीन अरुणाचल प्रदेश को तिब्बत का हिस्सा मानता है। हालांकि चीन के बयान के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी सख्त शब्दों में चीन को जवाब दिया और अरुणाचल प्रदेश पर चीन को आईना दिखाया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा कि चीन के रक्षा मंत्रालय द्वारा किया गया दावा पूरी तरह से बेतुका है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा।

पन्नूं मामले में भारत के साथ मिलकर काम कर रहे

अमेरिका की सरकार ने कहा कि वे, गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की हत्या की साजिश के मामले में भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। बीते साल भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता पर खालिस्तानी आतंकी गुरुपतवंत सिंह पन्नूं की

अमेरिका में हत्या की साजिश रचने का आरोप लगा था। आरोप है कि निखिल गुप्ता, भारत सरकार के एक अधिकारी के साथ मिलकर पन्नूं की हत्या की साजिश रच रहा था। भारत की सरकार भी इस मामले की जांच कर रही है। अमेरिका के विदेश विभाग के अधिकारी डोनाल्ड लू ने संसद की विदेश मामलों की समिति को बताया कि हम भारत के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि जो इसके पीछे हैं, उन्हें जवाबदेय ठहराया जाए।

डोनाल्ड लू ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच एक गंभीर मामला है। न्याय विभाग ने आरोप लगाया है कि भारतीय नागरिक, भारत सरकार के एक अधिकारी के कहने पर अमेरिका में एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रच रहा था। हम इस मामले को पूरी गंभीरता से ले रहे हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ इस मामले पर संपर्क में हैं। भारत ने भी एक समिति गठित कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

इसलिए 8 साल पुराने अभियानों को फिर से किया गया सक्रिय, पाकिस्तान ने बांग्लादेश से रची है यह साजिश

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान ने एक बार फिर से बांग्लादेश के माध्यम से भारत के खिलाफ साजिशें रचनी शुरू कर दी हैं। इन साजिशों के तहत पाकिस्तान की आईएसआई और कुछ आतंकी संगठनों ने मिलकर स्थानीय पार्टी के नेताओं के साथ विशेष मुहिम को बढ़ाना शुरू किया है। खुफिया एजेंसियों को मिली जानकारी के मुताबिक इस अभियान को पाकिस्तान लगातार हवा देकर भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में दूरी बनाने की कोशिश कर रहा है। एजेंसियों को इस बात के भी पुख्ता प्रमाण मिले हैं कि भारत के खिलाफ की जाने वाली इस साजिश में बीते एक दशक से कुछ कॉमन अभियान सामने आ रहे हैं। जो 2016 से भारत के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। यही नहीं एजेंसी वाले पाकिस्तान के कई ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट को खंगाला है जो बांग्लादेश के नाम पर भारत के खिलाफ अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश में भी मालदीव की तरह इंडिया आउट

अभियान को हवा दी जा रही है। बांग्लादेश में इस अभियान को आगे बढ़ाने वहां की विपक्षी पार्टी बीएनपी से जुड़े समर्थक और उनके कार्यकर्ता सामने आए हैं। खुफिया एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक बांग्लादेश की बीएनपी को न सिर्फ आईएसआई बल्कि पाकिस्तान के कुछ आतंकी संगठन इस अभियान को बढ़ावा देने के लिए उकसा रहे हैं। बाकायदा इंडिया आउट अभियान के लिए न सिर्फ सोशल मीडिया का सहारा लिया जा रहा है, बल्कि भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कुछ पुराने हैश टैग को भी भारत के खिलाफ बढ़ाए जाने वाले अभियान के तौर पर देखा गया है। सूत्रों के मुताबिक हैशटैग इंडिया आउट का अभियान पाकिस्तान के मानी अब्दुल ने 5 सितबर 2020 को रात 8 बजकर 53 पर तैयार किया था। इसी हैशटैग को दोबारा बंगलादेश में आगे बढ़ाया जा रहा है। यही नहीं 28 अगस्त 2016 को रात 10 बजकर 40 मिनट पर कश्मीर में माहौल खराब करने के लिए शुरू किया हैशटैग अभियान बायकॉट इंडिया तैयार किया गया था। जिसको आठ साल बाद बांग्लादेश में भारत के खिलाफ बनाए जा रहे माहौल में इस्तेमाल किया जा रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियो से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इन सभी अभियान में पाकिस्तान की संलिप्तता सामने आ रही है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को मिले इनपुट के आधार पर पता चला है कि 27 अगस्त को पीटीआई के अलीम खान ने बॉयकॉट इंडियन प्रोडक्ट्स नाम से सोशल मीडया पर हैश टैग अभियान शुरू किया था। इस अभियान को भी बांग्लादेश में भारत के खिलाफ बनाए जाने वाले माहौल में दोबारा शुरू किया गया है। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों की ओर से तैयार किए गए अभियान को बांग्लादेश में बढ़ाए जाने पर न सिर्फ गंभीर चिंता व्यक्त की है। बल्कि पूरी घटना की जानकारी केंद्र सरकार से भी साझा की है। खुफिया एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक भारत के खिलाफ बांग्लादेश में खड़े हो रहे इस बड़े अभियान में पाकिस्तान की एजेंसी आईएसआई का बड़ा हाथ है। खुफिया एजेंसियो को कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हाथ लगी है जिसमें भारत और बांग्लादेश के बेहतर रिश्तों को खराब करने में पाकिस्तान की साजिश का पता चला है। इस पूरे मामले में केंद्रीय खुफिया एजेंसियों को ऐसे कई सोशल मीडिया अकाउंट भी पता चले हैं जो पाकिस्तान में रहकर बांग्लादेश के लिए इंडिया आउट का अभियान आगे बढ़ा रहे हैं। इस पूरे मामले को नजदीक से मॉनिटर कर रही खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं कि शुरुआती चरण में 55 ट्विटर अकाउंट को ट्रेस किया गया है जो भारत और बांग्लादेश के रिश्तों को खराब करने में लगे हैं। ज्यादातर इन अकाउंट की लोकेशन इस्लामाबाद लाहौर कराची समेत पेशावर और अन्य पाकिस्तान के छोटे-छोटे शहरों की मिली है। खुफिया एजेंसी से जुड़े सूत्र बताते हैं यह वह अकाउंट हैं जो पाकिस्तान के इशारे पर पहले भी कई अन्य मामलों को आगे बढ़ाते रहे हैं। इसके अलावा बांग्लादेश के 140 ट्विटर अकाउंट की भी जानकारी केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के हाथ लगी है। जो भारत के खिलाफ माहौल बनाने में लगे हुए हैं। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पूरे मामले में कई ऐसे खुलासे भी किए हैं जो बताते हैं कि गलत सूचनाओं के आधार पर एक बड़ा माहौल तैयार हो रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि रूपोन रज्जाक नाम के सोशल मीडिया अकाउंट से भारत के खिलाफ ऐसा ट्वीट किया गया जिससे दोनों देशों की सेनाओं पर सवाल उठाए गए। यही नहीं रज्जाक के अकाउंट से कई ऐसी आपत्तिजनक पोस्ट भी की गई जिससे दोनों देशों के रिश्तों के खराब होने के साथ-साथ माहौल बिगड़ने की परिस्थितियों पैदा हो गई।

पहले चरण की अधिसूचना के साथ ही जम्मू कश्मीर में सियासी हलचल तेज

डॉ. जितेंद्र सिंह ने उधमपुर सीट के लिए पर्चा भरा

कांग्रेस लाल सिंह को उतारेगी मुकाबले में

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 21 मार्च।

लोकसभा सीटों के पहले चरण की अधिसूचना जारी होने के बाद प्रदेश में सियासी हलचल ने जोर पकड़ लिया है। पहले चरण में उधमपुर लोकसभा सीट के लिए मतदान होना है। इसके लिए इस संसदीय क्षेत्र से दो बार सांसद रहे डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कठुआ में अपना नामांकन भरा। उन्होंने हैट्रिक बनाने की उम्मीद तो जताई है पर इसी सीट पर कांग्रेस द्वारा चौधरी लाल सिंह को मैदान में उतारने के कारण मुकाबला कांटे का हो गया है।

उधमपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार डॉ. जितेंद्र सिंह ने गुरुवार को कठुआ के जिला उपायुक्त कार्यालय में नामांकन दाखिल किया। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र

रैना, ग्रेट खली उर्फ दलीप सिंह व अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। कठुआ के कालीबाड़ी में रोड शो करते हुए बड़ी संख्या में भाजपा समर्थकों के साथ जितेंद्र सिंह उपायुक्त कार्यालय के करीब पहुंचे।

नामांकन भरने के बाद कठुआ शहर के रामलीला मैदान में उन्होंने एक रैली को संबोधित भी किया। डॉ. जितेंद्र सिंह पर भाजपा ने तीसरी बार भरोसा जताया है। इससे पहले 2014 व 2019 में वह इसी लोकसभा सीट से विजयी हुए हैं और पीएमओ में मंत्री रहे हैं। अपना नामांकन दाखिल करने से पहले जितेंद्र सिंह ने सुबह जम्मू स्थित अपने घर पर पूजा की।

पर इस सीट पर मुकाबला कांटे का लगने लगा है क्योंकि पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस से दो बार सांसद रह चुके चौधरी लाल सिंह का गुरुवार को जम्मू पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ जो कल ही कांग्रेस में शामिल हुए हैं और कांग्रेस उन्हें डॉ. जितेंद्र सिंह के मुकाले उतार रही है। बुधवार को लगभग 10 साल के बाद फिर लाल सिंह ने कांग्रेस में वापसी की थी। इन दस सालों में वह भाजपा के साथ रहे। विधायक बन कर प्रदेश में मंत्री भी रहे। फिर भाजपा से अलग होकर खुद की पार्टी डोगरा स्वाभिमान संगठन बनाई। अब एक बार फिर कांग्रेस से हाथ मिलाया है।

चौधरी लाल सिंह ने कांग्रेस की टिकट से उधमपुर सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। हालांकि कांग्रेस की ओर से इस सीट पर उम्मीदवार की घोषणा किया जाना अभी बाकी है। लाल सिंह 2004 और 2009 में उधमपुर की सीट से जीत हासिल कर चुके हैं। अगर कांग्रेस एक बार फिर लाल सिंह को उधमपुर सीट से मैदान में उतारती है तो इस सीट पर मुकाबला दिलचस्प हो जाएगा।

इस बीच जेल में बंद इंजीनियर रशीद को अवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) ने उत्तरी कश्मीर की बारामुला लोकसभा सीट से उम्मीदवार के रूप में नामित किया है। रशीद द्वारा स्थापित एआईपी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) ने बताया कि सर्वसम्मति से पार्टी प्रमुख को लोकसभा उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का निर्णय लिया गया है।

पार्टी प्रवक्ता फिरदौस बाबा ने कहा कि हमें उम्मीद है कि चुनाव से पहले उन्हें रिहा कर दिया जाएगा। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो वह तिहाड़ जेल से ही चुनाव लड़ेंगे। बाबा ने कहा कि दोषी न ठहराए जाने तक संविधान किसी भी आरोपी को चुनाव लड़ने की इजाजत देता है। रशीद को एनआईए ने 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 को रद्द करने से दो दिन पहले गिरफ्तार किया था और बाद में यूएपीए की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

असम पुलिस ने गिरफ्तार आईएसआईएस इंडिया प्रमुख को एनआईए को सौंपा

गुवाहाटी, 21 मार्च (एजेंसियां)। आईएसआईएस इंडिया प्रमुख हारिस फारूकी उर्फ हरीश अजमल फारुखी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान को बांग्लादेश से सीमा पार करने के बाद बुधवार को असम के धुबरी जिले से गिरफ्तार कर लिया गया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया सूचनाओं के 15 दिनों के विश्लेषण और स्थानीय लिंक की तलाश के बाद यह कार्रवाई की गई। एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के महानिरीक्षक पार्थसारथी महंत ने कहा कि दो आईएसआईएस आंतकियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पहले ही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया है। हमें लगभग 15 दिन पहले एक केंद्रीय एजेंसी से जानकारी मिली थी कि धुबरी के कुछ हिस्सों में आईएसआईएस आतंकी की संभावित आवाजाही हो सकती है। इनपुट विश्वसनीय थे और इसलिए एसटीएफ को शामिल किया गया था। इस बीच, एनआईए ने भारत में आईएसआईएस के दो आतंकी हारिस फारूकी और उसके सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ रेहान, जिन्हें असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) द्वारा गिरफ्तार किया गया था, को गुवाहाटी में एनआईए अदालत में पेश किया। महंत ने कहा, इसके बाद एसटीएफ ने संभावित क्षेत्रों पर काम करना शुरू कर दिया था, यदि कोई स्थानीय लिंक हो तो उसे ढूंढने की कोशिश की और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए एक योजना तैयार की थी।

आईजीपी ने कहा कि पुलिस के पास पहले से ही आईएसआईएस आंतकियों की तस्वीरें थीं और उनमें से दो सड़क पर चल रहे लोगों से मेल खाती थीं। उन्होंने कहा, हमने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और तुरंत गुवाहाटी ले आए। हमने उन्हें कल रात ही एनआईए को सौंप दिया।

29 जून से 19 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

इस बार भी 10 लाख श्रद्धालुओं को न्यौता

मेडिकली फिट का सर्टिफिकेट लेकर आना होगा

जम्मू, 21 मार्च (ब्यूरो)। इस बार भी अमरनाथ यात्रा में करीब 10 लाख लोगों को न्यौता दिया गया है। इस बार यह यात्रा 52 दिनों तक चलेगी जबकि पिछले साल यह 62 दिनों तक चली थी जबकि वर्ष 2018 में 46 दिन। इस बार भी 29 जून को आरंभ होने वाली अमरनाथ यात्रा में शामिल होने वाले का तंदरुस्त होना जरूरी होगा। अर्थात बिना मेडिकल फिटनेस और मेडिकल सर्टिफिकेट के कोई भी इसमें शामिल नहीं होगा। इस बार दोनों रास्तों पर यात्रियों की संख्या पर फिलहाल कोई बंदिश लागू नहीं की गई है।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू कर दिए जाएंगे। यात्रियों को किस तरह और कितने दलों में भेजा जाएगा, इसका प्लान भी तैयार हो गया है। इस बार अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होगी और यह 19 अगस्त तक चलेगी। यात्रा से पूर्व 22 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर प्रथम पूजन का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए अप्रैल में देशभर की विभिन्न बैंक शाख-ाओं में यात्री अग्रिम पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी है। उप राज्यपाल ने यात्रा के दौरान किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सभी उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल अमरनाथ यात्रा के प्रति आधिकारिक घोषणा होना बाकी है।

अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले कई श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण हर साल मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए यात्रा का प्रबंधन करने वाले श्राइन बोर्ड ने फैसला किया है कि यात्रा के लिए पंजीकरण कराने के समय श्रद्धालुओं को चिकित्सा प्रमाणपत्र दिखाना होगा। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि आज श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की एक उच्च स्तरीय बैठक में यह फैसला लिया गया।

इस बैठक की अध्यक्षता उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने की। बैठक में हृदयाघात से मरने वाले श्रद्धालुओं के संबंध में चर्चा की गई। प्रवक्ता ने कहा कि बोर्ड ने हृदय संबंधी समस्याओं के कारण मारे जाने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या पर चर्चा की। बोर्ड ने तय किया कि यात्रा के लिए पंजीकरण कराने के समय श्रद्धालुओं को किसी पंजीकृत चिकित्सक द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना होगा। देशभर के राज्यों/केंद्र शासित राज्यों में पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू कश्मीर बैंक और यस बैंक की नामित बैंक शाखाओं में यात्री पंजीकरण की सुविधा दी जा रही है। पंजीकरण 15 अप्रैल से आरंभ होगा जिसमें प्रतिदिन 20 हजार लोगों का पंजीकरण किया जाएगा।

बोर्ड की बैठक में यह निर्देश दिया गया है कि यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पंजीकरण वक्त से हो जाए। इसलिए इसे इस बार 15 अप्रैल से ही आरंभ कर दिया जाएगा। यात्रा पर जाने वाले सभी पंजीकृत श्रद्धालुओं का अमरनाथ श्राइन बोर्ड की ओर से दुर्घटना बीमा निशुल्क किया जाएगा। यह फैसला श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड की बैठक में किया गया। बर्फबारी थमते ही सुरक्षाबलों व प्रशासन से सुरक्षा प्रबंध शुरू करने के लिए कहा जाएगा।

जानकारी के लिए वर्ष 2012 की यात्रा के दौरान 128 श्रद्धाल-ुओं की मौत हुई थी।

इस बार यात्रा पर जाने के इच्छुक श्रद्धालुओं का पहले मेडिकल फिटनेस टेस्ट होगा और उसके बाद हर पंजीकृत श्रद्धालु का बोर्ड की ओर से निःशुल्क बीमा किया जाएगा। यात्रा कैंपों के लिए मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है। बोर्ड ने यात्रा के दौरान लंगर की व्यवस्था को भी मंजूरी दे दी है। यात्रा में 13 साल से कम और 75 साल से अधिक उम्र के लोगों को शामिल होने की अनुमति नहीं मिलेगी ।

अपराध और आतंकवाद से निपटने में सीबीआई की मदद करेगा यूरोपोल

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। अपराधों से निपटने में भारत और यूरोपीय संघ के देशों की सुरक्षा एजेंसी यूरोपोल के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समझौते पर यूरोपोल के कार्यकारी निदेशक कैथरीन डी बोले और सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने दस्तखत किए। 21 मार्च गुरुवार के दिन नई दिल्ली में मौजूद वरिष्ठ सीबीआई अधिकारियों और हेग में मौजूद यूरोपोल अधिकारियों की एक वर्चुअल मीटिंग हुई। इस दौरान सीबीआई निदेशक ने दोनों पक्षों द्वारा दिखाए गए सहयोग की सराहना की।

इस दौरान प्रवीण सूद ने कहा कि इस कार्य व्यवस्था को अमलीजामा पहनाने के लिए सीबीआई और यूरोपोल के बीच कई वर्षों से बातचीत हो रही थी।

अपराध से निपटने के प्रयासों में यह कोशिश मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने इस पर जोर दिया कि अपराध और अपराधियों का नेटवर्क अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जा पहुंचा है, जिसके खात्मे के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। इस तरह के आपराधिक नेटवर्क सीमाओं के पार काम करते हैं और आधुनिक तकनीकि का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में बेहतर सहयोग की मदद से हम ऐसी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं।

सीबीआई के अधिकारी के अनुसार यह कार्य व्यवस्था सीबीआई और यूरोपोल को एक साथ एक मंच पर लाएगी। सीबीआई और यूरोपोल के बीच नई कार्य व्यवस्था के तहत संगठित अपराध, वित्तीय अपराध, धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, साइबर अपराध, मानव तस्करी, मादक पदार्थों की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग, पर्यावरणीय अपराधों से संयुक्त रूप से निपटने में सहयोग बढ़ेगा। यह कार्य व्यवस्था संचार और सहयोग के लिए मजबूत तंत्र स्थापित करती है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि सीबीआई और यूरोपोल निर्बाध रूप से एक दूसरे का सहयोग कर सकेंगे। यूरोपोल का मिशन सभी प्रकार के गंभीर अंतरराष्ट्रीय और संगठित अपराध, साइबर अपराध और आतंकवाद का मुकाबला करने में अपने सदस्य देशों का समर्थन करना है।

वामपंथी उग्रवाद ग्रस्त क्षेत्रों का नए सिरे से वर्गीकरण

38 में से 12 जिले सबसे अधिक प्रभावित

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)। वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित 10 राज्यों के प्रभावित जिलों का नया वर्गीकरण गृह मंत्रालय ने जारी किया है।

अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 10 राज्यों में कुल 38 जिलों को 1 अप्रैल, 2024 से वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित क्षेत्रों के तौर पर वर्गीकृत किया गया है, जबकि 2015 में यह संख्या 75 थी। आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों का वर्गीकरण 2015 में अनुमोदित राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना के तहत संसाधनों की तैनाती के लिए आधार प्रदान करता है।

कश्मीर में आ गया जश्ने बहार का मौसम

बादामबाड़ी में बादाम के पेड़ों पर फूल देखने उमड़ी भीड़, 23 से गुलजार होगा ट्यूलिप गार्डन

जम्मू, 21 मार्च (ब्यूरो)। कश्मीर में जश्ने बहार का मौसम आ गया है। अगर मौसम ने साथ दिया तो आप 17 लाख से अधिक ट्यूलिप के फूलों को शनिवार से निहार सकते हैं। वैसे बादामबाड़ी में बादाम के पेड़ों पर फूल समय से पहले आ चुके हैं जिन्हें निहारने को भीड़ उमड़ने लगी है।

दरअसल जैसे-जैसे सर्दियों की ठंड धीरे-धीरे बसंत की हल्की गर्मी की जगह ले रही है, कश्मीर का प्रतिष्ठित बादामवाड़ी गार्डन बादाम के फूलों की लुभावनी सुंदरता के साथ जीवंत हो गया है, जो स्थानीय लोगों के लिए बहुत खुशी की बात है जो उत्सुकता से इस वार्षिक दृश्य का इंतजार करते हैं।

जाफरान कालोनी श्रीनगर के निवासी अजान का कहना था कि हम कश्मीरियों के लिए, बादामवाड़ी गार्डन में बादाम के पेड़ों का खिलना एक पोषित और सुंदर दृश्य है जो बसंत की शुरुआत का प्रतीक है। यह

एक ऐसा दृश्य है जो हमारे दिलों को खुशी से भर देता है और हमें हमारी भूमि की लच-ीलापन की याद दिलाता है।

मुंबई से कश्मीर घूमने आए एक पर्यटक राहुल ने बताया कि बादामवाड़ी गार्डन के बादाम के खिलने की मनमोहक सुंदरता और बसंत का आगमन आपकी नग्न आंखों से स्वर्ग को देखने जैसा है।

बर्फ से ढके पहाड़ों की पृष्ठभूमि के खिलाफ गुलाबी और सफेद फूलों की जीवंत छटा लोगों में आश्चर्य और श्रद्धा की भावना पैदा करती है।

बादाम के फूलों को निहारने बादामवाड़ी गार्डन में आए एक अन्य स्थानीय निवासी साहिल के बकौल, यह सुंदरता अद्वितीय है, यह एक परी कथा में कदम रखने जैसा है, जहां हर पेड़ नाजुक फूलों से सजा हुआ है। बसंत के आगमन का जश्न मनाने के लिए परिवार फूलों के बीच इकट्ठा होते हैं, और हवा एक उत्सव के रूप से भर जाती है।

एक जमाने में धूम मचाने वाला यह ऐतिहासिक बाग तकरीबन 28 साल तक सही देखरेख न मिलने के कारण अपनी साख खो चुका था, यहां तक कि उस समय की सरकार की गलत नीतियों के कारण बादामवाड़ी जो 309 वर्ष पहले 750 कनाल जमीन पर फैली थी सिमटते-सिमटते केवल 280 कनाल तक ही सीमित रह गई क्योंकि सरकार ने वहां पर तिब्बती कालोनी का निर्माण किया। इसको नए सिरे से सजाने संवारने के लिए जेके बैंक ने इसके निर्माण की जिम्मेदारी संभाली थी। वर्ष 2006 में इसका दोबारा निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया था।

तकरीबन 280 कनाल तक फैले हुए इस बाग को बड़ों के साथ-साथ बच्चों के आकर्षण के हर सामान से सजाया गया है। जिसमें एक किमी लंबा जौगर, तकरीबन तीस मीटर ऊंचा बादाम के आकार का फव्वारा भी शामिल है। इस अवसर पर यादें ताजा करते हुए लोगों का कहना था कि बादामवाड़ी केवल एक पर्यटन ही नहीं, बल्कि इसके साथ हमारा इतिहास भी जुड़ा है। यह जगह हमारी परंपरा का प्रतीक भी है।

दौसा सीट पर सचिन पायलट और किरोड़ीलाल मीणा की साख दांव पर! ऐसा है चुनावी गणित

दौसा/जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए राजस्थान में भाजपा ने 15 और कांग्रेस ने 10 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। कांग्रेस और भाजपा की एक और लिस्ट जल्द ही जारी हो सकती है। ऐसे में अब निगाहें पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के गढ़ दौसा लोकसभा सीट पर है। क्योंकि कांग्रेस के इस दिग्गज नेता के भरोसे पूर्वी राजस्थान में पार्टी पूरे दमखम के साथ उतरने के लिए तैयार है। जबकि कैबिनेट मंत्री और दौसा के कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीणा भी बड़ी चुनौती हैं। फिलहाल इस सीट पर दोनों ही पार्टी ने उम्मीदवारों का एलान नहीं किया है।

बता दें कि ऐसे में हर किसी कि

निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि दौसा लोकसभा सीट से किसको मौका दिया जाएगा? ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा इस बार दौसा सांसद जसकौर मीणा का टिकट काटकर किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगहमोन को टिकट दे सकती है। वहीं, कांग्रेस की ओर से पायलट कैंप के विधायक मुरारीलाल मीणा के मैदान में उतरने की संभावना है। पिछले लोकसभा चुनाव में मुरारीलाल मीणा की पत्नी बहुत ही कम मतों से हारी थीं। लेकिन इस बार यहां कठिन मुकाबला देखने को मिल सकता है।

पायलट का गढ़ मानी जाती है दौसा सीट

दौसा लोकसभा सीट को सचिन पायलट का गढ़ माना जाता है। उनके पिता राजेश पायलट यहां से सांसद रहे चुके हैं। राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री और कद्दावर नेता डॉ. किरोड़ीलाल मीण की भी दौसा पर अच्छी पकड़ है। हालांकि, दोनों ही पार्टियों ने इस सीट के लिए किसी भी उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है।

पिछले दो आम चुनावों में भाजपा ने प्रदेश की सभी सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार कांग्रेस हर हाल में भाजपा की जीत की हैट्रिक को रोकना चाहेगी।

कांग्रेस को पायलट पर भरोसा

कांग्रेस सचिन पायलट के जरिए पूर्वी राजस्थान की इस सीट पर जीत जरूर दर्ज करना चाहेगी। दौसा से वर्तमान में भाजपा की जसकौर मीणा सांसद हैं। माना जा रहा है कि भाजपा इस बार जसकौर की जगह किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन को टिकट दे सकती है। इधर, कांग्रेस सचिन पायलट के करीबी माने जाने वाले विधायक मुरारीलाल मीणा को टिकट दे सकती है। बताते चलें, साल 2019 के आम चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार बेहद कम मतों से जसकौर मीणा से हारी थी। लेकिन, इस बार माना जा रहा है कि दोनों पार्टियों के बीच सीट पर रोचक मुकाबला हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। दूसरों के मामलों में दख़ल देने से आज बचें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। आज आप पुरस्कृत होंगे या सराहे जाएंगे। दाम्पत्य जीवन मे बहुत स्नेह बढेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। जब आप समूह में हों तो ध्यान रखें कि आप क्या कह रहे हैं, बिना ज़्यादा समझे–बूझे अचानक कहे गए शब्दों के चलते आप कड़ी आलोचना के शिकार हो सकते हैं। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। अपने घर में बिखरी चीज़ों को संभालने का आज आप प्लान करेंगे लेकिन आपको इसके लिए आज खाली समय नहीं मिल पाएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त ख़ाली वक़्त है। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज बहतर दिन हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को ज़िंदगी में जगह भी दे सकते हैं. आज के इस ख़बसूरत दिन प्रेम–संबंध में आपकी सभी शिकायतें ग़ायब हो जाएंगी। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। जीवनसाथी का साथ बढीया खाने का लुत्फ उठाएंगे ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ख़ुशी से भरा अच्छा दिन है। आज धन आपके हाथ में नहीं टिकेगा, आपको धन संचय करने में आज बहुत दिक़्क़तों का सामना करना पड़ सकता है। आप महसूस करेंगे कि आपके दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं– लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। सावधान रहें, कोई आपसे अपना काम निकालकर अपना उल्लू सीधा कर सकता है। लेखक और मीडियाकर्मी बड़ी ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। कोई रोचक पुस्तक पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। ज़्यादा ख़र्च की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपको परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़तें होंगी, लेकिन इस वजह से अपनी मानसिक शान्ति भंग न होने दें। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। नई योजनाएँ आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का ज़रिया साबित होंगी। आज आपको अचानक किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है जिसकी वजह से घरवालों के साथ समय बिताने का आपका प्लान ख़राब हो सकता है। जीवनसाथी के साथ कुछ समय बिताए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। कुछ लोग जितना कर सकते हैं, उससे कई ज़्यादा करने का वादा कर देते हैं। शाम ढलते–ढलते कोई काम का बोझ आप को चिंतित कर सकता हैं आप चाहें तो परेशानियों को मुस्कुराकर दरकिनार कर सकते हैं या उनमें फँसकर परेशान हो सकते हैं। चुनाव आपको करना है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियों और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपने अतिरिक्त धन को सुरक्षित जगह पर रखिए, जो आने वाले वक़्त में आप फिर पा सकें। घर में कुछ बदलाव आपको काफ़ी भावुक बना सकते हैं, लेकिन आप अपनी भावनाएँ उनके सामने ज़ाहिर करने में क़ामयाब रहेंगे जो आपके लिए ख़ास हैं। योग्य कर्मियों को पदोन्नति या आर्थिक मुनाफ़ा हो सकता है। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद उठाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। इसलिए संयम बरतें, क्योंकि आपकी तल्ख़ी आस–पास के लोगों को दुःखी कर सकती है। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के साथ अपनी बातों को साझा करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपने मूल्यों को दरकिनार करने से बचें और हर फ़ैसला तार्किक तरीक़े से लें। प्रोपर्टी से जुड़े लेन–देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और ख़ाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। दोस्तों के साथ शाम को घूमने बाहर जाएँ, इससे आपको बहुत फ़ायदा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाक़ात आज किसी ख़ास से होने की संभावना है । अच्छा दिन है, क्योंकि आपको अपने लक्ष्यों को पाने के लिए बेहतरीन मौक़े मिलेंगे। आईटी से जुड़े लोगों को विदेश से बुलावा आ सकता है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी भी धार्मिक स्थल पर अपना ख़ाली समय बिता सकते हैं। आज आपको जीवनसाथी के साथ पर्याप्त समय मिल सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप मानसिक और शारीरिक तौर पर थकान महसूस कर सकते हैं, थोड़ा–सा आराम और पौष्टिक आहार आपके ऊर्जा–स्तर को उठाए रखने में अहम साबित होगा। किसी बड़े समूह में भागीदारी आपके लिए दिलचस्प साबित होगी, हालाँकि आपके ख़र्चे बढ़ सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ आराम के पल बिताएँ। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आपको अपने जीवनसाथी से पूरा सहयोग मिलेगा।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 22 मार्च 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी अहोरात्र
नक्षत्र : मघा उत्तर रात्रि 04:29 तक
योग : धृति सायं 06:33 तक
करण : कौलव सायं 06:05 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:18 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:22 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत,
होलाष्टक चालू हैं , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

इधर आचार संहिता चल रही, उधर दम पर दम शराब मिल रही

सिरोही,21 मार्च (एजेंसियां)।

सिरोही में आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल द्वारा बरेली–भुज आला हजरत एक्सप्रेस ट्रेन में चार बैग और एक प्लास्टिक के कट्टे में छुपाकर ले जाई जा रही 2.8 लाख रुपये कीमत की राजस्थान निर्मित देशी शराब पकड़ी गई है। यह ट्रेन के जनरल कोच में लावारिस हालत में मिली है। सबसे बड़ी एवं खास बात यह है कि ट्रेन में बीते 24 घंटे में शराब तस्करी का दूसरा मामला है। इससे एक दिन पूर्व रेलवे पुलिस द्वारा ट्रेन के स्लीपर क्लास में सफर कर रहे एक यात्री के पास से गुजरात ले जाई जा रही शराब जब्त कर उसे गिरफ्तार किया गया था। फिलहाल, रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पकड़ी गई शराब अग्रिम कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दी गई है।

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर शराब की तस्करी की रोकथाम के लिए आबूरोड रेलवे सुरक्षा बल निरीक्षक विकास कुमार की अगुवाई में सहायक उपनिरीक्षक कृष्ण कुमार, आरक्षी

वेदप्रकाश एवं योगेन्द्र कुमार की टास्क टीम द्वारा बरेली–भुज आला हजरत एक्सप्रेस के आबूरोड रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 2 पर आगमन पर तलाशी ली गई। इस दौरान ट्रेन के जनरल कोच में टॉयलेट के पास लावारिस हालत में चार बैग और एक प्लासिटक का कट्टा रखे हुए मिले।

कोच में मौजूद यात्रियों से इनके बारे में पूछताछ के दौरान अनभिज्ञता जताने पर रेलवे सुरक्षा बल कर्मियों द्वारा इन्हें अपने कब्जे में लेकर खोला गया।

इस दौरान चार बैग में राजस्थान निर्मित देशी शराब रॉयल विस्की के 288 पाउच 180 एमएल प्रत्येक, कुल 51840 एमएल व प्रत्येक की अंकित अधिकतम कीमत 86 रुपये होना पाया। एक प्लास्टिक के कट्टे में राजस्थान निर्मित देशी शराब व्हाइट लेस के कुल 180 पव्वे 180 एमएल प्रत्येक, कुल 32400 एमएल व प्रत्येक की अंकित अधिकतम कीमत 84 रुपये, कुल 84240 तथा कुल कीमत 39888 रुपये होना पाया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा पकड़ी गई शराब अग्रिम कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दी गई है।

इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम से हो रही आचार संहिता अनुपालना की मॉनिटरिंग, 24 घंटे निगरानी रखी जा रही

झुंझुनूं ,21 मार्च (एजेंसियां)।

झुंझुनूं जिले में आदर्श आचार संहिता की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के लिए एकीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल व निर्वाचन आयोग से नियुक्त हुए व्यय पर्यवेक्षक जया गणेश ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट के कमरा नंबर 118 में संचालित बहुउद्देशीय नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान व्यय पर्यवेक्षक व जिला निर्वाचन अधिकारी ने सी–विजिल एवं वोटर हेल्पलाइन नंबर 1950 पर प्राप्त होने वाली शिकायतों की जानकारी प्राप्त कर उनके निस्तारण के संबंध में भी अपडेट लिया।उन्होंने इन्टीग्रेटेड कंट्रोल रूम में सी–विजिल एप, टोल फ्री नम्बर एवं नियंत्रण कक्ष के नम्बर पर प्राप्त होने वाली शिकयतों का निर्धारित समय में निराकरण करने एवं चुनाव संबंधी सूचनाओं से उच्च अधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने बताया कि प्राप्त शिकायत पर प्रशासन द्वारा 100 मिनट में कार्रवाई करवाना सुनिश्चित किया जा रहा

है। उन्होंने बताया कि हेल्पलाइन नम्बर 1950 की टीम भी इस कंट्रोल रूम से काम कर रही है। इस दौरान एकीकृत नियंत्रण कक्ष के प्रभारी अधिकारी एडीएम रामरतन सौंकरीया, तकनीकी प्रभारी डीओआईटी के संयुक्त निदेशक घनश्याम गोयल व प्रकोष्ठ से संबंधित कार्मिक उपस्थित रहे।

विनय सहस्त्रबुद्धे बने राजस्थान के चुनाव प्रभारी

सतीश पूनिया संभालेंगे हरियाणा

जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।

बीजेपी ने की लोकसभा चुनावों को लेकर तीन राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी की घोषणा कर दी है। विनय सहस्त्रबुद्धे को राजस्थान का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। वहीं, प्रवेश वर्मा, विजया राहटकर को सहप्रभारी बनाया गया है। सतीश पूनिया हरियाणा का चुनाव प्रभारी और सुरेंद्र सिंह नागर को हरियाणा का सहप्रभारी बनाया गया है। वहीं, अरुण सिंह को प्रभारी और सिद्धार्थनाथ सिंह को आंध्र प्रदेश का सहप्रभारी बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है। भारत निर्वाचन आयोग के तय शेड्यूल के अनुसार इस बार आम चुनाव 19 अप्रैल 2024 से शुरू होकर 04 जून तक सात चरणों में पूरे किए जाएंगे, जिसमें राजस्थान में दो चरणों में वोटिंग पूरी की जाएगी। राजस्थान में 19 अप्रैल को पहले चरण का चुनाव होना है, जबकि 26 अप्रैल को दूसरे चरण के लिए मतदान कराया जाएगा। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए नामांकन का दौर 20 मार्च से शुरू हो गया है। पहले चरण वाली सीटों पर नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर एवं जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए 27 मार्च तक नामांकन किए जा सकते हैं।

राजस्थान बीजेपी को बड़ा झटका, वसुंधरा राजे के करीबी नेता कांग्रेस में शामिल

जयपुर,21 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता प्रहलाद गुंजल ने कांग्रेस ज्वाइन कर ली है। गुरुवार दोपहर राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्य के पूर्व सीएम अशोक गहलोत की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है।

इस दौरान कांग्रेस कार्यालय गुंजल की जय–जयकार से गूंज उठा। गुंजल के अलावा 'मोदी का परिवार' छोड़कर आज नरेश मीणा, सुनील परिहार और फतेह मोहन भी कांग्रेस में शामिल हो गए। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुए इस फेरबदल को राजस्थान बीजेपी के लिए एक बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

वसुंधरा के करीबी रहे हैं गुंजल

गुंजल पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के भी निकट रहे हैं। पूर्व सीएम अशोक गहलोत और कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में गुंजल ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस गुंजल को कोटा–बूंदी संसदीय सीट से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के सामने चुनाव लड़वाएगी।

'हाड़ौती का शेर है' के नारों के बीच कांग्रेस ज्वाइन करने वाले प्रहलाद गुंजल ने कहा, आज मैंने भाजपा को छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। मैं भाजपा का 40 साल पुराना कार्यकर्ता रहा हूं। विद्यार्थी के रूप में भाजपा ज्वाइन करने से लेकर मैंने दो बार विधायक बनने तक का सफर तय किया है। इस लंबी यात्रा में अब ये महसूस होने लगा है कि देश में भय का वातावरण है, जिस प्रकार की स्थितियां लगातार हमारे सामने एक के बाद एक उपस्थित होती जा रही हैं। सत्ता की ताकत के बलबूते आम आदमी का आवाज का दबा देना और कुचल देने की प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए चुनौती बन गई है। मैं हमेशा ये बात कहता हूं कि अपने ऊपर भरोसा रखो, लोकतंत्र में सरकारें सुरक्षा की गारंटी होती हैं, भय का कारण नहीं। लेकिन जब–जब सरकार भ्रष्टाचारी बने तो उसके नौजवान कार्यकर्ता को हिम्मत और हौंसले के साथ उसका मुकाबला करना चाहिए।

गुंजल ने आगे कहा, आज देश जोर–जुल्म–राजनीति का चरित्र बन गया है। इसीलिए खरीददारी के इस दौर में खुद्दार लोग अपना अस्तित्व बचाने के लिए एकजुट जब तक नहीं होंगे, भारत की राजनीति का चेहरा खराब हो जाएगा। धारा में सिर्फ मरी हुई मछलियां बहती हैं, जिंदा मछली धारा के विपरीत बहती है। जो भाजपा चाल–चरित्र–चेहरे की बात किया करती थी, वो आज केवल एक ढकोसला बनकर रह गई है, अब वो चीजें खत्म हो गई हैं।बीजेपी लगातार हमला बोलते हुए गुंजल ने आगे कहा, कोटा की राजनीति में आज एक व्यक्ति के परिवार का कब्जा हो गया। इसीलिए आज भारतीय जनता पार्टी की रीति–नीति और सिद्धांत से जुड़ा हुआ खुद्दार कार्यकर्ता खून के आंसू बहा रहा है। वो केवल इस बात का नैतिक साहस नहीं जुटा पा रहा था कि वो अपनी जल धारा को त्यागकर जुर्म के खिलाफ खड़े हो जाए।

रिश्वत लेते हुए नगर परिषद का गृह कर शाखा इंचार्ज व दुकानदार गिरफ्तार, एसीबी ने की कार्रवाई

हांसी,21 मार्च (एजेंसियां)।

हांसी नगर परिषद के गृह कर शाखा इंचार्ज भूप सिंह व परिषद के बाहर चाय की दुकान चलाने वाले एक दुकानदार को एसीबी हिसार की टीम ने रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किया। प्रॉपर्टी आईडी को दुरुस्त करने के लिए 5 हजार रुपये की रिश्वत के साथ दोनों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई उमरा गेट के एक दुकानदार सुमित कथूरिया की शिकायत पर की गई। सुमित के अनुसार इंचार्ज भूप सिंह ने उसके प्लॉट की प्रॉपर्टी आईडी में नाम दर्ज करवाने व जगह को ठीक करने के लिए 6 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। जिसमें से एक हजार रुपये 19 मार्च को दे चुका था। बाकी के पांच हजार वीरवार को देने थे। सुमित ने बताया कि वह यह रकम लेकर गृह कर शाखा में पहुंचा।

जहां पर भूप सिंह ने उसे कार्यालय के बाहर बनी चाय की दुकान पर यह राशि रखने के लिए कहा। भूप सिंह के कहे अनुसार उसने यह राशि बाहर दुकान पर रख दी। सुमित ने बताया कि भूप सिंह के रिश्वत मांगने की वीडियो बना ली थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए दुकानदार से 5 हजार रुपये बरामद किए। वहीं भूप सिंह व चाय की दुकान चलाने वाले दुकानदार धर्मवीर उर्फ नानू को गिरफ्तार कर लिया।

टीम द्वारा भूप सिंह व दुकानदार से पूछताछ भी कई गई। सुमित द्वारा बनाई गई वीडियो टीम को सौंपी गई। सूचना मिलने के बाद काफी संख्या में पार्षद व शहर के लोग वहां एकत्रित हो गए। इस दौरान लोगों ने एसीबी टीम के समक्ष परिषद के अधिकारियों व कर्मचारियों पर इस तरह के कामों में रिश्वत मांगने के आरोप लगाए। टीम ने उनसे इस मामले में सबूतों सहित कार्यालय में शिकायत लेकर आने के लिए कहा।

हाल ही में भाजपा में शामिल नेता के आवास पर ईडी ने दी दस्तक देर रात तक कार्रवाई जारी

कुरुक्षेत्र/शाहाबाद,21 मार्च (एजेंसियां)।

हाल ही में भाजपा में शामिल हुए समाजसेवी संदीप गर्ग के आवास पर गुरुवार को ईडी की टीम ने दस्तक दी। दोपहर को शुरू हुई यह कार्रवाई समाचार लिखे जाने तक जारी रही। जानकारी के मुताबिक चंडीगढ़ एस्टेट ऑफिस की वरिष्ठ सहायक अधिकारी सरोज कुमारी के नेतृत्व में करीब सात से आठ सदस्यों की टीम द्वारा यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान हुडा चौकी प्रभारी महेश कुमार भी अपनी टीम के साथ मौके पर रहे।

हालांकि देर शाम तक जारी रही इस कार्रवाई के दौरान टीम ने क्या हासिल किया, यह स्पष्ट नहीं हो सका, लेकिन बताया जा रहा है कि जब टीम नेशनल हाईवे के समीप स्थित आवास पर पहुंची तो उक्त नेता एवं समाजसेवी भी मौजूद थे। यह भी बताया जा रहा है कि टीम को मुख्य दरवाजा न खुलने पर पीछे के दरवाजे से आवास के अंदर पहुंची। उधर संबंधित समाजसेवी एवं भाजपा नेता से प्रयास के बावजूद संपर्क नहीं हो सका।

ब्लैकमेल कर राहगीरों को लूटने वाली 6 नाइजीरियन समेत 14 युवतियां अरेस्ट

फगवाड़ा,21 मार्च (एजेंसियां)।

फगवाड़ा जीटी रोड पर रात के समय राहगीरों को ब्लैकमेल कर लूटने वाली छह नाइजीरियन समेत 14 युवतियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना सतनामपुरा की पुलिस ने दो अलग–अलग केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। इन युवतियों के कब्जे से राहगीरों से लूटी 2700 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार में कुछ युवतियों जिस्मफरोशी के धंधे में भी संलिप्त हैं। फगवाड़ा पुलिस ने इससे पहले दो अलग–अलग मामलों में 32 युवतियों को गिरफ्तार किया था, जिनमें 14 नाइजीरियन, थाइलैंड व घाना से संबंधित थी।

जानकारी के अनुसार चौकी चहेड़ू के इंचार्ज एसआई दर्शन भट्टी की अगुवाई में थाना सतनामपुरा की पुलिस ने फगवाड़ा के गांव महेड़ू में लॉ गेट पर नाकाबंदी की थी। इस दौरान दो व्यक्तियों वरिंदर सिंह निवासी बुड्ढा थेह ब्यास व अरविंदर कुमार उर्फ साबी निवासी नानक नगरी थाना सतनामपुरा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि लॉ गेट के समीप युवतियां भोले–भाले लोगों को अपने झांसे में फंसा जिस्मफरोशी व ब्लैकमेल कर रही हैं।

पुलिस ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर शिकायतकर्ताओं के बताए स्थान से 14 युवतियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा नंबर 39–40 के तहत आईपीसी की धारा 384 ,506 व 341 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। थाना सतनामपुरा के एसए–चओ गौरव धीर ने बताया कि उक्त युवतियां रात के समय में जालंधर से लॉ गेट आती थी और लोगों को चाकू व तीखे हथियार दिखाकर ब्लैकमेल कर लूटती थी। जब कोई इनका विरोध करता तो उन्हें डराती थी कि वह उन्हें झूठे मामले में फंसा देगी।

एसपी फगवाड़ा रुपिंदर कौर व डीएसपी जसप्रीत सिंह ने बताया कि पकड़ी गई युवतियों स्टूडेंट नहीं हैं। छह युवतियों नाइजीरिया व घाना की रहने वाली हैं। इनके वीजा वैध हैं या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है।

फेड ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया, इस वर्ष तीन तिमाही दर में कटौती की उम्मीद

वाशिंगटन,21 मार्च (एजेंसियां) ।

फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रिजर्व ने अनुमान लगाया कि मुद्रास्फीति कम होने से साल के अंत तक उधार लेने की लागत कुछ हद तक कम हो जाएगी। फेड अधिकारियों ने अपने मार्च नीति निर्णय में, ब्याज दरों को लगभग 5.3 प्रतिशत पर स्थिर रखा, जहां वे जुलाई 2023 से निर्धारित हैं।

नीति निर्माताओं ने दिसंबर के बाद पहली बार त्रैमासिक आर्थिक अनुमानों का एक नया सेट भी जारी किया और अनुमान लगाया कि उधार लेने की लागत 2024 में 4.6 प्रतिशत पर समाप्त हो जाएगी। उस अपरिवर्तित पूर्वानुमान से पता चलता है कि वे अभी भी इस वर्ष तीन तिमाही दर में कटौती की उम्मीद करते हैं।

विकास और मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की उम्मीद

फेड नीति निर्माता इस महीने तक पूरे दो वर्षों से तेजी से मुद्रास्फीति से जूझ रहे हैं। हालांकि, उन्हें हालिया प्रगति से प्रोत्साहित किया गया है, वे अभी तक मूल्य वृद्धि पर जीत की घोषणा करने के लिए तैयार नहीं हैं। यह देखते हुए, वे ब्याज दरों को उच्च स्तर पर रख रहे हैं, जिससे विकास और मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की उम्मीद है, भले ही वे संकेत देते हैं कि एनवाईटी के अनुसार, आने वाले महीनों में दरों में कटौती की संभावना है।

केंद्रीय बैंकर अर्थव्यवस्था को नरम स्थिति की ओर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि वे ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखें ताकि मूल्य वृद्धि को पूरी तरह से नियंत्रण में लाया जा सके, लेकिन वे इसे ज्यादा करने और मंदी का कारण बनने से भी बचना चाहते हैं।

फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बताया, यहां जोखिम वास्तव में दोतरफा हैं, हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां अगर हम बहुत अधिक या बहुत जल्द ढील देते हैं, तो हम मुद्रास्फीति को वापस आते हुए देख सकते हैं।

फेड अधिकारियों ने अपने मार्च नीति निर्णय में, ब्याज दरों को लगभग 5.3 प्रतिशत पर स्थिर रखा, जहां वे जुलाई 2023 से निर्धारित हैं। नीति निर्माताओं ने दिसंबर के बाद पहली बार त्रैमासिक आर्थिक अनुमानों का एक नया सेट भी जारी किया और अनुमान लगाया कि उधार लेने की लागत 2024 में 4.6 प्रतिशत पर समाप्त हो जाएगी।

पेटीएम की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह करेंगी काम, कंपनी ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

नई दिल्ली । पेटीएम ने अपने सभी ग्राहकों और शेयरधारकों को विश्वास दिलाया है कि पेटीएम की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी। दरअसल नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्यूनिकेशन को विभिन्न बैंकों के साथ थर्ड पार्टी एप्लीकेशन प्रोवाइडर के रूप में मंजूरी दे दी है। जिसके तहत कंपनी की यूपीआई सेवाएं पहले की तरह संचालित होती रहेंगी। ये चार बैंक पेटीएम के पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर के रूप में काम करेंगे कंपनी ने बताया कि चार बैंक (एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यस बैंक) वन97 कम्यूनिकेशन के पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर (भुगतान सेवा प्रदाता) के रूप में काम करेंगे। यस बैंक वन97 कम्यूनिकेशन के लिए मौजूदा और नए व्यापारिक भुगतान के लिए व्यापारी अधिग्रहण बैंक के रूप में काम करेगा। व्यापारी अधिग्रहण बैंक सेवा के तहत पेटीएम हैंडल ग्राहकों को यस बैंक के लिंक पर लेकर जाएगा, जिसकी मदद से यूजर्स और व्यापारी सभी लोग पेटीएम की यूपीआई और ऑटोपे जैसे सेवाओं का बिना किसी परेशानी के इस्तेमाल जारी रख सकेंगे। कंपनी ने सोशल मीडिया के जरिए दी जानकारी पेटीएम ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी। कंपनी ने लिखा कि हां, आप पेटीएम यूपीआई हैंडल की सेवाएं बिना किसी परेशानी के जारी रख सकेंगे। पेटीएम यूपीआई हैंडल को विभिन्न बैंक खातों से जोड़ दिया गया है। हैंडल के बदलाव के लिए हम जल्द ही अपने ग्राहकों को एक विकल्प प्रदान करेंगे।

69.2 करोड़ महिलाओं में से 37 प्रतिशत को मिला रोजगार, हैदराबाद सहित ये शहर हैं सबसे आगे

नई दिल्ली। देश में करीब 69.2 करोड़ महिलाओं की आबादी में से लगभग 37 फीसदी सक्रिय रूप से

काम कर रही हैं। करिअर नेट की रिपोर्ट के अनुसार, हैदराबाद, पुणे और चेन्नई जैसे शहर महिला रोजगार के मामले में शीर्ष पर हैं। 2022 की तुलना में 2023 में जूनियर स्तर पर और कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में 2-5 फीसदी की वृद्धि हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में कॉलेजों से निकली प्रतिभाओं में से 40 फीसदी महिलाएं थीं। तीन और सात वर्ष के अनुभव वाली महिला उम्मीदवारों का कुल नियुक्तियों का 20-25 फीसदी है। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर को छोड़कर देश के अधिकांश प्रमुख शहरों में महिलाओं की नियुक्ति अनुपात में मामूली वृद्धि हुई है। सबसे आगे हैदराबाद, दिल्ली-एनसीआर में गिरावट हैदराबाद 34 फीसदी नियुक्ति दर के साथ सबसे आगे है। पुणे में यह दर 33 फीसदी और चेन्नई में 29 फीसदी है। दिल्ली-एनसीआर में 20 फीसदी की गिरावट देखी गई है। यह रिपोर्ट 25,000 नौकरी प्लेसमेंट के विश्लेषण के साथ तैयार की गई है। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं में ज्यादा भर्तियां विश्लेषण से पता चला है कि बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा में महिलाओं की भर्ती का रुझान बढ़ा है। जहां शहरी आबादी में 30 फीसदी संगठित क्षेत्र में नियुक्त हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्र से 5 फीसदी ही हैं।

जून में आरबीआई की बैठक में रेपो रेट में हो सकती है कटौती, जमा पर कम हो जाएगा रिटर्न

नई दिल्ली । ऊंची ब्याज दरों का फायदा अब वरिष्ठ नागरिकों को भी मिल रहा है। करीब आठ ऐसे स्मॉल

फाइनेंस बैंक ऐसे हैं जो सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) पर 9.5 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। ऐसे में इन नागरिकों के लिए ऊंची ब्याज दर पर लंबे समय के लिए पैसा फिक्स करने का यह बेहतर अवसर है। विश्लेषकों के मुताबिक, आगे चलकर जून से दरों में कटौती होने की उम्मीद है। ऐसे में जमा पर ब्याज दरें भी घटने लगेंगी। इस समय चूंकि रेपो रेट अपने कई साल के उच्च स्तर पर है, साथ ही उधारी की मांग भी बहुत ज्यादा है, इसलिए बैंक ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। बड़े बैंकों की दर 7.85 फीसदी तक वैसे बड़े बैंक भी इस समय आम जमाकर्ताओं को 7.85 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं। हालांकि, वरिष्ठ नागरिकों के लिए इससे ज्यादा दर है। एक्सिस बैंक जहां एक साल की अवधि पर 7.85 फीसदी ब्याज दे रहा है, वहीं बैंक ऑफ बड़ौदा 7.25 फीसदी तक ब्याज दे रहा है। यह दरें अलग-अलग अवधि पर हैं। छोटे बैंकों में ईएएसएफ और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक भी वरिष्ठ नागरिकों को 8.75 फीसदी तक ब्याज दे रहे हैं।

विज्ञापन केस में पतंजलि ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी

कहा- ऐसे ऐड नहीं दिखाएंगे, कोर्ट ने रामदेव और बालकृष्ण को 2 अप्रैल को तलब किया है

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

सुप्रीम कोर्ट ने चल रहे पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापन मामले में अब कंपनी ने कोर्ट से अपनी गलती की माफी मांगी है। पतंजलि आयुर्वेद और उसके आचार्य बालकृष्ण ने गुमराह करने वाले भ्रामक दवा विज्ञापन देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी है। इस माफीनामे में विज्ञापन को फिर से प्रसारित न करने का भी वादा किया गया है। आचार्य बालकृष्ण का कहना है कि कंपनी के मीडिया विभाग को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी नहीं थी। उनका कहना है कि इसका उद्देश्य नागरिकों को पतंजलि के प्रोडक्ट का उपभोग करके स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करना था।

सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और बालकृष्ण को पेश होने का दिया था आदेश – कोर्ट ने 2 अप्रैल को पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापन मामले में स्वामी रामदेव (पतंजलि के को-फाउंडर) और पतंजलि के आचार्य बालकृष्ण को कोर्ट में पेश होने को कहा है। कंपनी और आचार्य बालकृष्ण ने नोटिस का जवाब दाखिल नहीं किया, जिसकी वजह से यह आदेश जारी किया गया था। अब उन्हें अगली तारीख पर कोर्ट में पेश होना पड़ सकता है। कोर्ट ने 19 मार्च को हुई सुनवाई में नोटिस जारी कर ये भी पूछा था कि उनके खिलाफ क्यों न अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए। जस्टिस हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई कर रहे हैं। इससे पहले 27 फरवरी को इस मामले की सुनवाई हुई थी। 27 फरवरी की सुनवाई में कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद के गुमराह करने वाले दवा विज्ञापनों पर रोक लगाई थी। इसके अलावा अवमानना कार्यवाही में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। दरअसल, कोर्ट ने पिछले साल भ्रामक विज्ञापन जारी नहीं करने का निर्देश दिया था, लेकिन कंपनी ने इसे नजरअंदाज किया।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई कर रही कोर्ट – सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को दायर की गई याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें कहा गया है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार किया। वहीं खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा किया।

कोर्ट के आदेश के बाद भी पतंजलि ने जारी किए थे विज्ञापन – इससे पहले हुई सुनवाई में आईएमए ने दिसंबर 2023 और जनवरी 2024 में प्रिंट मीडिया में जारी किए गए विज्ञापनों को कोर्ट के सामने पेश किया। इसके अलावा 22 नवंबर 2023 को पतंजलि के सीईओ बालकृष्ण के साथ योग गुरु रामदेव की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के बारे में भी बताया। पतंजलि ने इन विज्ञापनों में मधुमेह और अस्थमा को पूरी तरह से ठीक करने का दावा किया था। ये प्रेस कॉन्फ्रेंस सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के ठीक एक दिन बाद की गई थी। 21 नवंबर 2023 को हुई सुनवाई में जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा था- पतंजलि को सभी भ्रामक दावों वाले विज्ञापनों को तुरंत बंद करना होगा। कोर्ट ऐसे किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगा और हर एक प्रोडक्ट के झूठे दावे पर 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना लगा सकता है।

कोर्ट ने कहा था- पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है – पिछली सुनवाई में बेंच ने कहा था- पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। पतंजलि ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) एक्ट में बताई गई बीमारियों के इलाज का दावा करने वाले अपने प्रोडक्ट्स का विज्ञापन नहीं कर सकती।

कोर्ट ने सरकार से पूछा था- आपने पतंजलि पर क्या कार्रवाई की – कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि पतंजलि के विज्ञापनों के खिलाफ ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम 1954 के तहत क्या कार्रवाई की गई है। केंद्र की तरफ से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि इस बारे में डेटा इकट्ठा किया जा रहा है। कोर्ट ने इस जवाब पर नाराजगी जताई और कंपनी के विज्ञापनों पर नजर रखने का निर्देश दिया।

कोविड की दवा बनाने के दावे को लेकर घिरी थी पतंजलि – रामदेव बाबा ने दावा किया था कि उनके प्रोडक्ट कोरोनिल और स्वसारी से कोरोना का इलाज किया जा सकता है। इसके अलावा भी पतंजलि अपने कुछ अन्य प्रोडक्ट्स को लेकर विवादों में रही है। 2015 में कंपनी ने इंस्टेंट आटा नूडल्स लॉन्च करने से पहले फूड सेफ्टी एंड रेगुलेरिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया से लाइसेंस नहीं लिया था।

देश में तेजी से बढ़ रहा गेमिंग बाजार अमेरिका की गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में पहली बार भारत का पेवेलियन

वाशिंगटन,21 मार्च ।

अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है। खास बात ये है कि पहली बार इसमें भारत का भी पेवेलियन है। यह भारत और अमेरिका के बढ़ते संबंधों को दिखाता है। यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम के सहयोग से गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया है। फोरम के अध्यक्ष मुकेश अघी ने बताया कि भारत पेवेलियन का उद्घाटन भारत-अमेरिका के संबंधों में मील का पत्थर है।

देश में तेजी से बढ़ रही गेमिंग इंडस्ट्री

गेम डेवलेपर्स कॉन्फ्रेंस में भारत के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया। साथ ही इस दौरान इंडिया गेमिंग मार्केट रिपोर्ट भी जारी की गई। रिपोर्ट के अनुसार, भारत का गेमिंग मार्केट साल 2023 में 3.1 अरब डॉलर था, जिसके साल 2028 तक 6 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। कार्यक्रम में सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूत के श्रीकर रेड्डी भी समेत कई अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। रेड्डी ने कहा कि भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में काफी संभावनाएं हैं।

देश में 56 करोड़ ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोग

इंडिया गेमिंग मार्केट की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अभी ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर में एक लाख लोग काम करते हैं और आने वाले दशक में इस सेक्टर में ढाई लाख नौकरियां पैदा होने का अनुमान है। भारत में साल 2023 में इंटरनेट यूजर्स की संख्या 88 करोड़ थी, जिसके साल 2028 तक 1.2 अरब डॉलर पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट में बताया गया है कि साल 2023 में ऑनलाइन गेम खेलने वाले लोगों की संख्या करीब 56 करोड़ थी, जो 2028 तक बढ़कर 89 करोड़ हो जाएगी। भारत में साल 2015 में सिर्फ 25 गेमिंग कंपनियां थीं, जो साल 2023 में बढ़कर 1400 हो गई हैं। भारत में दुनिया में सबसे ज्यादा मोबाइल गेम एप डाउनलोड किए जाते हैं।

ईडी ने एआईएडीएमके नेता विजय भास्कर के ठिकानों पर की छापेमारी, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हुई कार्रवाई

चेन्नई,21 मार्च (एजेंसियां) ।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने एआईएडीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सी.विजयभास्कर के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी की कार्रवाई ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में की है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े दो मामलों में 25 ठिकानों पर छापेमारी की।

एआईएडीएमके सरकार में मंत्री रह चुके हैं विजयभास्कर

विजयभास्कर एआईएडीएमके की सरकार में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं और तमिलनाडु की पुडुकोट्टई से पार्टी के शीर्ष नेता हैं। साल 2022 में तमिलनाडु की विजिलेंस टीम ने विजयभास्कर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में जांच की थी। विजिलेंस की जांच के आधार पर ही ईडी ने एआईएडीएमके नेता के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई की। इससे पहले साल 2022 में भी विजयभास्कर के खिलाफ गुटखा घोटाले में मामला दर्ज हुआ था। ईडी ने जिन ठिकानों पर छापेमारी की, उनमें रियल एस्टेट ग्रुप जीसक्वायर के चेन्नई स्थित ठिकाने भी शामिल हैं। रांची में भी ईडी की छापेमारी ईडी ने झारखंड में भी छापेमारी की। ईडी ने झारखंड कांग्रेस के नेता लाल मोहित शाहदेव और

झारखंड पुलिस की एक महिला दारोगा के ठिकानों पर छापेमारी की। दोनों के आवास रांच के तुपुदाना इलाके में हैं। झारखंड के जमीन से जुड़े घोटाले की जांच में दोनों के खिलाफ ईडी को कथित तौर पर सबूत मिले हैं। ईडी ने बिहार के भोजपुर, बक्सर जिले में ब्रह्मपुर विधानसभा के राजद विधायक शंभूनाथ सिंह और उनसे जुड़े लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी आरा-बक्सर हाइवे पर अमराई नवादा स्थित होटल और पेट्रोल पंप पर एक साथ छापेमारी की गई।

नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान ने मांगा 24वां बेलआउट पैकेज, आईएमएफ ने मामले पर कहा

इस्लामाबाद,21 मार्च (एजेंसियां) ।

नकदी संकट से जूझ रहा पाकिस्तान दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधार के तहत स्थायी प्रोत्साहन के लिए 24वें मध्यम अवधि के बेलआउट पैकेज की मांग कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष(आईएमएफ) ने इसकी जानकारी दी। जारी बयान के मुताबिक, पिछले साल जुलाई में स्वीकृत आईएमएफ की तीन अरब अमेरिकी डॉलर की स्टैंडबाय व्यवस्था द्वारा समर्थित पाकिस्तान के स्थिरीकरण कार्यक्रम की दूसरी और अंतिम समीक्षा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ कर्मचारी स्तर के समझौते पर पहुंची है।

पाकिस्तान में आर्थिक सुधार पर जोर – पिछले कार्यक्रमों की तरह चार केंद्रीय क्षेत्र सुधारों पर ध्यान केंद्रित रहेंगे। लगभग 36 से 39 महीनों के अगले मध्यम अवधि के कार्यक्रम विस्तारित फंड सुविधा का शीर्ष उद्देश्य सार्वजनिक वित्त को मजबूत करना होगा, जिसमें राजकोषीय समेकन और कर आधार को व्यापक बनाना शामिल है।

चार केंद्रीय क्षेत्र सुधारों पर मुख्य फोकस – अगले कार्यक्रम का दूसरा उद्देश्य लागत कम करने वाले सुधारों में तेजी लाकर ऊर्जा क्षेत्र की व्यवहार्यता को बहाल करना होगा। तीसरा मुख्य उद्देश्य मुद्रास्फीति को लक्ष्य पर लौटाना है, अधिक पारदर्शी लचीले विदेशी मुद्रा बाजार के साथ बाहरी पुनर्संतुलन और विदेशी मुद्रा भंडार के पुनर्निर्माण का समर्थन करना है। चौथा और अंतिम महत्वपूर्ण उद्देश्य

निजी नेतृत्व वाली गतिविधि को बढ़ावा देना होगा, साथ ही क्षेत्र के प्रदर्शन में सुधार के लिए राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) सुधारों को आगे बढ़ाना और मानव में निवेश को बढ़ाना होगा।

पाकिस्तान की आर्थिक और वित्तीय स्थिति में हुआ सुधार- नाथन – पाकिस्तान में आईएमएफ मिशन प्रमुख, नाथन ने कहा कि पहली समीक्षा के बाद के महीनों में पाकिस्तान की आर्थिक और वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। नीति प्रबंधन, बहुपक्षीय और द्विपक्षीय भागीदारों से प्रवाह की बहाली के कारण विकास और आत्मविश्वास में सुधार जारी है।

लोकसभा चुनाव के बाद बाजार में आ सकता है 100 अरब डॉलर का विदेशी निवेश, जेपी मॉर्गन ने कही यह बात

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

देश में आम चुनावों के बाद शेयर बाजार में 100 अरब डॉलर का निवेश विदेशी निवेश आ सकता है। जेपी मॉर्गन ने कहा कि अर्थव्यवस्था की आशाजनक विकास संभावनाओं और अमेरिका के फेडरल रिजर्व की दर में कटौती की संभावना के चलते भारतीय बाजार आकर्षक बना हुआ है।

जेपी मॉर्गन के एक अधिकारी ने कहा, भारत के 4.3 लाख करोड़ डॉलर वाले शेयर बाजार में वैश्विक फंड की स्थिति हल्की बनी हुई है। निवेशक बाजार के किसी भी सुधार को होल्डिंग बढ़ाने के अवसर के रूप में उपयोग करेंगे। विदेशी निवेशक पिछले दो ढाई साल से अपने निवेश को बहुत ज्यादा नहीं बढ़ाए हैं। वे एक स्पष्ट और मजबूत अवसर के इंतजार में हैं। विदेशी निवेशक विकास आधारित नीतियों या सुधारों के आधार पर बाजार में निवेश बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में इस पर ज्यादा जोर दिया जा सकता है। इसलिए चुनावों के बाद नई सरकार के आने पर विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में अच्छा खासा निवेश कर सकते हैं।

गोल्डमैन का भी निवेश का अनुमान

जेपी मॉर्गन से पहले गोल्डमैन सैश ने भी कहा

है कि नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने से इस दशक में भारत तेज विकास करेगा। मोदी सरकार ने बाजार-अनुकूल नीतियों को जारी रखने, बुनियादी ढांचे पर खर्च करने और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ावा देने का वादा किया है।

भारत सबसे आगे रहेगा

कई निवेशकों का तर्क है कि अर्थव्यवस्था की बेहतर विकास संभावनाओं और राजनीतिक स्थिरता को देखते हुए भारत दूसरे उभरते बाजारों की तुलना में आगे रह सकता है। गोल्डमैन के एशिया के इक्विटी रणनीतिकार सुनील कौल ने कहा, वैश्विक फंड भारत में निवेश बढ़ाने के इच्छुक हैं। बेहतर अवसर की तलाश में हैं। हमें उम्मीद है कि साल के उत्तरार्ध में विदेशी प्रवाह बढ़ेगा, क्योंकि चुनाव हो चुका होगा। साथ ही, केंद्रीय बैंक दरों को घटाएंगे। डॉलर भी रुपया की तुलना में कमजोर होगा।

763 अरब डॉलर है विदेशी निवेशकों का हिस्सा

जेपी मॉर्गन के अधिकारी ने कहा, भारतीय बाजार के लिए अपने उच्च मूल्यांकन को बनाए रखने के लिए नीतिगत निरंतरता जरूरी है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी के अंत तक विदेशी निवेशकों की भारतीय शेयरों में हिस्सेदारी 763 अरब डॉलर थी।

दूसरी छमाही से निवेश में रहेगा उतार-चढ़ाव

पिछले साल की दूसरी छमाही से विदेशी निवेश में उतार-चढ़ाव है। लगातार तेजी से बाजार का मूल्यांकन ज्यादा हो गया है। एनएसई निफ्टी 50 इंडेक्स 2023 में रिकॉर्ड आठ साल की तेजी को इस साल गंवा सकता है।

बंगाल में टीएमसी सरकार के मंत्री के भाई के घर आयकर की छापेमारी, कर चोरी मामले में कार्रवाई

कोलकाता । लोकसभा चुनाव से पहले आयकर विभाग ने तृणमूल कांग्रेस के नेता स्वरूप विश्वास के आवास पर छापेमारी की। स्वरूप पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार में मंत्री के भाई हैं। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी 12 घंटे से अधिक समय से जारी है। कार्रवाई दो रियल एस्टेट कंपनियों की ओर से कथित कर चोरी को लेकर की जा रही है। आयकर अधिकारी ने बताया कि आयकर विभाग के अधिकारी कोलकाता में स्वरूप विश्वास से जुड़े पांच स्थानों पर तलाशी अभियान चला रहे हैं। जहां तलाशी अभियान चल रहा है, उनमें से कुछ न्यू अलीपुर और बेहाला इलाके में हैं। स्वरूप विश्वास मंत्री अरूप विश्वास के भाई हैं। अधिकारी ने कहा कि तलाशी अभियान दो रियल एस्टेट समूहों की कर चोरी और आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों की जांच के संबंध में चलाया जा रहा है। जांच के दौरान अधिकारियों को फर्जी कंपनियों का पता चला है।

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

संपादकीय

चुनावी बॉन्ड 'काला धन' कैसे?

चुनावी बॉन्ड को सर्वोच्च अदालत 'असंवैधानिक' करार दे चुकी है और उन पर रोक भी लगा दी गई है, लिहाजा यह अध्याय यहीं समाप्त हो जाना चाहिए था। अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्यौरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334.35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदा... ! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं, जिन्हें उनकी हैसियत के मुताबिक करोड़ों में चंदा दिया गया है। क्या कांग्रेस समेत वे सभी दल 'घोटालेबाज' हैं? चुनावी बॉन्ड पर शीर्ष अदालत के फैसले पर कोई सवाल नहीं, अलबत्ता देश का बौद्धिक और जागरूक वर्ग कमोबेश चिंतन कर सकता है कि ऐसा चुनावी चंदा 'घोटाला' कैसे माना जा सकता है? विश्व में ऐसा कोई देश नहीं है, जहां राजनीतिक दलों को चंदा न दिया जाता हो। जहां आम चुनाव के लिए सरकारें आर्थिक संसाधन मुहैया कराती हैं, वहां भी औद्योगिक घराने और वैचारिक तौर पर जुड़ी आम जनता चुनावी चंदे देती रही है। यह एक सार्वजनिक परंपरा और प्रक्रिया है। औसत करदाता को आयकर या अन्य कर-योग्य संपदा में छूट भी मिलती है, लिहाजा देश की आजादी और संविधान को ग्रहण करने के बाद चंदा देने की परंपरा रही है। इस चंदे के संदर्भ में 'काला धन' का खूब शोर मचाया जा रहा है, लेकिन जो पैसा देश के बुनियादी ढांचे के विकास और जन-कल्याण की परियोजनाओं में निवेश किया जाता रहा है, उस आर्थिक स्रोत को 'काला धन' करार कैसे दिया जा सकता है? दरअसल चुनावी बॉन्ड के तौर पर व्यक्ति, संस्थान, औद्योगिक ईकाई और समूह जितना पैसा निवेश करते हैं, वह अनिवार्य रूप से उनके खातों में दिखाया जाता है। जिन राजनीतिक दलों को बॉन्ड के जरिए चंदा मिला है, उसे दलों ने भी अपने अधिकृत खातों में दिखाया होगा। चुनाव आयोग एक निश्चित अंतराल पर इन खातों की जांच करता रहा है। तो फिर बॉन्ड में खर्च किया गया धन 'काला धन' कैसे कहा जा सकता है? दरअसल 'काला धन' वह है, जिसे आरोपित व्यक्ति या कॉरपोरेट घराने अथवा राजनेता विदेशी बैंकों में खाते खुलवा कर जमा कर देते हैं और कर-जांच एजेंसियों को उनके खुलासे भी नहीं किए जाते। ऐसे कई 'काले रहस्योद्घाटन' हो चुके हैं। अभी तक चुनाव आयोग के जरिए जितने चुनावी बॉन्ड सार्वजनिक किए गए हैं, उनमें रिलायंस, अंबानी, टाटा, बिरला सरीखे बड़े औद्योगिक समूहों के नाम नहीं हैं। क्या वे राजनीतिक दलों को चंदा नहीं देते? सबसे अधिक 1368 करोड़ रुपए के बॉन्ड खरीदने वाले 'लॉटरी किंग' मार्टिन की कंपनी 'फ्यूचर गेमिंग' पर प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर आदि सरकारी एजेंसियों के कई बार छापे मारे जा चुके हैं, जेल भी जाना पड़ा है, फिर भी उसने सर्वाधिक चंदा दिया है। चूंकि कंपनी का मुख्यालय अब तमिलनाडु में है, लिहाजा वहां की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक को 509 करोड़ रुपए का चंदा दिया गया है। ऐसी कई कंपनियां चुनावी चंदे की सूची में हैं, जिनका मुनाफा कम है, लेकिन वे कई गुना ज्यादा चंदा दे रही हैं। ऐसी भी खबरें आई हैं कि किसी ने बंद लिफाफे में 1-1 करोड़ के 10 बॉन्ड जद-यू के दफ्तर में भेज दिए। भाजपा को 8 बार एक ही दिन में 100-100 करोड़ मिले। एक दिन में 200 करोड़ भी मिले। भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल सहित कई दलों ने चंदा देने वालों के नाम के खुलासे नहीं किए हैं। बताया जाता है कि बसपा, इंनेलो, एमआईएम, एनपीपी समेत कई छोटे दलों को बॉन्ड से चंदा नहीं मिला है।

> अब चुनाव आयोग अपनी वेबसाइट पर वे ब्यौरे जारी कर रहा है, जो भारतीय स्टेट बैंक ने भेजे हैं और जारी करने का आदेश सर्वोच्च अदालत का है। कांग्रेस समेत विपक्ष के दल इस चुनावी चंदे को 'बहुत बड़ा घोटाला' चित्रित कर रहे हैं, जो हास्यास्पद राजनीति है। यदि बॉन्ड के जरिए फरवरी, 2024 तक करीब 7700 करोड़ रुपए का चंदा भाजपा को मिला है, तो नवम्बर, 2023 तक 1334 .35 करोड़ रुपए का चंदा कांग्रेस के हिस्से भी आया है। गणना कर लें कि फरवरी, 2024 तक कितना पैसा कांग्रेस के खजाने तक पहुंचा होगा! सूची में दूसरा स्थान तृणमूल कांग्रेस का है, जिसे 1397 करोड़ रुपए का चंदा मिला है। एक क्षेत्रीय दल को इतना चंदा...! सूची में बीआरएस, बीजद, द्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, टीडीपी, राजद, एनसीपी, सपा, अकाली दल, अन्नाद्रमुक आदि क्षेत्रीय दल भी हैं।

निम्न मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 83000 से 332000 रुपए के बीच है

अब भारत होगा उच्च मध्यम आय वाला देश

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत फिलहाल 3 .6 लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके आगे अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6 .7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा और उस समय तक भारत की प्रति व्यक्ति आय भी बढकर 4500 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी और भारत उच्च मध्यम आय वाले देशों के समूह में शामिल हो जाएगा। गौरतलब है कि विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक दुनिया में निम्न आय वर्ग वाले 26 देश हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 83000 रुपए या उससे कम है।

हाल ही में 6 मार्च को वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत आर्थिक, वित्तीय तथा संरचनात्मक सुधारों के कारण वर्ष 2031 तक निम्न मध्यम से उच्च मध्यम आय वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने और आगामी वित्त वर्ष 2024-25 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। भारत फिलहाल 3.6 लाख करोड़ डॉलर के जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके आगे अमरीका, चीन, जापान और जर्मनी हैं। 2030-31 तक भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 6.7 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगा और उस समय तक भारत की प्रति व्यक्ति आय भी बढक़र 4500 अमरीकी डॉलर तक पहुंच जाएगी और भारत उच्च मध्यम आय वाले देशों के समूह में शामिल हो जाएगा। गौरतलब है कि विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक दुनिया में निम्न आय वर्ग वाले 26 देश हैं, जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 83000 रुपए या उससे कम है। निम्न मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 83000 से 332000 रुपए के बीच है। उच्च मध्यम वर्ग वाले 55 देश हैं जिनकी सालाना प्रति व्यक्ति आय 332000 से 996000 रुपए के बीच है। उच्च वर्ग वाले 79 देश हैं जिनकी प्रति व्यक्ति सालाना आय 1000565 रुपए से अधिक है। इस समय भारत जीडीपी के मद्देनजर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारत से आगे अमरीका, चीन, जर्मनी और जापान हैं। माना जा रहा था कि भारत 2026 में जापान को पीछे कर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा, लेकिन अब भारत और जापान की अर्थव्यवस्था में बहुत थोड़ा अंतर रह गया है। इसलिए जापान की अर्थव्यवस्था से इसी साल 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था आगे निकल सकती है। 7 मार्च को दुनिया की वैश्विक वित्तीय सेवा कंपनी बार्कलेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आगामी 5 वर्षों तक चीन की विकास दर भारत से कम रह सकती है तथा दुनिया की कुल जीडीपी में भारत का जो वर्तमान योगदान करीब 10 फीसदी है, वह 2028 में बढक़र 16 फीसदी हो जाएगा। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि हाल ही में ब्लूमबर्ग के द्वारा भारतीय सरकारी बॉन्डों को अपने सूचकांक में शामिल करने के फैसले से भारतीय ऋण बाजार को काफी मजबूती मिलेगी। इन बॉन्डों को 31 जनवरी 2025 से ब्लूमबर्ग सूचकांक में शामिल किया जाएगा। जेपी मॉर्गन के बाद ब्लूमबर्ग अपने उभरते बाजार बॉन्ड सूचकांक में भारतीय सरकारी बॉन्ड को शामिल करने वाला दूसरा प्रमुख वैश्विक सूचकांक प्रदाता है। जेपी मॉर्गन ने जून 2024 से भारतीय बॉन्डों को अपने सूचकांक में शामिल करने का निर्णय लिया है। भारतीय सरकारी बॉन्डों को ऐसे वैश्विक सूचकांकों में शामिल किए जाने से वैश्विक वित्तीय बाजार में भारत की वित्तीय प्रतिष्ठा बढ़ेगी और इसके कई लाभ होंगे। इससे भारत में विदेशी निवेश बढ़ेंगे, जिससे सरकार को अपने राजकोषीय घाटे की भरपाई करने में मदद मिलेगी। साथ ही सरकार को चालू खाते के घाटे की भरपाई में भी आसानी होगी। यह बात महत्वपूर्ण है कि इन दिनों भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह रेखांकित हो रहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था विकास की पटरी पर पूरी रफ्तार से दौड़ रही है और विकास की ऐसी तेज रफ्तार से भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश तथा वर्ष 2031 तक उच्च मध्यम आय वाला देश बन जाएगा। साथ ही वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में चमकते हुए दिखाई दे सकता है। हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की अक्टूबर से दिसंबर तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 8.4 फीसदी की तेज दर से बढ़ा है। जीडीपी की यह रफ्तार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.5 फीसदी के अनुमान से भी अधिक रही है। जीडीपी के इस उत्साहवद्र्धक परिदृश्य के मद्देनजर अब एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए विकास दर का अनुमान बढ़ाकर 7.6 फीसदी कर दिया है। इस समय भारतीय शेयर बाजार भी दुनियाभर में ऊंचाइयों पर रेखांकित होते हुए दिखाई दे रहा है। 7 मार्च 2024 को जो सेंसेक्स 74000 से अधिक की अब तक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है, वह 2024 के अंत तक 100000 से अधिक के स्तर पर पहुंच सकता है। इस तरह भारतीय अर्थव्यवस्था उम्मीद से बढक़र प्रदर्शन कर रही है। इससे पता चलता है कि अर्थव्यवस्था की ताकत और क्षमता बढ़ रही है और इससे भारत विकसित राष्ट्र बनने की डगर पर आगे बढऩे की अच्छी संभावनाएं रखता है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस समय भारत दुनिया की सबसे तेज अर्थव्यवस्था के साथ आर्थिक विकास की डगर पर तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को आर्थिक पंख लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। घरेलू संरचनात्मक सुधार, मैन्युफैक्चरिंग, ग्लोबल सप्लाई चेन, इंफ्रास्ट्रक्चर में इन्वेस्टमेंट और ग्रीन एनर्जी पर निर्भरता बढऩे से भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी, सबसे अधिक कौशल प्रशिक्षण के अभियान, बढ़ता सर्विस सेक्टर, बढ़ते निर्यात और अर्थव्यवस्था के बाहरी झटकों से उबरने की क्षमता नए भारत के निर्माण की बुनियाद बन सकती है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक राजनीतिक और आर्थिक मंचों पर भारत को विशेष महत्व, अमरीका और रूस दोनों महाशक्तियों के साथ दुनिया के जी-20 देशों में भारत की नई अहमियत और दुनिया में मजबूत लोकतंत्र और स्थिर सरकार के रूप में भारत की पहचान भारत के विकास को तेज रफ्तार दे रही है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सरकार के द्वारा विगत 10 वर्षों में किए गए आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ कठोर प्रशासनिक निर्णयों से आर्थिक विकास की जो रफ्तार बढ़ी है, वह अब आगामी लोकसभा चुनाव के बाद और तेज होते हुए दिखाई दे सकेगी।

दृष्टि कोण

न्यायिक व्यवस्था की सक्रियता व आम जनमानस

देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था एक ऐसा संवैधानिक संस्थान है, जो देश के आम नागरिकों के लोकतान्त्रिक, सामाजिक एवं मानवीय अधिकारों के संरक्षक के रूप में कार्य करता है या इन सभी कारकों की रक्षा एवं सुरक्षा के प्रहरी के रूप में कार्य करता है। देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था स्वतंत्रता और समानता की पक्षधर है। सतही स्तर पर वर्तमान में देश व प्रदेश में जिन घटनाक्रमों का पटाक्षेप हो रहा है, उनकी विवेचना पर यह निष्कर्ष निकलता है कि वर्तमान राजनीति, राजनीतिज्ञ, प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारी लोकतंत्र की इस मूल धारणा के विपरीत अराजकता, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, रिश्वतखोरी आदि अनुचित कार्यों में लिप्त हैं। इन कृत्यों पर अंकुश लगाने की दिशा में देश की न्यायिक व्यवस्था निरंतर प्रयासरत है। न्यायिक निर्णय, तर्क-वितर्क एवं तथ्यों की शुचिता पर आधारित होते हैं जिसके आधार पर ही माननीय न्यायाधीश अपने न्यायिक निर्णय का निर्धारण करते हैं। यह सर्वविदित है कि देश व प्रदेश के अधीनस्थ न्यायालयों में अधिकांश मुकदमें दो पक्षकारों के मध्य छोटे-छोटे झगड़ों, आपसी मतभेद या अहंकार, भूमि विवाद से सम्बन्धित होते हैं। इस प्रकार के मुकद्दमों को गुण-दोष के आधार पर निर्धारित तय समय सीमा में निर्णय होना चाहिए, जिससे आम जनमानस, साधारण न्याय प्राप्त करने में, मानसिक एवं आर्थिक रूप से अत्यधिक प्रताड़ित हो रहा है। अपने व्यक्तिगत विकास की गति में अवरोध उत्पन्न कर रहा है। वर्तमान असमानता पूर्ण, भ्रष्टाचार युक्त व्यवस्था में, तथ्यों एवं तर्क - वितर्क को भी वादी-प्रतिवादी अपनी सुविधानुसार न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप उस न्यायिक निर्णय में न्याय-अन्याय के चरित्र में कोई भी भेद नहीं रह जाता है। कालांतर से ही यह सत्यापित है कि न्याय एवं मानव निर्मित कानून दीन एवं दुर्बल अपराधी को ही दंडित करता है, जबकि समर्थ व प्रभावी अपराधी अपने धन बल, छल एवं प्रभाव से सर्वथा दोष मुक्त रहता है। इससे यह प्रतीत होता है कि वर्तमान न्यायिक व्यवस्था में भी आम नागरिकों मुख्यतः निर्धन, दलित एवं महिला वर्ग के लिए न्याय प्राप्त करना एक कल्पित वस्तु है। अथक मेहनत और प्रयास से जो न्याय मिलता भी है, निश्चित रूप से थका देने वाला होता है। न्याय के सिद्धांत के संदर्भ में एक कहावत प्रचलित है कि न्याय प्राप्ति में विलम्ब भी पीड़ित पक्ष के साथ अन्याय ही माना जाता है। प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा प्रदेश पुलिस महा निदेशक एवं ज़िला कांगड़ा के व्यवसायी के मध्य विवाद की निष्पक्ष जांच के निष्पक्षता हेतु प्रदेश पुलिस महा निदेशक व ज़िला कांगड़ा के पुलिस अधीक्षक को उनके पद से विमुक्त करने का आदेश, प्रदेश उच्च न्यायालय का एक साहसिक एवं ऐतिहासिक निर्णय था। इसके उपरान्त के घटनाक्रम में प्रदेश पुलिस महा निदेशक द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत में अपने पक्ष को प्रस्तुत करते हुए, इस निर्णय को लेकर स्थगन आदेश प्राप्त करना, देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था में याचककर्ता की सजगता व धन बल की प्रासंगिकता या उसके महत्व को इंगित करता है। अब प्रश्न न्याय-अन्याय का नहीं है, अपितु न्यायिक व्यवस्था में भी किस प्रकार से तत्परता के साथ अपने अधिकारों की सुरक्षा की जा सकती है, उसको प्रमाणित करता है। इसके विपरीत यक्ष प्रश्न यह भी है कि क्या देश का आम नागरिक जिसमें महिला, दलित, आर्थिक रूप से अक्षम व्यक्ति सम्मिलित हैं, इस प्रकार से त्वरित न्याय प्राप्ति की दिशा में ऐसा प्रयास कर, न्याय प्राप्त कर सकता है? इसका स्पष्ट सा उत्तर है, कदापि नहीं, क्योंकि जिस प्रकार देश व प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था का वर्तमान चरित्र है, उस संदर्भ में माननीय उच्चतम न्यायालय की पीठ द्वारा देश की न्यायिक प्रक्रिया को सजा बताना, देश की वर्तमान न्यायिक प्रणाली की दशा को बयान करता है। देश का लचर न्यायिक ढांचा, देश व प्रदेश के न्यायालयों में लम्बित मुक़द्दमों का अत्यधिक दबाव एवं अधिवक्ताओं का आपसी गठजोड़, देश के न्यायालयों में विचाराधीन मुक़द्दमों के त्वरित निर्णय एवं समाधान में सबसे प्रमुख बाधा हैं। अपितु दोषमुक्त न्यायिक प्रक्रिया में न्यायिक मानकों एवं मापदंडों की पूर्ति में अप्रतिक्षित चुनौतियां एवं रुकावटें वादी-प्रतिवादी के समक्ष होती हैं।

कुछ अलग

आध्यात्मिक नक्शे पर आ रहा गोवा

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सोशल मीडिया पोस्ट से लक्षद्वीप एकाएक विश्व पर्यटन मानचित्र पर आ गया था। इसमें कोई दो राय नहीं है कि लक्षद्वीप बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल बनने की सभी खूबियां रखता है। वो पड़ोसी देश मालदीव को आसानी से पर्यटन में पछाड़ सकता है, लेकिन भारत के पर्यटन नेकलस में गोवा भी एक अहम हीरा है। मालदीव के मुकाबले गोवा न केवल देसी-विदेशी पर्यटकों को लुभाता है, बल्कि गोवा की प्रमोद सावंत सरकार राज्य में पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। गोवा हमेशा सन, सेंड और सी के लिए जाना जाता रहा है। सूर्य के नीचे नहाते हुए सुनहरे रेत पर टहलना, नीले सागर में सर्फिंग का आनंद लेना और मनमोहक सूर्यास्त का दीदार करना गोवा के समुद्र तटों का यही सार है। गोवा अपनी नाइट लाइफ, स्वादिष्ट समुद्री भोजन और खूबसूरत समुद्र तटों के लिए जाना जाता है। गोवा में 75 मील लंबी तटरेखा और 40 बीच हैं, जिनमें कुछ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं, जो गोवा को इंटरनेशनल टूरिज्म मैप पर एक अलग पहचान दिलाते हैं। हरे-भरे ताड़ के पेड़ों से घिरे बीच सैलानियों का मन मोह लेते हैं। कलंगुट बीच, पालोलेम बीच, बागा बीच, अंजुना बीच, कैंडोलिम बीच, अरामबोल बीच, अगोंडा बीच, मोरजिम बीच और मीरामार बीच प्रसिद्ध हैं। अंजुना, कलंगुटे और बग जैसे बीच तो मालदीव को पीछे छोड़ते हैं। अब गोवा सरकार राज्य को आध्यात्मिक पर्यटन के नक्शे पर लाने के प्रयास में जुटी है। आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जिस इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, उसके लिए सरकार काम कर रही है। राज्य सरकार ने गोवा में देश का पहला रीजेनरेटिव पर्यटन लॉन्च किया है। गोवा की आजादी की 62वीं वर्षगांठ पर राज्य के पर्यटन विभाग ने नई पर्यटन नीति रीजेनरेटिव टूरिज्म की घोषणा की थी। रीजेनरेटिव के माध्यम से सरकार राज्य में पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक संरक्षण और सामुदायिक सशक्तिकरण को मजबूत करना चाहती है। नई नीति के माध्यम से प्रमोद सावंत एकादश तीर्थ की शुरुआत के साथ ही आध्यात्मिकता, स्वदेशी, सभ्यतागत और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सजग पर्यटन पर जोर देते हुए भारतीय पर्यटन को एक नया आयाम देना चाहते हैं। यदि गोवा के इतिहास की बात करें तो इसका उल्लेख महाभारत में भी आता है। महाभारत में गोवा गोपराष्ट्र यानी गोपालकों के देश के रूप में मिलता है। संस्कृत के कुछ अन्य पुराने स्रोतों में गोवा को गोपकपुरी और गोपकपट्टन कहा गया है, जिनका उल्लेख हरिवंशम और स्कंद पुराण में मिलता है। जनश्रुति के अनुसार, गोवा की रचना भगवान परशुराम ने की थी। मान्यता है कि परशुराम ने एक यज्ञ के दौरान अपने बाणों की वर्षा से समुद्र को कई स्थानों पर पीछे धकेल दिया था। इसी वजह से आज भी गोवा में बहुत से स्थानों का नाम वाणावली, वाणनस्थली आदि है। चूंकि, गोवा करीब 450 साल तक पुर्तगाली शासन के अधीन रहा, इस कारण यहां यूरोपीय संस्कृति का प्रभाव दिखता है, लेकिन गोवा के वास्तु शास्त्र में हिंदू प्रभाव दिखाई देता है। सबसे प्राचीन मंदिर गोवा में हैं। गोवा की संस्कृति काफी प्राचीन है। 1000 साल पहले गोवा कोंकण काशी के नाम से जाना जाता था। यहां का श्री कामाक्षी, सप्तकेटेश्वर, श्री शांतादुर्ग, महालसा नारायणी, परनेम का भगवती मंदिर, महालक्ष्मी आदि बेहद दर्शनीय हैं। पुर्तगालियों ने गोवा की संस्कृति का नामोनिशान मिटाने के लिए बहुत प्रयास किए, लेकिन यहां की मूल संस्कृति इतनी शक्तिशाली थी कि उनके प्रयास असफल ही रहे। वैसे तो गोवा में पर्यटक सीजन साल भर चलता है, लेकिन अक्टूबर से फरवरी गोवा घूमने के लिए सबसे उत्तम माना जाता है। इसमें भी फरवरी को बेस्ट माना जाता है।

देश दुनिया से

द नक्सल स्टोरी, 'और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा'

> फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने रूपए बटोरती है, वो एक अलग बात है, पर जो ख़ास बात है वो ये कि अब बॉलीवुड भी समझ रहा है कि 'और भी ग़म हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा'। मुझे इस कहानी में वो दिखा जो अब कुछ साल से धीरे धीरे दिखने लगा है। बॉलीवुड में जमीनी कहानी कहने का दम और साहस। इस फिल्म ने मुझे वो उम्मीद दी कि अब बॉलीवुड या हिंदी सिनेमा ज़मीनी सच्चाई से भरी कहानियां कहने को बिलकुल तैयार है। वो तैयार है कि जनता जाने कि पिछले कई दशक से जो खबरें उसने अखबारों में दो या तीन कॉलम के समाचारों में पढ़ीं या फिर टॉप 50 खबरों में जो सरपट निकल गयीं, उसकी पूरी कहानी क्या थी, पृष्ठभूमि क्या थी, वो कौन लोग थे जो कह नहीं पाए, वो कौन लोग थे जिनकी आवाज़ सालों साल हम तक पहुंची ही नहीं, या शायद पहुँचने ही नहीं दी गया।

'बस्तर द नक्सल स्टोरी', इस फिल्म शुरुआत के वक़्त चलने वाला डिस्क्लेमर कहता है कि 'फिल्म के कुछ दृश्य आपको विचलित कर सकते हैं 'कई फिल्म रिव्यु कहते हैं कि ये फिल्म परेशान करने वाली है। पर, मैं जब से फिल्म देखकर आया हूँ कहीं बस्तर के जंगलों में ही खोया हुआ हूँ। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितने रूपए बटोरती है, वो एक अलग बात है, पर जो ख़ास बात है वो ये कि अब बॉलीवुड भी समझ रहा है कि 'और भी ग़म हैं ज़माने में मोहब्बत के सिवा'। मुझे इस कहानी में वो दिखा जो अब कुछ साल से धीरे धीरे दिखने लगा है। बॉलीवुड में जमीनी कहानी कहने का दम और साहस। इस फिल्म ने मुझे वो उम्मीद दी कि अब बॉलीवुड या हिंदी सिनेमा ज़मीनी सच्चाई से भरी कहानियां कहने को बिलकुल तैयार है। वो तैयार है कि जनता जाने कि पिछले कई दशक से जो खबरें उसने अखबारों में दो या तीन कॉलम के समाचारों में पढ़ीं या फिर टॉप 50 खबरों में जो सरपट निकल गयीं, उसकी पूरी कहानी क्या थी, पृष्ठभूमि क्या थी, वो कौन लोग थे जो कह नहीं पाए, वो कौन लोग थे जिनकी आवाज़ सालों साल हम तक पहुंची ही नहीं, या शायद पहुँचने ही नहीं दी गया। ऐसा नहीं है कि नक्सलवाद और नक्सलियों पर पहले फिल्म नहीं बनीं, पर उसमें वो सिर्फ कोई पात्र बनकर रह गए। माओवाद और नक्सलवाद पर समाचार चैनलों ने भी कुछ ख़ास न तो समझ बनायी, न खबर दिखाई। जब जब हमले हुए तो कितने मरे, किसने ज़िम्मेदारी ली से आगे समाचार चैनल न तो बढ़ पाए न बढ़ना चाहा जो ख बरें आयीं वो भी फर्ज निभाने के खांचे में ज़्यादा फिट होती दिखाई दी। सरकारों के साथ साथ खबरिया चैनल भी मौन ही तो रहे अक्सर। अब पिछले कुछ सालों से चाहे वो कश्मीर फाइल हो, केरला स्टोरीज हो , माझी हो , लापता लेडीज हो या फिर बस्तर द नक्सल स्टोरी, ये सिर्फ कह नहीं रहे, सवाल भी कर रहे हैं। विपुल शाह की ये फिल्म जो कुछ दिखाती है वो देखने के लिए शायद हिम्मत चाहिए और जिस तरह से दिखाती है वो भी देखने के लिए हिम्मत चाहिए। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे नक्सलियों ने वहां अपनी एक अलग सत्ता बना ली है. कैसे उन्होंने वहां के लोगों की जिंदगी तहस नहस कर दी है। आईपीएस ऑफिसर नीरजा माधवन (Adah Sharma) नक्सलवादियों को कैसे खत्म करती हैं, कैसे वो देश के सिस्टम से लड़ती हैं और ये कहानी बड़े खौफनाक तरीके से पर्दे पर पेश की गई है। अब जब बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक ऐसी फिल्में आने लगी हैं तो इन्हें एजेंडा और प्रोपेगैंडा भी कहा जाता है। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन ने आतंक की नक्सली क्रूरता और तंत्र की विवशता के बीच पिस्ते आदिवासियों की कहानी को कहने में यकीनन तगड़ी रिसर्च की होगी ऐसा जान पड़ता है। मैं बस्तरः द नक्सल स्टोरी को किसी सियासी चश्मे की बजाये उस सृजनात्मक लेंस से देखना पसंद करूँगा जहां आखिर सुदूर झारखंड, छत्तीसगढ़, केरला के गाओं मोहल्लों के नाम, उनकी समस्याएं, उनकी खुशियां मुंबई-दिल्ली होती हुई समस्त विश्व में पहुँच रही हैं। निर्माता अब सिर्फ रिस्क नहीं ले रहा, वो ऐसी कार्ययोजना भी गढ़ रहा है कि जिस से कम से कम इन मुद्दों पर बातचीत नए सिरे से शुरू हो। 'हम कलाकारों को भी अब इस तरह की कहानियां जोशपूर्ण प्रोत्साहन दे रही हैं, क्यूंकि हमें भी लगता है कि सिर्फ पात्र नया नहीं है, उस पात्र के ज़रिये हम उस पात्र और कहानी को दुनिया तक सही ढंग से ले जाने की महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारी निभा रहे हैं। 'कहते हुए कंपनी। बुद्धा इन ट्रैफिक जैम , पेज 3 , एक हसीना थी जैसी फिल्मों मके बाद 'बस्तर द नक्सल स्टोरी में आई जी के सचिव 'श्रीवास्तवजी ' का बेहतरीन किरदार निभाने वाले गोपाल के सिंह बड़े दिलचस्प ढंग से कहानी, कलाकार और चुनौतियों की बात कह जाते हैं। ये चुनौतियां अब अक्सर कलाकारों को झेलनी होंगी क्यूंकि जनता भी इन ज़मीनी कहानियों में खुद को पहचानने लगी है , फिर चाहे वो बॉलीवुड में बनी'१२वी फेल हो' या OTTपर पंचायत जैसा मीठा कटाक्ष। अब कलाकार भी वो ही चलेगा जो इन जमीनी कहानियों को अपना सा लगेगा। अब वो बात पुरानी हुई कि जो बिक जाये वो हिट। जनता ने अपनी पसंद न पसंद बताकर जता दिया है कि और भी गम हैं जमाने में मोहब्बत के सिवा। देश के अमृतकाल में ये एक सुखद संकेत है कि पगडण्डी के अंतिम छोर पर खड़े हिन्दुस्तानी की कहानी भी अब जगह बनाने लगी है।

आप का नजरिया

सियासी भाषा का मनोविज्ञान

हिमाचल में कांग्रेस का नया युग, बीते कल से मुकाबला कर रहा है। जाहिर है भाषण और भाषा सडक़ की सभ्यता में नए उच्चारण तक पहुंच गई है या राजनीति का मनोविज्ञान अब बोलने की नई परिभाषा है। आगामी लोकसभा चुनाव की फांस में सरकार, सत्ता और कांग्रेस के बीच नए अफसाने जन्म ले रहे हैं, तो कमोबेश भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने विपक्ष की कुंडलियों में अपने अर्थ की शब्दावली बैठा दी है। अब भाषा की संगत भी सोशल मीडिया की तरह बेपरवाह, नुकीली व प्रहारक बन गई है। यह सियासत का नया दौर है और जाहिर तौर पर पिछले एक दशक के आरोहण में हमने गिरते हुए शब्द, झगड़ते हुए अर्थ तथा मरती हुई भाषायी मर्यादा देखी है। अब बात अगर मेंढक तक पहुंच जाएगी, तो भाषायी उछलकूद कोहराम तो मचाएगी ही। बहरहाल हिमाचल में जनता के लिए और जनता के सामने कसूरवार तो भाषा ही है। यह पहले पक्ष-विपक्ष में गिर रही थी, लेकिन अब अपने ही भितरघात को शब्दों के युद्ध में पहचान रही है। जाहिर है हम हिमाचली जिन बोलियों में स्वयं को अभिव्यक्त करते हैं, वहां शब्दों का प्रचलन अपने आप में माधुर्य की संस्कृति में अभिव्यक्त होता रहा है। बेशक व्यंग्य का पुट, मुहावरों की गहराई और अनौपचारिक संवाद में हिमाचली समाज अपनी कठिनाइयों की सहजता में चलता रहा है, लेकिन अब राजनीति के सार्वजनिक मंच ने हमसे भाषायी संस्कार और संतुलन छीन लिया है। यह काफी हद तक राजनीति के आरपार होने लगा और इसीलिए इसके अक्स में स्थानीय निकाय तक के चुनाव ने सामाजिक गली को गाली बना दिया। कांग्रेस के बीच जिस हिसाब से घटनाक्रम रहे हैं, वहां एक नए युग की परिकल्पना से इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसे में असमंजस के सारे कारण जनता को अपने राज्य के नसीब पर संदेह करने का अवसर दे रहे हैं। एक ही पार्टी, एक ही सत्ता के बीच शह और मात का खेल अगर सार्वजनिक मंच पर अभिव्यक्ति की सीमा से बाहर भाषा के उच्चारण को गिरा रहा है, तो कहीं कमजोरियों के आलम में सिंह गर्जना का क्या तात्पर्य बचेगा। जो हुआ, नहीं होना चाहिए था, लेकिन जो अब लगातार हो रहा है, अवांछित व अप्रिय है। हम राजनीतिक कारणों से हिमाचल की भाषायी संस्कृति को गिराते रहेंगे, तो एक दिन यहां के फैसले सिर्फ मौखिक गालियों के सहारे ही जन्म लेंगे। मंचीय युद्ध की पैमाइश में भले ही कोई पक्ष आगे दिखाई दे, लेकिन यहां हर कदम की एक भाषा है। बागी विधायकों के लिए न्याय की भाषा क्या सुनाएगी या सीपीएस पर सरकार को कानून के शब्द क्या बताएंगे, इसके ऊपर सारा दारोमदार टिका है, वरना सत्ता के प्रभाव से अंगुली मरोडऩे का भाषायी अर्थ कौन नहीं जानता। किसी विधायक के पिता या किसी विधायक पर एफआईआर हो जाने की भाषा में गुरूर हो सकता है, लेकिन जमानत मिलने में अधिकारों की भाषा नगर आती है। यही अधिकारों की भाषा मतदाता के काम आएगी और इसीलिए वह कभी दिल्ली से अपने प्रधानमंत्री की भाषा में सुन रहा है कि हिमाचल में कहां फोरलेन, कहां सुरंग और कहां नेशनल हाईवे बन रहे हैं।

नई दुल्हन ससुराल में नहीं मनाती पहली होली, जानिए क्या है कारण

होली हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक माना जाता है। हर साल फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा की रात को होलिका दहन किया जाता है। इसके अगले दिन रंगों का त्योहार यानी होली मनाई जाती है। होली को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। इन्हीं मान्यता में से एक मान्यता है कि शादी के बाद पहली होली नई बहू अपने मायके में ही मनाती है। आइए, जानते हैं कि इस मान्यता के पीछे क्या कारण है।

नई बहू ससुराल में क्यों नहीं मनाती पहली होली?

सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार नवविवाहित दुल्हन अपनी पहली होली अपने मायके में मनाती है। इसका कारण यह बताया जाता है कि पहली होली पर कभी भी सास-बहू को एक साथ होलिका दहन नहीं देखना चाहिए। इससे सास-बहू के रिश्ते में खटास आ सकती है।

ऐसा भी माना जाता है कि अगर कोई शादीशुदा जोड़ा पहली होली पत्नी के मायके में मनाता है, तो इससे नवविवाहित जोड़े के जीवन में खुशियां आती हैं। साथ ही उनके बच्चे भी स्वस्थ और भाग्यशाली होते हैं। इतना ही नहीं, ऐसा करने से दोनों परिवारों के बीच रिश्ता मजबूत होता है। इस कारण नवविवाहित पुरुष को भी शादी के बाद पहली होली अपने ससुराल यानि लड़की के मायके में मनानी चाहिए।

यह मान्यता भी है प्रचलित

नई बहू की पहली होली मायके में मनाने का एक और कारण यह भी है कि शादी के तुरंत बाद दुल्हन को ससुराल में सहज महसूस नहीं होता है। यही भी एक कारण है कि पहली होली मायके में ही मनाने की परंपरा है, ताकि इस त्योहार का आनंद अच्छे से उठाया जा सके। कई मान्यताओं के अनुसार, गर्भवती महिला को भी ससुराल में होली खेलने से मना किया जाता है। गर्भवती महिला को अपने मायके में ही होली मनानी चाहिए।

होली का महत्व

अष्टाँग योग का नियमित अभ्यास किसी भी मनुष्य को प्रह्लाद बना सकता है - वही प्रह्लाद जिसे हिरण्यकश्यप ने फाल्गुन मॉस की पूर्णिमा को, होलिका दहन में जलाकर मारने का प्रयास किया था। किन्तु उस रात की शक्ति ही कुछ ऐसी थी कि प्रह्लाद बिना जले बाहर आ गया और होलिका जलकर राख़ हो गयी।

पुराणों में निहित कथाएं ज्ञान का भंडार हैं। ज्ञान की प्राप्ति और दैविक शक्तियों का अनुभव गुरु द्वारा निर्धारित क्रियाओं और साधनाओं के नियमित अभ्यास से ही संभव हैं।

यह सृष्टि पांच तत्वों के संयोजन और सम्मिश्रण से उत्पन्न हुई है। पञ्च तत्वों में अग्नि विशेष महत्त्वपूर्ण है क्योंकि केवल इसी तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। इसके संपर्क में जो कुछ भी आता है वह शुद्ध हो जाता है। यही अग्नि, मनुष्य का उत्थान करने की क्षमता रखती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि ऋग वेद का पहला शब्द अग्नि ही है।

अग्नि की शक्ति को प्राप्त करने के लिए कुछ विशेष दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं जिसमें होली भी एक है। इस दिन होलिका, प्रहलाद को लेकर अग्नि में बैठ गयी थी। किन्तु वह एक साधिका थी और अग्नि द्वारा उसके पवित्र होने का समय आ चुका था, इसलिए वरदान होते हुए भी अग्नि ने उसे स्वीकार कर लिया और प्रह्लाद, जो पहले से ही पवित्र था, बिना जले ही बाहर आ गया। एक पवित्र शरीर को अग्नि प्रभावित नहीं करती।

सनातन क्रिया में भी होली के दिन करने के लिए कुछ शुद्धिकरण प्रक्रिया दी गई हैं। इसमें साधक अपने चारों और अग्नि चक्र बना कर, गुरु द्वारा दिए गए मंत्र जप करते है जिससे तुरंत ही उनमे आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया आरंभ हो जाती है।

रविवार, 24 मार्च होली पर गुरुजी के साथ सीधा प्रसारण। होली के अवसर पर ध्यान आश्रम के साथ वैदिक यज्ञ में भाग लें ! आवाहन और पूर्णाहुति विश्व के सभी ध्यान फाउंडेशन केंद्रों पर एक साथ होगी।

अश्विनी गुरुजी
ध्यान आश्रम

शुक्र प्रदोष व्रत के दिन करें ये खास उपाय, मिलने लगेंगे शुभ परिणाम

हिंदू पंचांग के अनुसार, प्रदोष काल में आने वाली त्रयोदशी तिथि बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस तिथि पर भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत रखा जाता है। धार्मिक ग्रंथों में प्रदोष व्रत को बहुत उत्तम माना गया है। इस दिन भगवान शिव की आराधना करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में शुक्र प्रदोष व्रत के दिन कुछ खास उपाय कर लिए जाएं, तो जीवन की कई परेशानियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही बिगड़े हुए काम बनने लगते हैं। फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी 22 मार्च को प्रातः 04:44 बजे शुरू होगी। यह तिथि 23 मार्च को सुबह 07 बजकर 17 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में प्रदोष व्रत 22 मार्च, शुक्रवार को रखा जाएगा। इस दौरान पूजा का शुभ समय शाम 6 बजकर 34 मिनट से रात 8 बजकर 55 मिनट तक रहेगा। यह व्रत शुक्रवार को पड़ रहा है, इसलिए इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहा जाएगा। क्र प्रदोष के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। इसके बाद भगवान शिव के सामने दीपक जलाएं। इसके बाद शाम को प्रदोष व्रत की पूजा शुरू करें और गाय के दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल आदि से शिवलिंग का अभिषेक करें। ऐसा करने से व्यक्ति के जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो जाती हैं।

चंद्रमा को करें मजबूत

यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा अशुभ स्थिति में हो, तो उस व्यक्ति को शुक्र प्रदोष व्रत के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा करनी चाहिए। इसके बाद अपने माथे पर चंदन का तिलक भी लगाएं। इस प्रकार कुंडली में चंद्रमा की स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।

मान-सम्मान में होगी वृद्धि

माना जाता है कि शिवलिंग पर दही चढ़ाने से जीवन में स्थिरता बनी रहती है। शिवलिंग पर गाय का घी चढ़ाने से बल में वृद्धि होती है। यह भी माना जाता है कि यदि शिवलिंग पर चंदन लगाया जाए, तो व्यक्ति के मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

पांडव यहां करते थे महादेव की प्रार्थना

अनोखा है हस्तिनापुर का पांडेश्वर महादेव मंदिर

पांडेश्वर महादेव मंदिर उत्तर प्रदेश के वार-ाणसी जिले में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यहां हर साल महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की भक्तों की भीड़ लगती है। मंदिर का निर्माण विशालकाय है और इसका आकर्षण आस-पास के इलाकों से भी लोगों को आकर्षित करता है। इस मंदिर की स्थापना का इतिहास बहुत प्राचीन है और इसे महत्वपूर्ण होने का सामना करना पड़ा है, लेकिन हर बार उसे पुनर्निर्माण किया गया। इसके बावजूद, यह मंदिर अपनी सनातन और महत्वपूर्ण धार्मिक महत्वता को संरक्षित रखता है और लाखों शिव भक्तों को आकर्षित करता है। यहां की स्थापना विशेष रूप से शिवरात्रि के दिन भगवान शिव की उपासना के लिए महत्वपूर्ण है और इस दिन भक्तों की भीड़ यहां उमड़ती है। इस मंदिर के निकट स्थित सरयू नदी का

धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहां शिवरात्रि के अलावा भी विभिन्न पर्वों पर भक्तों की आत्मीयता और धार्मिक अनुष्ठान होते हैं। इस मंदिर का दर्शन करने से लोगों का मन शांत होता है और उन्हें आत्मिक आनंद मिलता है।

पांडेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास :

पांडेश्वर महादेव मंदिर का इतिहास बहुत प्राचीन है। यह मंदिर उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है और इसे भगवान शिव को समर्पित किया गया है। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना भगवान शिव के पुत्र भगवान कार्तिकेय (स्कंद) ने की थी। इसके निर्माण के समय का अनुमानित काल संगम काल माना जाता है, यानी इसका निर्माण लगभग 8वीं या 9वीं शताब्दी के आसपास हुआ था।

पांडेश्वर महादेव मंदिर को इतिहास में कई बार नष्ट भी धार्मिक महत्व है, और यहां कई और शिव मंदिर हैं जो भक्तों को आकर्षित करते हैं।

पांडेश्वर महादेव मंदिर से जुड़ी है भक्तों की आस्था:

पांडेश्वर महादेव मंदिर के चारों ओर की शांति और स्थिरता का अनुभव करने के लिए लोग यहां आते हैं। यहां के पावन वातावरण में ध्यान और ध्यान की अद्भुत वातावरण मिलता है, जो मन को शांति और संतुलन प्रदान करता है। मंदिर की स्थापना स्थानीय ऐतिहासिक कथाओं और पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी है, जिससे यहां का वातावरण और भक्ति की ऊर्जा से ओतप्रोत होता है। यहां के प्राचीन शिवलिंग को पूजा जाता है और लोग अपनी मनोकामनाओं को पूरा करने की कामना करते हैं। पांडेश्वर महादेव मंदिर एक आध्यात्मिक अनुभव का केंद्र है जो लोगों को ध्यान, संयम और शांति की प्राप्ति में मदद करता है।

इन 3 राशियों के रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं टिकते

दांपत्य जीवन में आती है परेशानी

मनुष्य अपने जीवन में रिश्तों को सबसे ज्यादा महत्व देता है। अक्सर लाख कोशिशों के बावजूद रिश्ते लंबे समय तक टिक नहीं पाते हैं। यह एक सामान्य अपेक्षा है कि कोई शख्स जीवन भर आपका साथ निभाए, लेकिन कुछ लोगों के रिश्ते लंबे समय तक टिकते नहीं है। उन्हें प्रेम और वैवाहिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस लेख में कुछ राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें रिश्ते निभाने में परे-शानी का सामना करना पड़ता है।

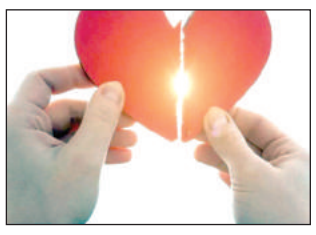

सिंह राशि–ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सिंह राशि के जातक स्वार्थी होते हैं। ये अपने प्रियजनों पर तब ध्यान देते हैं जब उन्हें उनसे प्रतिफल मिलता है। वे उन चीजों को समय देते हैं, जिनसे फायदा होता है। सिंह राशिवालों में ईमानदारी की कमी होती है। इस स्वभाव के कारण इन लोगों का रिश्ता ज्यादा समय तक टिक नहीं पाता है।

कुंभ राशि– वैदिक ज्योतिष के अनुसार, रिश्तों के लिहाज से कुंभ अस्थिर राशि है। इस राशि के जातक स्वभाव से खुले विचारों वाले होते हैं। उनका मन बदलता रहता है। वह अपनी कही हुई बात पर कायम नहीं रहते। ये स्वभाव से अच्छे होते हैं। ये अक्सर अपने साथी को समय देने के बजाय अपने ही ख्यालों में खोए रहते हैं।

तुला राशि–तुला राशि के जातक तुरंत किसी पर भरोसा नहीं करते हैं। इनमें समर्पण की भावना होती है। ये जिन लोगों को पसंद करते हैं उनके लिए कुछ भी करते हैं। हालांकि इनके अविश्वासी स्वभाव के कारण इनका रिश्ता ज्यादा समय तक चल नहीं पाता है। इस राशिवालों से ईमानदारी की उम्मीद नहीं की जाती है।

पैसा कमाने में माहिर होते हैं इन राशि के लोग शनि की कृपा से बनते हैं बड़े बिजनेसमैन

ज्योतिष शास्त्र में 27 नक्षत्र, 12 राशियां और 9 ग्रहों का वर्णन है। इन राशियों का व्यक्तित्व और स्वभाव एक-दूसरे से अलग होता है। सभी राशियों पर अलग-अलग ग्रहों का शासन होता है। आज हम

आपको उन राशियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो पैसा कमाने में माहिर हैं। साथ ही ये अच्छे नीति निर्माता होते हैं। इन लोगों पर शनि महाराज की कृपा रहती है। आइए जानते हैं ये कौन-सी राशि के जातक हैं।

मिथुन राशि– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मिथुन राशि वाले पैसे वाले होते हैं। साथ ही काफी प्रभावित होते हैं। ये लोग जरूरी चीजों पर ही पैसा खर्च करते हैं। भविष्य के लिए अच्छा धन संचय करने में सफल होते हैं। इस राशि के जातक अच्छी योजनाएं बनाते हैं। इसके अलावा काफी व्यवहारिक होते हैं।

कुंभ राशि– कुंभ राशि के जातक अपना बजट और प्लानिंग पहले से कर लेते हैं। उसी के अनुसार पैसे खर्च करते हैं। ये लोग समय के पाबंद होते हैं। इन्हें लापरवाही बिल्कुल पसंद नहीं होती है। इस राशि के लोग जो काम हाथ में लेते हैं उसे समय पर पूरा करते हैं। वे अच्छे निवेशक भी माने जाते हैं। इन्हें कभी पैसे की कमी नहीं होती।

मकर राशि– मकर राशि के जातक पैसा कमाने और बचाने में माहिर माने जाते हैं। साथ ही मेहनती होते हैं। इन लोगों की योजनाएं भी सफल होती हैं। साथ ही उनका टारगेट हर महीने पैसे बचाना होता है। ये लोग स्वाभिमानी होते हैं।

अपने बेटे के लिए चुनें खाटू श्याम से प्रेरित ये नाम, देखने को मिलेगा लाभ

खाटू श्याम जी को तीन बाण धारी हारे का सहारा जैसे कई नामों से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार खाटू श्याम जी को भगवान कृष्ण का ही कलयुगी अवतार माना गया है। खाटू श्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर जिले में स्थित है जहां उनके दर्शनों के लिए भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में आप अपने लाडले के लिए खाटू जी से प्रेरित नाम चुन सकते हैं।

आजकल बच्चों के लिए धार्मिक नाम रखने का चलन बढ़ गया है। ऐसे में यदि आप अपने बेटे का कोई धार्मिक नाम रखना चाह रहे हैं, तो इसके लिए आप खाटू श्याम जी के यह नाम चुन सकते हैं। हिंदुओं में खाटू श्याम जी की विशेष मान्यता बनी हुई है। आइए जानते हैं बेटों के लिए खाटू श्याम जी ऐसे नाम, जो यूनिक होने के साथ-साथ मॉर्डन भी लगते हैं। साथ ही जानते हैं इन नामों का अर्थ।

खाटू श्याम जी से प्रेरित नाम

श्री श्याम – खाटू श्याम जी को श्री श्याम कहकर भी पुकारा जाता है। क्योंकि महाभारत के युद्ध में अपने शीश का दान करने पर उन्हें भगवान ने सर्वश्रेष्ठ वीर की उपाधि दी। साथ ही अपना नाम श्याम भी उन्हें दिया। ऐसे में आप अपने बेटे के लिए खाटू जी का यह नाम भी चुन सकते हैं। यह नाम आपके लाडले के लिए विशेष लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

अच्युत – यदि आप अपने बेटे का नाम 'अ' अक्षर से रखना चाहते हैं, तो अच्युत नाम चुन सकते है। अच्युत का अर्थ होता है भगवान। यह नाम काफी चलन में है, ऐसे में आप अपने बेटे को ये यूनिक नाम दे सकते हैं।

केशव – खाटू श्याम जी के सबसे लोकप्रिय नामों में से एक नाम केशव भी है। यह नाम सुनने में बहुत ही प्यारा लगता है। जिसके लंबे और सुंदर बाल हो उसे केशव कहा जाता है।

निरंजन – यदि आप अपने बेटे को खाटू श्याम जी से प्रेरित नाम देना चाहते हैं, तो आपके बेटे के लिए निरंजन नाम भी अच्छा रहने वाला है। निरंजन का अर्थ होता है जिस पर कोई कलंक न हो।

द्रविण – जिसका कोई शत्रु न हो उसे द्रविण कहा जाता है। ऐसे में आप अपने बच्चे के लिए यह नाम भी चुन सकते हैं, जो सुनने में भी बहुत अच्छा लगता है।

घर की छत पर न रखें ये चीजें आर्थिक संकट से हो जाएंगे परेशान

वास्तु शास्त्र में दिशाओं को महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में घर में रखी हर चीज वास्तु के अनुसार ही रखनी चाहिए। वरना नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलते हैं। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि घर की छत पर कुछ चीजों को नहीं रखना चाहिए। इन चीजों के छत पर रखे होने से परिवार पर बुरा असर होता है। इतना ही नहीं, व्यक्ति को दुर्भाग्य का सामना करना पड़ता है।

घर की छत पर कूड़ा

बहुत से लोग घर की छत पर कूड़ा आदि रखते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार ऐसा करना बिल्कुल भी सही नहीं है। इसके अलावा छत पर पुरानी रद्दी और कागज रखना भी अशुभ प्रभाव डालता है। इस तरह देवी लक्ष्मी की नाराजगी का भी सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में व्यक्ति को पैसों से जुड़ी समस्याएं आने लगती हैं।

ऐसे पेड़-पौधे न रखें

कई लोगों को घर की छत पर पेड़-पौधे आदि लगाना पसंद होता है। ऐसे में अगर छत पर भी पेड़-पौधे हैं, तो ध्यान रखें कि खराब पेड़-पौधे जिन पर दूध मिट्टी जमा हो गई हो, उन्हें छत पर बिल्कुल भी न रखें। आपको छत पर लगाए जाने वाले पेड़-पौधों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

इन चीजों को न रखें

ऐसा माना जाता है कि आपको छत पर झाड़ू, जंग लगा लोहा, टूटी हुई लकड़ी आदि चीजों को संग्रहित करने से बचना चाहिए। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश करती है। इसके अलावा छत पर रस्सियों का बंडल रखना भी वास्तु शास्त्र में अशुभ माना जाता है। इस कारण व्यक्ति को अशुभ परिणाम प्राप्त होने लगते हैं।

जीवन यात्रा को दिखाता है शो सावधान इंडिया अपनी खाकी में मेरा किरदार : तन्वी मल्हारा

शो सावधान इंडिया अपनी खाकी में एक तेजतर्रार सब-इंस्पेक्टर प्रगति देशमुख की भूमिका निभाने वाली एक्?ट्रेस तन्वी मल्हारा ने कहा कि उनका किरदार उनकी खुद की जीवन यात्रा को दिखाता है।अपने किरदार के में बात करते हुए तन्वी ने कहा, ऑडिशन के समय पुलिसकर्मी का यह किरदार बेहद कठिन लग रहा था। अभिनय के प्रति मेरे जुनून के कारण यह संभव हो पाया।उन्होंने कहा, ऐसे क्षण थे जब मुझे अपने संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए संघर्ष करना पड़ा। कई दृश्यों दौरान मुझे लगा कि मैं टूट रही हूं। लेकिन दृढ़ता के साथ मैंने यह सब किया।तन्वी सपनों को लगातार आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर देती हैं।एक्?ट्रेस ने आगे कहा, बाधाओं के बावजूद मैंने हमेशा एक कलाकार बनने की ख्वाहिश रखी है। इसी तरह मेरा किरदार प्रगति कभी भी से पीछे नहीं हटती, और वह मजबूती मुझमें भी झलकती है।उनका किरदार युवा महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का प्रतीक है।तन्वी मल्हारा ने कहा, मैं पहले अपने निर्णय के लिए दूसरों पर निर्भर रहती थी। लेकिन अब, मैं अपनी पसंद खुद चुनने और परिणामों का डटकर सामना करने की ताकत हूं। सावधान इंडिया अपनी खाकी स्टार भारत पर प्रसारित होता है।

शो से निकालने पर प्रतीक्षा होनमुखे ने मेकर्स को दिया करारा जवाब

पोस्ट में कही 'सच्चाई' की बात

टीवी का पॉपुलर सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' काफी समय से सुर्खियां बटोर रहा है। ये सीरियल काफी समय से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। सीरियल में कई बार कहानी और कैरेक्टर्स में बदलाव किए गए हैं। शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक बार फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल हाल ही में सीरियल में अरमान और रूही का किरदार निभाने वाले शहजादा धामी और प्रतीक्षा होमनुखे को शो के मेकर्स ने बाहर निकाल दिया है। शो के मेकर राजन शाही ने दोनों को उनके अनप्रोफेशनल बिहेवियर के चलते शो से बाहर किया है। इस खबर ने दोनों के फैंस और दर्शकों को हैरान कर दिया है। शहजादा धामी और प्रतीक्षा होमनुखे को शो से बाहर निकाले जाने की खबर इंस्टाग्राम पर आग की तरह फैल रही है। शो से बाहर होने के बाद प्रतीक्षा होमनुखे ने अपने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

रीम शेख को डर है कि कोई उनकी कॉफी के साथ छेड़छाड़ न कर दे

स्ट्रीमिंग शो रायसिंघानी वर्सेज रायसिंघानी में अंकिता रस्तोगी की भूमिका में नजर आने वाली एक्ट्रेस रीम शेख ने अपने बारे में एक खास बात शेयर की।एक्ट्रेस शो में एक तेज-तर्रार वकील का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि वह उन लोगों की कॉफी के साथ छेड़छाड़ करती हैं, जिन्हें वह पसंद नहीं करती। एक्ट्रेस एक कॉफी लवर हैं, उन्हें इस बात का डर है कि कहीं लोग उनकी कॉफी के साथ भी छेड़छाड़ न कर दें।रीम के मुताबिक, अंकिता का किरदार निभाना मजेदार है, वह स्मार्ट, मजबूत और स्वतंत्र है, जिसे जे-नजेड पसंद करेगा। उसकी एक आदत है, जिस पर मुझे गुस्सा आता है, जो अपनी बात रखने का एक रचनात्मक तरीका है। वह कहती है कि कॉफी लवर होने के नाते मुझे इस बात से डर लगता है कि जैसे मैं लोगों की कॉफी से छेड़छाड़ करती हूं, कहीं मेरी कॉफी के साथ भी ऐसा न हो जाए।उन्होंने आगे कहा, कहानी में एक मजेदार मोड़ आता है, जब मैं और मेरे दोस्त कॉफी से छेड़छाड़ के तरीके को एक मजाक में बदल देते हैं। यह सब बहुत मजेदार होता है और हम इस पर हंसे बिना नहीं रह सकते। हालांकि, मुझे लगता है कि मेरे दोस्त भी थोड़े डरे हुए हैं, वे अंकिता की रणनीति से अवगत हैं और वे जानते हैं कि मैं चुनौती से पीछे हटने वालों में से नहीं हूं।रायसिंघानी वर्सेज रायसिंघानी सोनी लिव पर स्ट्रीम हो रहा है।

कंगुवा का दमदार टीजर हुआ रिलीज

खूंखार लुक में दिखे सूर्या और बॉबी देओल

साउथ सिनेमा के कुछ कलाकार ऐसे जिनकी फिल्मों का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। उन अभिनेताओं की सूची में सूर्या का नाम लिस्ट में टॉप पर बना रहता है। सूर्या की अपकमिंग फिल्मों में कंगुवा मौजूद है, जिसकी चर्चा काफी लंबे समय से चली आ रही है। अब तक कंगुवा के कई सामने आ चुके हैं, जिनको देखकर प्रशंसकों का क्रेज काफी बढ़ा हुआ है और अब उनका ये क्रेज दोगुना होने वाला है। क्योंकि सूर्या, बॉबी देओल और दिशा पाटनी स्टारर कंगुवा का टीजर लॉन्च कर दिया गया है।आपको बता दें कि फिल्म मेकर्स की तरफ से इस बात का पहले ही कर दिया गया था कि आज यानी 19 मार्च को कंगुवा का टीजर रिलीज किया जाएगा। तय समय के अनुसार, सूर्या की मोस्ट अवेटेड फिल्म कंगुवा का टीजर सामने आ गया है। इस टीजर में सूर्या और बॉबी देओल एक दम से अलग और खूंखार अंदाज में रहे हैं।खासतौर एनिमल फिल्म से धमाकेदार वापसी करने वाले बॉबी फिल्म कंगुवा के इस टीजर में धांसू लुक में नजर आ रहें हैं। इन दोनों एक्टर के खतरनाक लुक इस लेटेस्ट वीडियो में आसानी से देखने को मिल जाएगी। इस टीजर से ये अनुमान लगाया जा सकता है कि की कंगुवा एक अलग और अनोखी कहानी दर्शाने वाली है।यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए अभिनेत्री दिशा पाटनी तमिल सिनेमा में कदम रखने जा रही हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।प्रशंसक पिछले कुछ दिनों से फिल्म की एक झलक देखने का कर रहे थे, जो खत्म हो चुका है।कंगुवा को 38 भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। ऐसा पहली बार होगा, जब कोई तमिल फिल्म 38 भाषाओं में दर्शकों के बीच आएगी।बताया जा रहा है कि डायरेक्टर शिवा के निर्देशन में कंगुवा को इसी साल सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता।

शाहरुख खान ने ली उर्फी जावेद संग सेल्फी

तस्वीर देख हक्के बक्के रह गए ट्रोल्स

बिग बॉस ओटीटी से नाम कमाने वाली एक्ट्रेस उर्फी जावेद अपनी यूनिक ड्रेसेस को लेकर चर्चा में बनी रहती हैं। अभी हाल ही में उर्फी जावेद के फिल्मी दुनिया में डेब्यू करने की खबर भी सामने आई थी। इसके बाद से उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में बनी हुई हैं। उर्फी जावेद टीवी की दुनिया के कई शोज में धमाल चुकी हैं। अब इन सब के बीच उर्फी जावेद की एक फोटो सामने आई है। इस तस्वीर में इस तस्वीर में उर्फी जावेद बॉलीवुड के सुपरस्टार के साथ नजर आ रही हैं। उर्फी जावेद की इस तस्वीर को देखने के बाद हर कोई हैरान है।

उर्फी जावेद ने शाहरुख खान संग शेयर की तस्वीर

उर्फी जावेद सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली एक्ट्रेसेस में से एक है। उर्फी जावेद अपने नए-नए लुक से लोगों को हैरान कर देती हैं। इसी बीच उर्फी जावेद की एक तस्वीर ने लोगों को हैरान कर दिया है। इस तस्वीर में उर्फी जावेद बॉलीवुड के जाने-माने स्टार शाहरुख खान के साथ नजर आ रही हैं। इस वायरल हो रही तस्वीर को उर्फी जावेद ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से शेयर किया है। इस तस्वीर में शाहरुख खान सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं। उर्फी जावेद और शाहरुख खान की इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर गदर काट दिया है। इस तस्वीर को उर्फी जावेद ने अपनी सबसे फेवरेट तस्वीर बताया है। तो चलिए बिना देर किए देखते हैं उर्फी जावेद और शाहरुख खान की ये वायरल फोटो।

रमजान के पाक महीने में सानिया मिर्जा ने परिवार संग की इफ्तारी

तलाक के बाद खुशी का सहारा बना बेटा

टेनिस स्टार सानिया मिर्जा क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक लेने के बाद से काफी चर्चा में हैं। सानिया मिर्जा तलाक के बाद से सोशल मीडिया हैंडल से एक के बाद तस्वीरें शेयर कर रही हैं। अब इसी बीच सानिया मिर्जा ने तलाक के बाद पहली बार अपने परिवार संग फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में सानिया मिर्जा अपने बेटे और परिवार के साथ इफ्तारी करती हुई नजर आ रही हैं। इन वायरल हो रही तस्वीरों में सानिया काफी खुश दिखाई दीं।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में सूट पहने दिखाई दीं।

सानिया मिर्जा का ये देसी लुक आते ही सोशल मीडिया पर छा गया।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा के इस अंदाज पर फैंस फिदा हो गए।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में अपने बेटे के साथ मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा और उनके बेटे की तस्वीर को यूजर्स जमकर शेयर कर रहे हैं।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में नो मेकअप लुक में दिखाई दे रही हैं। सानिया मिर्जा का नो मेकअप लुक फैंस को खूब पसंद आ रहा है।सानिया मिर्जा इस लुक में बेहद हसीन लग रही हैं। सानिया मिर्जा के इस लुक के लोग दीवाने हो गए। सानिया मिर्जा इस तस्वीर में मिरर सेल्फी लेती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा क इस तस्वीर ने फैंस का दिल जीत लिया।सानिया मिर्जा इस तस्वीर में रमजान के पाक महीने में परिवार संग इफ्तारी करती हुई नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा की इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर गदर काट दिया है। सानिया मिर्जा इस तस्वीर में अपने बेटे संग काफी खुश नजर आ रही हैं। सानिया मिर्जा के बेटे की क्यूटनेस को लेकर लोग जमकर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'सानिया मिर्जा के लाडले बेहद क्यूट हैं।

केट शर्मा ने सिजलिंग साड़ी पहन दिए सेक्सी पोज

टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान हाई कर दिया है. हर बार की इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट वीडियो शेयर किया है. केट शर्मा ने पीच कलर की सिजलिंग साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. एक्ट्रेस का यह वीडियो मीडिया पर लगे हाथ वायरल होने लगा है. केट शर्मा ने पीच कलर की सिजलिंग साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहना है, लाइट मेकअप के साथ बाल खुले छोड़े हैं और कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज दे रही हैं. एक्ट्रेस का यह वीडियो सोशल मीडिया में होने के बाद फैंस का दिल मचलने लगा है.टीवी एक्ट्रेस केट शर्मा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान हाई कर दिया है. हर बार की तरह इस बार भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर हॉट वीडियो शेयर किया है. केट शर्मा भले ही फिल्मों में सफल नहीं हो पायी लेकिन अपनी खूबसूरती और हॉटनेस से कई बालीवुड़ अभिनेत्रियों को पीछे छोड़ती नजर आती है। साथ ही फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने बढ़ाया सोशल मीडिया का तापमन

भारत 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार, अनुराग ठाकुर ने फिर भरी हुंकार

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय खिलाड़ी भले ही इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जुटे हों, लेकिन भारत सरकार ने 2036 ओलंपिक की मेजबानी करने की तैयारियां शुरू कर दी है। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि भारत 2030 में यूथ ओलंपिक और 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

बोली शुरू होने का इंतजार

अनुराग ठाकुर ने एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कहा कि जिस पल इसके लिए बोली शुरू होगी, भारत ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार रहेगा।

उन्होंने कहा, हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति हैं और हम उन देशों में हैं जहां युवाओं की ताकत काफी है। खेल के लिए भारत से बड़ा बाजार और कोई नहीं है।

भारत 2030 यूथ ओलंपिक और 2026 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने के लिए तैयार है। विदेशी प्रशंसकों ने की थी धर्मशाला स्टेडियम की तारीफ खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में खेले गए पांचवें टेस्ट मैच को देखने के लिए इंग्लैंड से चार हजार से ज्यादा विदेशी प्रशंसक आए थे और उन्होंने यहां मौजूद इस खूबसूरत स्टेडियम की सराहना की थी।

पेरिस के बाद लॉस एंजिल्स और ब्रिसबेन में होंगे ओलंपिक

इस साल जुलाई-अगस्त में ओलंपिक का आयोजन फ्रांस के पेरिस शहर में आयोजित होगा। इसके लिए वहां तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इसके बाद इन खेलों की मेजबानी 2028 में लॉस एंजिल्स और 2032 में ब्रिसबेन को करनी है।

न्यूज ब्रीफ

विस्फोटक है दिल्ली कैपिटल्स का शीर्ष क्रम : चोपड़ा

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स टीम का शीर्ष क्रम बेहद अच्छा है और

उसके पास कई आक्रामक बल्लेबाज है। चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर कहा, उनके पास विनाशकारी शीर्ष क्रम है। पृथ्वी शॉ सिर्फ हिट करते हैं। उन्होंने एक ओवर में छह चौके भी लगाए हैं। उन्होंने शिवम मावी के खिलाफ ऐसा किया था। सा ही कहा कि पिछले साल से इस साल तक चीजें बहुत बदल गई हैं। अगर डेविड वार्नर हिट करना चाहते हैं, वह ऐसा बहुत अच्छे से करता है। उसने पिछले साल ऐसा करने का मन नहीं बनाया था। इसके साथ ही मिशेल मार्श और ऋषभ पंत की मौजूदगी से भी दिल्ली के बल्लेबाजी क्रम को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, मिशेल भी बेहद तेजी से खेलते हैं। उसके बाद ऋषभ पंत हैं जो अपने आतिशी तूफानी अंदाज के लिए जाने जाते हैं। वहीं अगर मैं ट्रिस्टन स्टब्स को नंबर 5 पर रखता हूं, तो उनकी बल्लेबाजी भी सभी को हैरान कर देती है। ऐसे में देखा जाये तो शीर्ष पांच बल्लेबाज मन को झकझोर देने वाले हैं। आईपीएल सत्र 22 मार्च शुरू होगा जिसमें दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स से होगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम : ऋषभ पंत (कप्तान), प्रवीण दुबे, डेविड वार्नर, विक्की ओस्टवाल, पृथ्वी शॉ, एनरिक नॉर्टजे, अभिषेक पोरेल, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, ललित यादव, खलील अहमद, मिशेल मार्श, ईशांत शर्मा, यश ढुल, मुकेश कुमार, हैरी ब्रूक, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, शाई होप, स्वास्तिक छिकारा।

ओलंपिक क्वालिफायर में महिला पहलवानों के साथ जाएंगी दो महिला कोच, 27 मार्च से लगेगा शिविर

नई दिल्ली,21 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से बहाली के बाद भारतीय कुश्ती महासंघ ने 11 अप्रैल से होने जा रही एशियाई चैंपियनशिप और 19 अप्रैल से शुरू हो रहे एशियाई ओलंपिक क्वालिफायर के लिए महिला पहलवानों की टीम के साथ दो महिला प्रशिक्षकों को भेजने का फैसला लिया है। यही नहीं महासंघ ने तदर्थ समिति की ओर से नियुक्त प्रशिक्षकों की जगह पुराने प्रशिक्षकों को भी वापस बुला लिया है। इन दोनों टूर्नामेंट में पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के चीफ कोच ओलंपियन जगमिंदर सिंह, महिला टीम के विरेंदर कुमार और ग्रीको रोमन टीम के मुख्य प्रशिक्षक हरगोविंद सिंह होंगे। टूर्नामेंट की तैयारियों के लिए 27 मार्च से पुरुष पहलवानों का शिविर सोनीपत और महिला पहलवानों का गांधीनगर या एनआईएस पटियाला में लगाया जाएगा।

विनेश समेत ट्रायल में जीते पहलवानों की एंट्री भेजी

कुश्ती महासंघ ने पुरुष फ्रीस्टाइल टीम के साथ द्रोणाचार्य अवार्डी जगमिंदर, विनोद कुमार और अनिल मान, ग्रीको रोमन टीम के साथ हरगोविंद, अनिल कुमार, विक्रम शर्मा और महिला टीम के साथ विरेंदर कुमार के अलावा महिला कोच मंजीत रानी और सोनिया मोर को नियुक्त किया है। महिला पहलवानों के शिविर के लिए साई को गांधीनगर या एनआईएस पटियाला का प्रस्ताव दिया गया है। इन दोनों स्थानों पर शिविर नहीं लगने की स्थिति में साई सेंटर भोपाल के लिए प्रयास किया जाएगा। कुश्ती महासंघ ने हाल ही में इन दोनों टूर्नामेंट के लिए हुए चयन ट्रायल के विजेताओं की एंट्री भेज दी है। इनमें 50 भार वर्ग में विनेश फोगाट का नाम भी शामिल है।

एथलीट कमीशन के चुनाव 24 अप्रैल से

आईओए के कहने पर महासंघ एथलीट कमीशन का चुनाव फेडरेशन कप के दौरान छत्तीसगढ़ में 24-25 अप्रैल को कराने जा रहा है। प्रत्येक राज्य संघ से दो एथलीट सात पदों के लिए नामांकन भरेंगे। सात पदों में दो महिलाओं का होना अनिवार्य है। अभी तक लंदन ओलंपिक के पदक विजेता योगेश्वर दत्त एथलीट कमीशन के चेयरमैन थे, लेकिन यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम के अनुसार कमीशन का चुनाव मौजूदा या फिर बीते चार वर्ष में खेलने वाला पहलवान ही लड़ सकता है। ऐसे में वह चुनाव नहीं लड़ पाएंगे। महासंघ ने यह भी साफ कर दिया है कि राज्य संघों के चुनाव खेल संहिता के अनुसार कराए जाएंगे।

रोहित के अभ्यास के लिए पहुंचते ही गले मिले हार्दिक

मुम्बई । आईपीएल 2024 के लिए रोहित शर्मा को हटाकर हार्दिक पंड्या को मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से ही इन दोनो खिलाड़ियों में दूरियां आने की बातें कहीं जा रहीं थीं जो गलत साबित हुई हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता हैं कि जब रोहित मुम्बई टीम के अभ्यास सत्र के लिए पहुंचे तो हार्दिक उनसे गले मिले। मुंबई इंडियंस ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह वीडियो मुंबई इंडियंस के अभ्यास सत्र का है। इसमें मुम्बई के सभी खिलाड़ी खड़े हैं। इस दौरान पंड्या ने रोहित को देखा तो उनसे मिलने के लिए चले गए। रोहित पहले हाथ मिलाना चाहते थे पर पंड्या ने उन्हें सीधे गले लगा लिया। पंड्या और रोहित के इस पूरे वाकये का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रोहित ने इस दौरान इंग्लैंड के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट सीरीज के दौरान डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने इन युवा क्रिकेटरों के साथ खेलने का भरपूर आनंद उठाया। विराट सहित कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में 5 युवा खिलाड़ियों रजत पाटीदार, ध्रुव जुरेल, सरफराज खान, आकाश दीप और देवदत्त पडिक्कल ने इस सीरीज से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। रोहित ने सोशल मीडिया पर कहा, 'व्यक्तिगत रूप से मुझे इनके साथ काम करके बहुत मजा आया जितने भी युवा लड़के थे, सब काफी हंसमुख थे। इनमें से अधिकतर को मैं अच्छी तरह से जानता था तथा मुझे उनके मजबूत पक्षों के बारे में पता था। मैं जानता था कि वह किस तरह से खेलना चाहते हैं। मेरा काम केवल उन्हें सहज बनाए रखना था। जिस तरह से उन्होंने मेरी और कोच राहुल द्रविड़ की उम्मीदों को पूरा किया, वह शानदार था।' मुंबई इंडियंस इस सत्र में अपना पहला मुकाबला 24 मार्च को गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

आईपीएल में वापसी कर रहे स्टार्क पर रहेंगी नजरें

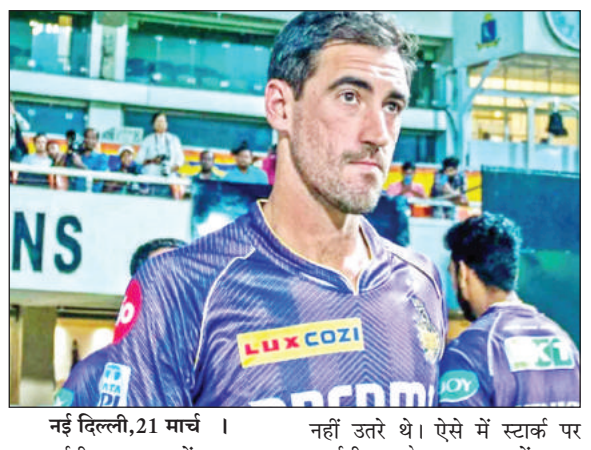

नई दिल्ली,21 मार्च ।

आईपीएल सत्र में इस बार कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क पर सबकी नजरें रहेंगी। इसका कारण है कि स्टार्क अब तक के आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। स्टार्क को ऐसे ही नहीं मिल गयी इतनी बड़ी रकम। इससे पहले उनपर 99 बार बोली लगी थी। वहीं अंतिम बोली केकेआर ने सबसे ज्यादा 24.75 करोड़ रुपये की लगायी थी। स्टार्क अब 8 साल बाद आईपीएल में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने अंतिम बार रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से साल 2015 में खेला था। इसके बाद से ही वह अलग-अलग कारणों से इस लीग से बाहर थे। वह कभीऑस्ट्रेलियन टीम की ओर से व्यस्त रहने के साथ ही चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर थे। साल 2028 में केकेआर ने उन्हें 9.40 करोड़ में खरीदा था पर वह चोटिल होने के कारण मैदान पर नहीं उतरे थे। ऐसे में स्टार्क पर आईपीएल के इस सत्र में बहुत दबाव भी रहेगा। वहीं ये भी कहा जाता है कि स्टार्क दबाव में ही अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं। विश्वकप में ये सामने आया है। भारत में खेले गए इस विश्व कप के लीग मैचों में स्टार्क लय में नहीं थे पर नॉकआउट मैचों से सेमीफाइनल और फाइनल में उन्होंने जबरदस्त गेंदबाजी की। अब जब केकेआर की टीम श्रेयस अय्यर की कप्तानी में आईपीएल 2024 में उतरेगी तो स्टार्क से उसी प्रकार के बेहतर फॉर्म की उम्मीद करेगी। स्टार्क निचले क्रम में अच्छी बल्लेबाज भी करते हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 10 अर्धशतक हैं। स्टार्क का टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा स्कोर 99 है और केकेआर ने भी उन्हें आईपीएल नीलामी में 99वीं बोली लगाकर ही जीता था। 89 टेस्ट और 121 वनडे मैच खेल चुके मिचेल स्टार्क का ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़े ही रणनीतिक तरीके से इस्तेमाल करता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हवाई जहाज तो ...

हमारे लोग हवाई जहाज तो छोड़िए, रेलवे की यात्रा के लिए भी टिकट नहीं खरीद सकते। यह चुनाव से दो महीने पहले किया गया। एक नोटिस 90 के दशक से आया, दूसरा 6-7 साल पहले; कुल राशि 14 लाख रुपये और सजा हमारी पूरी वित्तीय पहचान। चुनाव आयोग ने भी कुछ नहीं कहा। यहां कोई लोकतंत्र नहीं है। पहले से ही चुनाव लड़ने की हमारी क्षमता को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हम पहले ही एक महीना खो चुके हैं। राहुल ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी को निशाना बनाए जाने की कार्रवाई है। ऐसा प्रधानमंत्री और गृह मंत्री कर रहे हैं। यह विचार कि भारत लोकतंत्र है, एक झूठ है। आज भारत में कोई लोकतंत्र नहीं है। यह विचार कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, एक झूठ है। भारत के 20% लोग हमारे लिए वोट करते हैं और फिलहाल हम किसी भी चीज के लिए 2 रुपये का भुगतान नहीं कर सकते। यह चुनाव में हमें पंगु बनाने के लिए रचा गया है। भले ही आज हमारे बैंक खाते खोल दिए जाए तो भी भारतीय लोकतंत्र को काफी चोट पहुंचाई जा चुकी है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मौजूदगी में भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। खरगे ने कहा, भाजपा ने कांग्रेस को चुनाव मैदान से हटाने का खतरनाक खेल शुरू किया है। लोकतंत्र तभी सफल हो सकता है, जब सभी दलों के पास समान संसाधन हों। उन पर किसी एक दल का एकाधिकार न हो। सत्ताधारी पार्टी द्वारा संवैधानिक और न्यायिक संस्थाओं पर प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष नियंत्रण करने का प्रयास किया जा रहा है। चुनावी चंदा यानी बॉन्ड मामला सुप्रीम कोर्ट में है।

खरगे ने कहा कि भाजपा के चंदे के खेल ने देश की छवि को ठेस पहुंचाई है। स्वस्थ लोकतंत्र पर प्रश्न उठा है। सर्वोच्च अदालत ने जिस चंदा बॉन्ड को गैर कानूनी कहा, भाजपा सरकार ने उसी के जरिए अपना खजाना भर लिया। देश में विपक्ष को नीचे गिराने का प्रयास हो रहा है। इसके दूरगामी प्रभाव होंगे। लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव लड़ने में जानबूझकर बाधा खड़ी करने का प्रयास हो रहा है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा ने चुनावी चंदा बॉन्ड से 56 प्रतिशत पैसे हासिल किए हैं। कांग्रेस को 11 प्रतिशत मिले हैं। चंदे के अलावा उनके पास नकदी भी आती होगी, जिसका कोई खाता ही नहीं है। हिंदुस्तान की 70 वर्ष की लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसा कभी नहीं हुआ। आज अधिकांश राज्यों में भाजपा के फाइव स्टार दफ्तर हैं। बतौर खरगे, मैं कहना नहीं चाहता कि भाजपा ने कंपनियों से किस तरह पैसा लिया है। खैर जो भी हो, बहुत जल्द अहम तथ्य देश के सामने आएंगे। सके बाद कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भी सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का असर सिर्फ कांग्रेस पर ही नहीं पड़ रहा है, बल्कि इसका असर हमारे लोकतंत्र को भी मौलिक रूप से पड़ता है। प्रधानमंत्री भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए लगातार कोशिश कर रहे हैं। पार्टी के खाते में जनता से इकट्ठा किया गया पैसा है। हमारे खातों से पैसे जबरदस्ती छीने जा रहे हैं। हालांकि, इन सब चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी हम अपने चुनाव अभियान को जोर-शोर से आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। एक तरफ चुनावी बॉन्ड का मुद्दा है, जिसे सुप्रीम कोर्ट असंवैधानिक करार दे चुका है। चुनावी बॉन्ड से भाजपा को भारी लाभ हुआ। दूसरी ओर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस की वित्तीय स्थिति को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है। हम सभी का मानना है कि यह अलोकतांत्रिक है।

आनंद शर्मा ने ...

विरासत का अपमान करने जैसा है। इस चिट्ठी में आनंद शर्मा ने कांग्रेस के समावेशी दृष्टिकोण की याद दिलाते हुए लिखा है कि पार्टी का वर्तमान रुख पिछली कांग्रेस सरकारों के विचारों के साथ मेल नहीं खाता। उन्होंने 1980 में इंदिरा गांधी के नारे ना जात पर ना पात पर, मुहर लगेगी हाथ पर को याद दिलाया। उन्होंने चिट्ठी में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के उस बयान की भी याद दिलाई जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों में जातिवाद को मुद्दा बनाया गया तो हमें समस्या होगी। कांग्रेस इस देश को विभाजित होते हुए नहीं देख सकती।इससे पहले राहुल गांधी द्वारा रैलियों और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जाति जनगणना का मुद्दा कई बार उठाया गया। राहुल गांधी के अनुसार जाति जनगणना देश का एक्स रे है और इससे दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। राहुल गांधी ने इलाहाबाद में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा था कि जाति जनगणना युवाओं का हथियार है। एक तरफ कांग्रेस 2024 को लोकसभा चुनावों में जाति जनगणना को मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है, तो दूसरी तरफ आनंद शर्मा ने कांग्रेस के इस रुख पर आपत्ति जताई है। ऐसे में उन्होंने अपनी पार्टी को मुश्किल में डाल दिया है। इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी के भीतर उठते विरोध सुर, राहुल गांधी के अभियान में बाधा डाल सकते हैं। इससे पहले आनंद शर्मा ने 2021 में भी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक पत्र भेजकर पार्टी की कार्यप्रणाली में बदलाव की मांग की थी। जाति जनगणना पर सवाल उठाने वाले कांग्रेस नेता आनंद शर्मा के पत्र पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि आनंद शर्मा एक वरिष्ठ नेता हैं। वह सीडब्ल्यूसी के सदस्य भी हैं इसलिए अगर वह कुछ भी चर्चा करना चाहते हैं, तो कर सकते हैं।कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में जाति जनगणना पर सवाल उठाने पर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस खुद ही कांग्रेस को बेनकाब कर रही है और गांधी-वाड्रा को आईना दिखा रही है और उन्हें उनका असली चेहरा और पाखंड दिखा रही है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना को पंडित नेहरू ने रोक दिया था और मंडल आयोग का इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने विरोध किया था। यहां तक कि अखिलेश यादव जैसे उनके सहयोगियों ने भी उनके पाखंड को बार-बार उजागर किया है।

कांग्रेस का...

सम्मेलन को संबोधित किया और भारतीय लोकतंत्र तथा संस्थानों के खिलाफ बयानबाजी की। वे आसानी से अपनी अप्रासंगिकता का दोष वित्तीय परेशानियों पर मढ़ रहे हैं। दरअसल, उनका दिवालियापन आर्थिक नहीं, बल्कि नैतिक और बौद्धिक है।भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अपनी गलतियों को सुधारने के बजाय,कांग्रेस अपनी परेशानियों के लिए अधिकारियों को दोषी ठहरा रही है। उन्होंने कहा कि चाहे वह आयकर अपीलय न्यायाधिकरण हो या दिल्ली उच्च न्यायालय दोनों ने कांग्रेस से नियमों का पालन करने और बकाया करों का भुगतान करने के लिए कहा है लेकिन पार्टी ने कभी ऐसा नहीं किया।उन्होंने कहा की जिस पार्टी ने हर क्षेत्र, हर राज्य और इतिहास के हर पल में लूट की हो, उसके लिए वित्तीय लाचारी की बात करना हास्यास्पद है। हेलिकॉप्टर घोटाले से लेकर बोफोर्स तक सभी घोटालों से जमा हुए पैसे का इस्तेमाल कांग्रेस अपने चुनाव प्रचार में कर सकती है। श्री नड्डा ने कहा की कांग्रेस के पार्ट टाइम नेता कहते हैं कि भारत का लोकतंत्र होना झूठ है, क्या मैं उन्हें विनम्रतापूर्वक याद दिला सकता हूं कि 1975 और 1977 के बीच केवल कुछ महीनों के लिए भारत एक लोकतंत्र नहीं था और उस समय भारत की प्रधान मंत्री कोई और नहीं बल्कि इंदिरा गांधी थीं। वहीं भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अल्प ज्ञान समस्या पैदा करता है। इनकम टैक्स का एक सेक्शन 13ए है, जिसके मुताबिक राजनीतिक दल को इनकम टैक्स नहीं देना होता है, लेकिन इसके साथ ही राजनीतिक दल को अपना रिटर्न फाइल करना पड़ता है तभी आप टैक्स छूट से बच सकते हैं। राहुल गांधी ने आज सफेद झूठ बोला है। राहुल गांधी, सोनिया गांधी आपकी हार तय है। इन्होंने भारत के लोकतंत्र को दुनिया में शर्मशार किया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा की राहुल गांधी लोकतंत्र को शर्मसार न करें। राहुल गांधी झूठ बोल सकते हैं, गाली दे सकते हैं। लोग सुन रहे हैं। मैं राहुल गांधी-सोनिया गांधी से पूछना चाहता हूं कि देश के लोग आपको वोट नहीं करते हैं तो उसमें बीजेपी क्या करे। राहुल जितना बोलेंगे कांग्रेस उतनी अपनी राजनीतिक जमीन खोएगी।

मंदिरों पर टैक्स...

किया जा सकता है या नहीं, खासकर जब पूरे विधेयक पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने राज्य के मंदिरों पर टैक्स लगाने के लिए कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक 2024 पेश किया था। इस विधेयक के तहत राज्य के जिन मंदिरों की सालाना कमाई 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये के बीच में है, उनसे सरकार पांच प्रतिशत टैक्स वसूलेगी। वहीं जिन मंदिरों की सालाना कमाई एक करोड़ रुपये से अधिक है, उन पर सरकार 10 प्रतिशत टैक्स लगाने की तैयारी कर रही है। यह विधेयक विधानसभा के दोनों सदनों से पारित हो चुका है, लेकिन अब राज्यपाल ने इस पर और स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए विधेयक को लौटा दिया है। कर्नाटक में 34 हजार से ज्यादा मंदिर सरकार के अधीन हैं। इन मंदिरों को सरकार ने सालाना कमाई के आधार पर तीन कैटेगरी में बांटा हुआ है। सरकार ज्यादा आमदनी वाले मंदिरों से पैसा लेकर आर्थिक रूप से कमजोर मंदिरों और उनके पुजारियों की भलाई में खर्च करती है। राज्य सरकार का तर्क है कि वह मंदिरों से होने वाली कमाई को बढ़ाना चाहती है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर मंदिरों और उनके पुजारियों की पर्याप्त मदद हो सके। वहीं भाजपा का विरोध है कि सरकार सिर्फ हिंदू मंदिरों पर ही टैक्स क्यों लगा रही है, साथ ही भाजपा और संतों की मांग है कि सरकार पुजारियों को बजट से पैसा क्यों नहीं दे सकती?

चुनाव आयुक्तों की ...

शीर्ष अदालत ने कहा कि न्याय न केवल किया जाना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए। हम जन प्रतिनिधित्व अधिनियम से निपट रहे हैं जो मेरे अनुसार संविधान के बाद सर्वोच्च है। पीठ ने केंद्र सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि आपको चयन समिति के सदस्यों को उनके सामने आने वाले नामों पर अपना दिमाग लगाने के लिए समय देना चाहिए। संसद ने एक कानून बनाया और इसका मतलब है कि चयन समिति के सदस्यों को इस पर अपना दिमाग लगाना होगा। शीर्ष अदालत के समक्ष एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और अन्य ने याचिका दायर कर नए कानून में सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए गठित समिति में मुख्य न्यायाधीश नहीं रखे जाने पर सवाल उठाया था। कोर्ट ने कहा कि इसकी संविधान पीठ के 2023 के फैसले में कहीं भी यह नहीं कहा गया कि निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति वाली चयन समिति में न्यायपालिका से एक सदस्य होना चाहिए। इससे पहले सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को हाल में निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया था।

पीआईबी की फैक्ट चेक ...

नए नियमों के तहत अगर फैक्ट चेक यूनिट को ऐसे किसी भी पोस्ट के बारे में पता चलता है, जो फर्जी या गलत है या जिसमें सरकार के कामकाज को लेकर भ्रामक तथ्य हैं, तो वह इसे सोशल मीडिया मध्यस्थों के पास भेज देगा। इसके बाद ऑनलाइन मध्यस्थों को ऐसे कंटेंट हटाने होंगे। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया ने इसके खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ताओं ने केंद्र को फैक्ट चेक यूनिट को अधिसूचित करने से रोकने का निर्देश देने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं ने इससे जुड़े नियमों को मनमाना और असंवैधानिक बताया था।

तमिलनाडु की नौ ...

बनाया गया है।गौरतलब है कि भाजपा की पहली सूची में 195 नामों का एलान किया गया था, जिसमें 34 केंद्रीय और राज्य मंत्रियों के नाम सूची में थे। पहली सूची में 28 महिलाओं को भी मौका दिया गया था। दूसरी सूची में 72 नामों को शामिल किया गया था। 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में नागपुर से नितिन गडकरी और हमीरपुर से अनुराग ठाकुर को टिकट दिया गया था।भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनाव यानी 2019 में 543 सीटों में से 436 पर उम्मीदवार उतारे थे। बाकी सीटें पार्टी ने सहयोगी दलों को दी थीं। जिन 436 सीटों पर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, उनमें से पार्टी को 303 पर जीत मिली थी। यह आंकड़ा लोकसभा में बहुमत के आंकड़े 272 से भी ज्यादा था। इसके अलावा 72 सीटों पर भाजपा दूसरे नंबर, 31 सीटों पर तीसरे नंबर और 30 सीटों पर इससे भी नीचे रही थी, जबकि 51 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों की जमानत भी जब्त हो गई थी। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को 351, कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) को 90 और सपा-बसपा के गठबंधन को 15 सीटें मिली थीं।2019 में भाजपा 303 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी और अकेले ही उसने बहुमत के जादुई आंकड़े (272) को पार कर लिया था। इसके बाद कांग्रेस 52 सीटों के साथ दूसरे नंबर पर रही थी। डीएमके को 24, तृणमूल कांग्रेस को 22 और वाईएसआरसीपी को 22 सीटें मिली थीं।

'ईमानदार' केजरीवाल...

जारी किए गए हैं। इस मामले में आपा नेताओं मनीष सिसोदिया और संजय सिंह जेल में हैं। इस मामले में ईडी ने पिछले हफ्ते तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव की पुत्री एवं विधान परिषद सदस्य के कवीता को हैदराबाद में इसके संबंध में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल की और से शीर्ष अदालत में पहुचे वकीलों ने मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी को गैर-कानूनी बताते हुए इस मामले की तत्काल सुनवाई करने की आग्रह किया है। दिल्ली की वित्त मंत्री ने कहा कि हमने उच्चतम न्यायालय से तत्काल आज रात में ही सुनवाई की अपील की है।अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तार के बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल 2020-21 से लगातार शराब नीति घोटाले में बहाने बना रहे थे और जिस तरह की राजनीतिक नाटकबाजी वो कर रहे थे उसका आज अंत हो गया है। आज आखिरकार सत्य की जीत हुई है और मुझे विश्वास है कि युवाओं को शराब की लत में धकेलने की जो साजिश अरविंद केजरीवाल और उनकी सरकार ने रची थी, उसका परिणाम यही होना ही था। सत्य की जीत होनी थी और अरविंद केजरीवाल को उनके पापों की सजा मिलनी ही थी।ईडी की कार्रवाई पर राज्यसभा सांसद और जेएमएम नेता महुआ माजी ने कहा कि जहां-जहां गैर-भाजपा सरकार है, उन राज्यों में ही ये चीजें हो रही हैं। चुनाव होने वाले हैं। आदर्श आचार संहिता लागू है। लेकिन जिस तरह से चीजें चल रही हैं। पहले झारखंड और फिर दिल्ली में ये लोकतंत्र नहीं बल्कि निरंकुशता की तैयारी है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की है। तृणमूल के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा में पार्टी के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने ईडी द्वारा गिरफ्तारी की कारवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि हम एक निर्वाचित मुख्यमंत्री की गिरफ़्तारी की कड़ी निंदा करते हैं, खासकर तब जब चुनाव आयोग प्रभारी है और देश में चुनाव आचार संहिता (एमसीसी) लागू है। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि शराब नीति मामले में कुछ दिन पहले बीआरएस नेता के कविता को भी गिरफ्तार किया। यह एक बड़ी गिरफ्तारी का संकेत था कि आने वाले दिनों में इस मामले में कार्रवाई की जाएगी। यह स्वाभाविक था कि इस मामले की आखिरी कड़ी अरविंद केजरीवाल तक पहुंचनी थी। इस मामले में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसौदिया भी गिरफ्तार हैं। उनकी गिरफ्तारी बस कुछ ही समय की बात थी।

युद्ध के लिए...

शांति के लिए सकारात्मक परिवेश के लिए भारत की ओर देख रही है।

वैश्विक शांति और सुरक्षा को विकास के लिए अनिवार्य करार देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि शांति की सबसे अच्छी स्थिति शक्ति है। युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहना शांतिपूर्ण माहौल के लिए सबसे सुरक्षित मार्ग है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में टकराव करने वाले देशों से परे वैश्विक अर्थव्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला पर इसका असर पड़ता है और ऐसे टकराव का समाधान कूटनीति और बातचीत में निहित है।उन्होंने कहा कि अलगाव का दृष्टिकोण अब अतीत की बात है। इस सभी राष्ट्रों को सार्थक चर्चा में शामिल होने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रभावी नीति निर्माण और संघर्ष समाधान के आधार के रूप में बातचीत और एकजुटता से काम करने पर जोर दिया।

काशी में खेली गई विश्व प्रसिद्ध मसाने की होली

महाश्मशान घाट पर महादेव ने अपने प्रिय गणों भूत-प्रेत के साथ खेली चिता भस्म की होली

पूरे विश्व में सिर्फ काशी में ही खेली जाती है चिता-भस्म की होली

विदेशी पर्यटकों ने भी इस उत्सव का जमकर लुफ्त उठाया

वाराणसी, 21 मार्च (एजेंसियां)

काशी के मणिकर्णिका घाट पर गुरुवार को अद्भुत नजारा देखने को मिला। यहां बड़े ही उत्साह के साथ जलती चिताओं के बीच चिता-भस्म की होली खेली गई। मसाने की होली खेलने के लिए मणिकर्णिका घाट के महाश्मशान पर जन सैलाब उमड़ पड़ा। ऐसी मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ मणिकर्णिका के महाश्मशान में अपने गणों के साथ चिता भस्म की होली खेलते हैं।

पूरे देश में रंगों और गुलालों से होली खेली जाती है, लेकिन शिव की नगरी काशी में चिता की राख के साथ भी होली खेली जाती है। ऐसी होली पूरे विश्व में सिर्फ काशी में मनाई जाती है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शंकर भस्म की होली अपने प्रिय गण भूत, प्रेत, पिशाच शक्तियों के साथ खेलते हैं।

चिता भस्म की होली शुरू करने से पहले बाबा मसान नाथ की पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की जाती है। फिर बाबा की आरती करने के बाद चिता के राख से होली की शुरुआत की जाती है, जिसमें ढोल-नगाड़े और डमरू के साथ पूरा श्मशान घाट हर-हर महादेव के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। काशीवासियों के साथ-साथ विदेशी पर्यटकों ने भी इस उत्सव का जमकर लुफ्त उठाया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव ने मसान की होली की शुरुआत की थी। ऐसा माना जाता है कि रंगभरी एकादशी के दिन भगवान शंकर माता पार्वती का गौना कराने के बाद उन्हें काशी लेकर आए थे। तब उन्होंने अपने गणों के साथ रंग-गुलाल के साथ होली खेली थी, लेकिन वे श्मशान में बसने वाले भूत, प्रेत, पिशाच, यक्ष गन्धर्व, किन्नर जीव जंतु आदि के साथ होली नहीं खेल पाए थे, इसलिए रंगभरी एकादशी के एक दिन बाद भोलेनाथ ने श्मशान में रहने वाले भूत-प्रेत साथ होली खेली थी। तभी से काशी में मसान की होली खेलने की परंपरा चली आ रही है। चिता की राख से होली खेलने की वजह से ये परंपरा देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध है।

होली पर शत-प्रतिशत ऑनरोड होंगी परिवहन निगम की बसें

लखनऊ, 21 मार्च (एजेंसियां)।

होली पर्व के अवसर पर यात्रियों के भारी संख्या में आवागमन को लेकर परिवहन की बेहतर सुविधा के लिए योगी सरकार की ओर से पहल की गई है।

इस क्रम में उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के एमडी मासूम अली सरवर ने सभी क्षेत्रीय/सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को होली पर्व के दृष्टिगत शत-प्रतिशत बसों के संचालन के साथ-साथ बस अड्डों पर व्यापक यात्री सुविधा सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि 24/25 मार्च, 2024 को मुख्य पर्व की तिथि से पूर्व व उसके पश्चात विभिन्न गन्तव्यों के लिए जनसामान्य का भारी संख्या में आवागमन देखते हुए यात्रियों को पर्याप्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से बसों को शत-प्रतिशत आनरोड करते हुए संचालन कराया जाएगा।

प्रत्येक क्षेत्र समस्त बसों की यांत्रिक एवं भौतिक दशा को सुदृढ़ व ऑनरोड कराकर शत-प्रतिशत संचालन सुनिश्चित करेगा। समस्त सक्षम चालक-परिचालक से संचालन का कार्य लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि होली पर्व की अवधि में यात्रियों की उपलब्धता एवं आवश्यकता के आधार पर अतिरिक्त बसों का संचालन योजनाबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा। बस अड्डों पर बैनरों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाएगा। एमडी ने कहा कि एसी बसों के संचालन को निर्धारित कर आनलाइन बुकिंग/आरक्षण व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यात्रियों के बैठने की अतिरिक्त व्यवस्था के साथ-साथ सभी बस अड्डों पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था, शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, शौचालय एवं परिसर की सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। बसों में संचालन के दौरान यह भी सुनिश्चित करें, कि अवांछनीय, प्रतिबंधित व ज्वलन्तशील विस्फोटक सामग्री न ले जाई जाए।

अनाधिकृत वाहनों की सघन चेकिंग के निर्देश

उत्तर प्रदेश के परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने सभी संभागीय/सहायक संभागीय परिवहन अधिकारियों को होली पर्व के दृष्टिगत अनाधिकृत वाहनों की सघन चेकिंग कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए हैं।उन्होंने कहा कि 24/25 मार्च 2024 को होली का पर्व मनाया जाना है। प्रायः महत्वपूर्ण अवसरों पर प्रदेश के अंदर आने वाली व प्रदेश से अन्य राज्य में जाने वाली अथवा प्रदेश के विभिन्न स्थानों से बहुतायत में संचालित होने वाले अनाधिकृत वाहनों से जहां एक ओर निगम की आय कुप्रभावित होती है, वहीं दूसरी ओर व्यापक कर चोरी से शासन को राजस्व की हानि होने के साथ-साथ यात्री सुरक्षा मानकों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं हो पाता है। उन्होंने अनाधिकृत संचालन की रोकथाम के लिए जनहित में 21 मार्च से 01 अप्रैल 2024 तक सभी जनपदों में अनाधिकृत वाहनों के रोकथाम हेतु प्रभावशाली संयुक्त चेकिंग अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए हैं।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद 1 करोड़ 12 लाख भक्तों ने किए श्रीरामलला के दर्शन

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में लगातार बढ़ रही भक्तों की संख्या

प्रतिदिन एक से सवा लाख श्रद्धालु कर रहे भगवान राम के दर्शन, मंगलवार को हो रही सर्वाधिक भीड़

अयोध्या, 21 मार्च (एजेंसियां)।

श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को दो माह पूरे हो रहे हैं। इसके साथ ही यहां दर्शन-पूजन के लिए आने वाले भक्तों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है। 22 जनवरी से लेकर 20 मार्च तक 1 करोड़ 12 लाख श्रद्धालुओं को भगवान रामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है।

अयोध्या में रामलला का दर्शन करने के लिए यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बीते वर्ष की अपेक्षा तेजी से बढ़ी है। प्रतिदिन मंदिर में एक से सवा लाख रामभक्त दर्शन करने पहुंच रहे हैं। वहीं अयोध्या में आयोजित होने वाले पर्वों और मंगलवार को यह संख्या और बढ़ जाती है।

पर्यटन विभाग के आंकड़ों को देखा जाय तो 2017 में जबसे दीपोत्सव प्रारंभ हुआ है, उसके बाद से श्रीराम की नगरी में भक्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। 2017 में कुल 1,78,57,858 श्रद्धालुओं ने रामनगरी में दर्शन-पूजन किया। इनमें 1,78,32,717 भारतीय एवं 25,141 विदेशी शामिल हैं। वहीं 2018 में 1,95,34,824 भारतीय एवं 28,335 विदेशी नागरिकों ने रामनगरी में दर्शन किया। इस प्रकार कुल मिलाकर 1,95,63,159 श्रद्धालुओं ने वर्ष 2018 में अयोध्या में दर्शन-पूजन किया।

ऐसे ही वर्ष 2019 में 2,04,63,403 भारतीय एवं 28,331 विदेशी को मिलाकर कुल 2,04,91,724 श्रद्धालुओं ने अयोध्या में दर्शन किया। वर्ष 2020 में कोरोना के कारण श्रद्धालुओं की संख्या में कमी देखने को मिली और 61,93,537 भारतीय एवं 2,611 विदेशी मिलाकर कुल 61,96,148 श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। वहीं वर्ष 2021 में 1,57,43,359 भारतीय एवं 431 विदेशी पर्यटकों ने अयोध्या में दर्शन पूजन किया।

2021 में कुल 1,57,43,790 श्रद्धालु अयोध्या दर्शन के लिए आए। इसी क्रम में वर्ष 2022 में 2,21,12,402 भारतीय एवं 26,403 विदेशी पर्यटक अयोध्या पहुंचे। कुल मिलाकर 2,21,38,805 श्रद्धालु 2022 में अयोध्या दर्शन के लिए यहां पहुंचे। वर्ष 2023 में यह संख्या बहुत तेजी से बढ़ी है। 2023 में वर्ष भर में कुल 5,75,15,423 श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे। इनमें 5,75,07,005 भारतीय श्रद्धालु व 8418 विदेशी श्रद्धालु शामिल रहे। ऐसा माना जा रहा है कि वर्ष 2024 में अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या इतनी तेजी से बढ़ी है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद से 20 मार्च के बीच 1 करोड़ 12 लाख श्रद्धालु रामलला का दर्शन कर चुके हैं।

ऐसा नहीं है कि अयोध्या आने वाले भारतीय श्रद्धालुओं की ही संख्या में बढ़ोतरी हुई है। राम लला का दर्शन करने के लिए यहां आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ से अयोध्या में रोजी-रोजगार में भी तेजी से वृद्धि भी होने लगी है। पहले सूने रहने वाले दुकानों में अब ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। खान-पान, होटल-रेस्टोरेंट, सजावटी सामानों की दुकानों पर सैलानियों की भीड़ अब आम हो चली है। लोगों का मानना है कि 22 जनवरी को जबसे रामलला विराजमान हुए हैं, यहां देश भर से आने वाले श्रद्धालुओं व विदेशी पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है। इसे लेकर प्रदेश की योगी सरकार तेजी से अयोध्या का विकास करने में लगी है। अयोध्या को फोर लेन व सिक्स लेन सड़कों से जोड़ा जा रहा है। विश्वस्तरीय हवाई अड्डा व रेलवे स्टेशन का निर्माण किया गया है। इसके अलावा तमाम अन्य सुविधाएं भी अयोध्या में विकसित की जा रही हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 22 मार्च, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

तेलंगाना में चुनाव से पहले तलाशी के दौरान 10 करोड़ रुपए की नकदी जब्त

बिना लाइसेंस के हथियार, विस्फोटक, जिलेटिन की छड़ें और सोना भी बरामद
मुख्य सचिव शांति कुमारी ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना पुलिस ने राज्य में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले अब तक 10 करोड़ रुपये नकद जब्त किए हैं, जबकि हैदराबाद में पुलिस विभाग के कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को सीसीटीवी के जरिए शराब के परिवहन पर नजर रखने का निर्देश दिया गया है।

पुलिस ने अब तक की तलाशी के दौरान बिना लाइसेंस के हथियार, विस्फोटक, जिलेटिन की छड़ें और सोना भी जब्त किया है। आदर्श आचार संहिता के क्रियान्वयन को लेकर मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ की गयी बैठक में यह बात सामने आई। मुख्य सचिव ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समन्वय बनाकर काम करने को कहा। इस बैठक में पुलिस, उत्पाद शुल्क, वाणिज्यिक कर, वन, राजस्व, परिवहन एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा कि वे आगामी लोकसभा चुनाव में भी उसी भावना से और अधिक कुशलता से काम करें जैसा

उन्होंने हाल ही में हुए विधान सभा चुनाव में किया था। अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती राज्यों पर विशेष चेक पोस्ट स्थापित करने के अलावा, पड़ोसी राज्यों के चेक पोस्ट के साथ समन्वय करके प्रभावी निगरानी बढ़ा दी गई है। चुनाव के संचालन और आचार संहिता के कार्यान्वयन के लिए सभी प्रमुख विभागों द्वारा विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं।

राज्य में विभिन्न विभागों द्वारा चेक पोस्ट स्थापित किये गये हैं। इनमें पुलिस विभाग की 444 चेक पोस्ट और नौ अंतरराज्यीय चेक पोस्ट हैं। परिवहन विभाग द्वारा 15 चेक पोस्ट एवं 52 प्रवर्तन दल गठित किये गये हैं। ये चेक पोस्ट चौबीसों घंटे काम करेंगे। परिवहन विभाग की टीमों द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान 34.31 लाख रुपये जब्त किए गए। वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा सोलह अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट स्थापित किये गये हैं तथा 31 रणनीतिक बिंदुओं पर विशेष निगरानी की जा रही है। इसके अतिरिक्त 25 गोदामों की पहचान की गई है जहां मतदाताओं को लुभाने के लिए मुफ्त सामान बांटने की संभावना है और उन पर विशेष निगरानी रखी गई है। कुल 141 विनिर्माण गोदामों और 912 व्यापारिक गोदामों को भी निगरानी में रखा गया है।इसी प्रकार, उत्पाद विभाग द्वारा 21 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट और छह मोबाइल चेक पोस्ट स्थापित किए गए हैं और आठ जिलों की पहचान की गई है जहां अवैध शराब निर्माण की संभावना है। पांच रेलवे लाइनों जहां शराब के अवैध परिवहन की संभावना है, की पहचान की गई है और उन्हें रोकने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। अब तक 50 लाख रुपये की शराब जब्त की जा चुकी है. इसी तरह, राज्य की सभी शराब भट्टियों पर विशेष निगरानी रखी गई है और शराब भट्टियों के माध्यम से शराब की आपूर्ति पर नजर रखने के लिए सीसीटीवी लगाए गए हैं। वन विभाग द्वारा 65 चेक पोस्ट भी स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 18 अंतरराज्यीय चेक पोस्ट हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में आचार संहिता को सख्ती से लागू करने के लिए सभी सरकारी विभाग समन्वय से काम कर रहे हैं। बैठक में डीजीपी रवि गुप्ता, विशेष मुख्य सचिव आबकारी एवं वाणिज्यिक कर सुनील शर्मा, पीसीसीएफ डोबरियाल, गृह विभाग के प्रमुख सचिव जितेंद्र, अतिरिक्त महानिदेशक एस.के. जैन, परिवहन सचिव श्रीनिवास राजू, वाणिज्यिक कर आयुक्त टी.के. श्रीदेवी, उत्पाद शुल्क आयुक्त श्रीधर, विशेष सूचना एवं संचार आयुक्त हनुमंत राव और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क गुरुवार को हैदराबाद राजभवन में तेलंगाना के नए राज्यपाल राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट करते हुए।

पटनचेरु के पास सड़क दुर्घटना में एक की मौत, तीन घायल

संगारेड्डी, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पटनचेरु पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटी के पास एक तेज रफ्तार कार ने एक लॉरी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान वनस्थलीपुरम निवासी गिरि (50) के रूप में हुई है। जबकि घायलों की पहचान श्याम शमसुंदर गौड़ (45), दत्तात्रेय (44) और सुधाकर (45) हैं थे। घटना के समय वे सदाशिवपेट की ओर जा रहे थे।

फोन टैपिंग मामला: तेलंगाना हाई कोर्ट ने निलंबित खुफिया अधिकारी की याचिका की खारिज

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को निलंबित खुफिया अधिकारी डी. प्रणीत राव की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने फोन टैपिंग मामले में उन्हें पुलिस हिरासत में सौंपने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। विशेष खुफिया शाखा (एसआईबी) के पूर्व पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) प्रणीत राव से विशेष जांच दल उन आरोपों के बारे में पूछताछ कर रहा है कि उन्होंने 2023 से पहले विपक्षी नेताओं के फोन टैप किए थे।

एक निचली अदालत ने पिछले हफ्ते उन्हें सात दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। आदेश को चुनौती देते हुए और शिकायत करते हुए कि उनसे चौबीसों घंटे पूछताछ की जा रही है, निलंबित डीएसपी ने आपराधिक पुनरीक्षण याचिका का ज्ञापन दायर किया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान सरकारी वकील पी. नागेश्वर राव ने अदालत से कहा था कि निचली अदालत के आदेश के मुताबिक प्रणीत राव से पूछताछ की जा रही है। हाई कोर्ट को यह भी बताया गया कि जिस थाने में उनसे पूछताछ की जा रही है, वहां सभी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता अपने वकील के फोन से अपने माता-पिता से बात कर रहा है। न्यायमूर्ति राधा रामी ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं और गुरुवार को आदेश सुनाया। नामपल्ली क्रिमिनल कोर्ट ने पिछले हफ्ते प्रणीत राव को फोन टैपिंग मुद्दे के अलावा विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से खुफिया जानकारी मिटाने में उनकी कथित भूमिका के लिए आगे की जांच के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

विधानसभा चुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की हार के बाद 50 हार्ड डिस्क को नष्ट कर डेटा मिटाने के आरोप में अधिकारी को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें निलंबित कर दिया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया। प्रणीत राव ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि उन्होंने तत्कालीन एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव के आदेश पर काम किया। 3 दिसंबर, 2023 को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद, प्रणीत राव ने सीसीटीवी काट दिए, डेटा मिटा दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को नष्ट कर दिया। एसआईबी एक माओवादी विरोधी खुफिया इकाई है लेकिन प्रणीत राव को कथित तौर पर 10 सदस्यीय टीम के साथ राजनीतिक खुफिया जानकारी इकट्ठा करने का काम सौंपा गया था। वह कथित तौर पर विपक्षी नेताओं पर नजर रख रहा था और प्रभाकर राव को सीधे रिपोर्ट कर रहा था। तत्कालीन मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के करीबी माने जाने वाले प्रभाकर राव ने कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। प्रणीत राव की गिरफ्तारी 10 मार्च को एसआईबी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डी. रमेश की शिकायत के बाद की गई थी, जिसमें व्यक्तियों की गुप्त निगरानी, आधिकारिक रिकॉर्ड तक अनधिकृत पहुंच और खुफिया जानकारी के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया था।

रेल यात्री अब सामान्य काउंटरों पर क्यूआर कोड के माध्यम से खरीद सकते हैं टिकट

दमरे के सामान्य बुकिंग काउंटरों के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद अब क्यूआर कोड सुविधा के साथ शुरू
सिकंदराबाद डिवीजन के अधिकार क्षेत्र में 14 स्टेशनों में फैले 31 काउंटरों पर शुरू हुई यह सुविधा

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दक्षिण मध्य रेलवे व्यवसाय करने में आसानी बढ़ाने और मौद्रिक लेनदेन में सुविधा प्रदान करने के लिए डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित कर रहा है। कैशलेस लेनदेन को और अधिक प्रोत्साहित करने और सामान्य बुकिंग काउंटरों पर भी डिजिटल भुगतान बढ़ाने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे ने टिकट खरीदने के लिए क्यूआर (क्विक रिस्पांस) कोड के माध्यम से टिकट किराया भुगतान की एक अतिरिक्त सुविधा शुरू की है। इससे तुरंत जनरल टिकट खरीदने के अलावा नकदी ले जाने और पैसे बदलने की जरूरत खत्म हो जाएगी। प्रारंभिक चरण में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में यह सुविधा दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन के 14 स्टेशनों में स्थित 31 काउंटरों पर लागू की जा रही है।

महत्वपूर्ण स्टेशनों के सामान्य बुकिंग काउंटरों पर टिकट खिड़की के ठीक बाहर किराया रिपीटर्स उपलब्ध कराए गए हैं, जो टिकट जारी करने वाले क्लर्क द्वारा दर्ज किए गए महत्वपूर्ण विवरण प्रदर्शित करते हैं। अधिक सटीकता और पारदर्शिता के लिए टिकट खरीदने वाले यात्री द्वारा इन विवरणों की जांच की जा सकती है। विवरण में आम तौर पर स्टेशन से स्टेशन तक, कक्षा, वयस्कों/बच्चों की संख्या, किराया आदि शामिल होता है।

इसके अलावा अब, त्वरित प्रतिक्रिया (क्यूआर) कोड जो किराए की गणना के बाद उत्पन्न होता है, किराया रिपीटर्स में प्रदर्शित किया जाएगा और इसे यात्री मोबाइल फोन में मौजूद भुगतान ऐप्स के माध्यम से स्कैन कर सकता है। राशि की प्राप्ति की पुष्टि के बाद टिकट तैयार किया जाएगा और यात्री को जारी किया जाएगा।

रेल उपयोगकर्ताओं के लिए कैशलेस लेनदेन की यह सुविधा शुरू में सिकंदराबाद डिवीजन के 14 महत्वपूर्ण स्टेशनों, सिकंदराबाद, हैदराबाद, काजीपेट, बेगमपेट, वारंगल, मंचिर्याल, लिंगमपल्ली, हाईटेक सिटी, जेम्स स्ट्रीट, महबुबाबाद, बेल्लमपल्ली, फतहनगर ब्रिज, सिरपुर कागजनगर और विकाराबाद में फैले 31 काउंटरों पर लागू की गई है।

अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक एससीआर ने सामान्य काउंटरों पर टिकट खरीदने के लिए यात्रियों के लाभ के लिए एक और डिजिटल भुगतान विकल्प शुरू करने के लिए वाणिज्यिक और तकनीकी कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने सभी रेल उपयोगकर्ताओं से सामान्य टिकट खरीदने के लिए इस अवसर का उपयोग करने की अपील की, जिससे उन्हें सटीक परिवर्तन करने में काफी मदद मिलेगी और मुद्रा को संभालने में राहत मिलेगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद में बुधवार को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में डॉ. राजनारायण अवस्थी, प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं विकास- राजभाषा), कॉर्पोरेट लर्निंग एवं डेवलपमेंट सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, हैदराबाद को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में आमंत्रित अतिथि वक्ता का परिचय एवं कार्यशाला का संचालन हिन्दी प्रकोष्ठ के नवीन श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यशाला का विषय राजभाषा कार्यान्वयन तथा टिप्पण एवं मसौदा लेखन रखा गया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में संस्थान के कुलसचिव वी. वेंकट राव ने प्रतिभागियों को हिन्दी में कार्य करने की आवश्यकता पर जोर दिया। द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. राजनारायण अवस्थी द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति अपने कर्तव्यों एवं दायित्वों के प्रति सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया और टिप्पण एवं मसौदा लेखन विषय पर सरल ढंग से राजभाषा हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया। अतिथि वक्ता डॉ. राजनारायण अवस्थी को हिन्दी प्रकोष्ठ के संकाय प्रभारी डॉ. अनुपम गुप्ता की उपस्थिति में प्रो. मनीष कुमार निरंजन द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया।

लक्ष्य तक पहुंचने के लिए परिश्रम और दृढ़ता जरूरी : एनवीएस रेड्डी

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विद्यार्थियों के वार्षिक विज्ञान और संस्कृति के संयुक्त उत्सव का उद्घाटन गुरुवार को हैदराबाद मेट्रो रेल (एचएमआर) के प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी द्वारा सीएसआईआर-आईआईसीटी में किया गया। उद्घाटन के मुख्य अतिथि श्री रेड्डी ने दो सम्मानित अतिथियों प्रो. अजय धर (एसोसिएट डायरेक्टर, एसीएसआईआर) और डॉ. भानु मंजूनाथ (निदेशक, सिंजेंटा बायोसाइंसेज) के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, श्री रेड्डी ने सफल हैदराबाद मेट्रो रेल की उत्पत्ति और निर्माण का प्रेरक विवरण दिया।

उन्होंने अपील की कि अगली पीढ़ी को न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता हासिल करने के लिए बल्कि देश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक ले जाने के लिए अपने काम में जुनून और प्रतिबद्धता दिखानी चाहिए। इस अवसर पर बोलते हुए प्रोफेसर धर ने सीएसआईआर-आईआईसीटी में छात्रों की वैज्ञानिक उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के छात्र उत्सव कार्य-जीवन संतुलन सिखाने में काफी मददगार साबित होते हैं। डॉ. मंजूनाथ ने छात्र समुदाय से विज्ञान करने से आगे बढ़ने और भविष्य में विज्ञान के उद्धारकर्ता और चालक बनने का आग्रह किया।

छात्रों के साथ अत्यधिक जानकारीपूर्ण बातचीत में उन्होंने उनसे एक सफल शोध करियर के लिए आवश्यक कौशल सेटों के बारे में जागरूक रहने का आग्रह किया।

सीएसआईआर-आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी ने अपने स्वागत भाषण में दर्शकों को सीएसआईआर-आईआईसीटी की रसायन विज्ञान अनुसंधान की आठ दशक की विरासत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने संयुक्त 2024 के एक भाग के रूप में आयोजित पोस्टर दिवस पर संस्थान को शहर के कॉलेजों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया पर भी संतोष व्यक्त किया।

पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अधीनस्थ कार्यरत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद ने गुरुवार को राधा इंस्टीट्यूट फॉर मेंटली चैलेंज्ड, कोथापेट में स्वास्थ्यपूर्ण भोजन एवं उत्तम व्यक्तिगत स्वच्छता के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एनआईआईएमएच के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जीपी प्रसाद के विशेष मार्गदर्शन में किया गया। इस पहल से कुल मिलाकर लगभग पचास छात्रों तथा संस्थान के शिक्षकों एवं कर्मचारीयों को लाभ हुआ। उनसे बातचीत करते हुए डॉ. संतोष माने अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने आयुर्वेद में वर्णित आहार के कितपय मूल सिद्धांतों और निरोगी एवं स्वास्थ्यपूर्ण जीवन ज्ञापन में उनका दैनंदिन जीवन में किस प्रकार समावेश हो सकता है इसके बारे में अवगत कराया। साथ ही कर्मचारियों और छात्रों को फल, जवार के लड्डू और सूचना, शिक्षा एवं संचार (आईईसी) सामग्री का वितरण किया गया। श्रीनिवास राव, एलआईएए द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव रखा गया, जिन्होंने कर्मचारियों और छात्रों के साथ साथ जी रवि बाबू, फोटोग्राफर के सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

सिकंदराबाद-हैदराबाद के काचीगुडा रेलवे स्टेशन, गणेश मंदिर के पास, वायसरॉय गार्डन सिकंदराबाद, लोअर टैंकबंड गौशाला, हैदरगुडा, ओल्ड एमएलए क्वार्टर्स आदि विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों एवं छोटे कारोबारियों में कपड़े की छतरियों का वितरण किया गया। जियो और जीने दो, वर्षा संरक्षण, पेड़ बचाओ एवं कपड़े की थैली का इस्तेमाल कर शुद्ध वातावरण को प्रचारित करना है।

काचीगुड़ा स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम महोत्सव के अंतर्गत श्री श्याम सत्संग समिति द्वारा आयोजित भजन संध्या में हरमिन्दर सिंह रोमी एवं सुनील शर्मा ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। अवसर पर उपस्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के इंद्रकरण अग्रवाल, धर्माधिकारी जयशंकर बालगोपाल, रामदेव अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, नरसिंग जायसवाल, संतोष अग्रवाल, अशोक डाकोतिया, पवन गुरु, सूर्यकमल गुप्ता, अजय अग्रवाल व अन्य।

गौरक्षकों ने 24 गोवंश को कटने से बचाया

हैदराबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

दूसरे राज्यों से हैदराबाद में काटने के मकसद से अवैध रूप से गाड़ियों में भरकर लाए जा रहे गोवंश को गौरक्षा दल तेलंगाना एवं गोरक्षा दल टाइगर फोर्स के कार्यकर्ता गाय बचाओ के विशेष अभियान में किसी भी हद तक गायों को कटने से बचा रहे हैं। गुरुवार को एक गाड़ी में भरी कुल 24 गायों को उप्पल पुलिस की सहायता से कटने से बचाया गया। गाड़ियों में भरे अवैध गोवंश को हैदराबाद के कत्लखाने में ले जाया जा रहा था। पकड़ी गई गाड़ी में से उप्पल पुलिस ने मौजूद 24 गोवंश को बचाकर गायों को जीवन दान दिया है। गोवंश को वहां की पुलिस की सहायता से श्री समर्थ कामधेनु गौशाला जियागुड़ा के प्रभु दत्त जी महाराज के सानिध्य में सुरक्षित छोड़ा गया। यह जानकारी राष्ट्रीय गौरक्षा दल के महासचिव एवं टीटीडी गौ संरक्षक कोटी श्रीधर ने दी। उन्होंने बताया कि गौरक्षा के इस महा अभियान में गोरक्षादल तेलंगाना के अध्यक्ष कालू सिंह, गौ रक्षा दल टाइगर फोर्स के अध्यक्ष दीपक सिंह, बजरंग दल के ऊपल जिला कन्वीनर सुनील नायक, गौज्ञान फाऊंडेशन नितेश विजय वर्गीय, युग तुलसी फाउंडेशन के के शिव कुमार, बीजेपी तुक्कुगुड़ा काउंसलर यादगिरी अन्ना, रविंदर गौड, डॉ.इरम पुरणाम शांति गुप्ता, गौरक्षा दल तेलंगाना के जनरल सेक्रेटरी पवन रेड्डी, गौरक्षा दल सिटी प्रेसिडेंट शंकर यादव, बड़ी उपल बीजएम प्रेसिडेंट हरीश यादव, जूनियर पवन, केदार सिंह, बन्नी, प्रवीण, विष्णु, मोहन यादव, सरवन रेड्डी ,आयुष ,अनिल, साईं ,चंदू, शंभू, लोकेश, शाही ,अभिषेक ,सतीश सिंह, कोटी मयूरेश , प्रणीत, सोनू सिंह, बिरला सहित अन्य गौ रक्षक मौजूद थे ।

पत्रकार मांग दिवस कल, सफल बनाने का आह्वान

आसिफाबाद, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

केंद्र सरकार द्वारा पत्रकारों के हितों की अनदेखी करने व मीडिया क्षेत्र को कमजोर करने के रवैये के विरोध में शनिवार, दि. 23 मार्च को शहीद भगत सिंह की पुण्य तिथि पर जिला समाहरणालय के समक्ष धरना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। भारतीय पत्रकार संघ (आईजेयू) द्वारा देशभर में पत्रकार मांग दिवस के अवसर पर यह बात कही गई। उक्त प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के टीडब्ल्यूजे जिला अध्यक्ष अब्दुल रहमान ने कही। गुरुवार को जिला केंद्र में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने मांग की कि मीडिया आयोग को संवैधानिक बनाया जाना चाहिए और सरकार को मीडिया संगठनों और पत्रकारों की सुरक्षा और मीडिया की स्वतंत्रता के लिए तुरंत एक विशेष कानून लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुबह 10 बजे जिला समाहरणालय के समक्ष धरना कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

जिले के पत्रकारों से बड़ी संख्या में एकत्रित होकर जीत दिखाने को कहा गया है। राजनीतिक दलों और सार्वजनिक संगठनों से पत्रकार मांग दिवस का समर्थन करने को कहा गया है। इस कार्यक्रम में जिला मान्यता समिति के सदस्य प्रकाश गौड़, टीडब्ल्यूजे जिला नेता हरिकृष्ण, राधाकृष्ण चारी, ईरला सतीश कुमार, रतन कुमार और अन्य ने भाग लिया।

कापूवाड़ा में श्री एल्लाम्मा रेणुका माता नल्ला पोचम्मा माता की मूर्ति स्थापित

सिरपुर कागजनगर, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

कोमुरामभीम जिला काग़ज़नगर के कपुवाड़ा कॉलोनी के निवासियों, गौड़ा संघ के सदस्यों एवं अन्य निवासियों द्वारा गुरुवार को जिले के कागजनगर शहर में नवनिर्मित मंदिर में श्री एल्लाम्मा रेनुका माता -नल्ला पोचम्मा माता की मूर्ति एक भव्य समारोह के दौरान स्थापित गई एवं विशेष पूजा की गई। इस अवसर पर, स्थानीय वार्ड पार्षद पीरसिंगुला जयचंदर ने कहा कि मुझे श्री एल्लाम्मा रेणुकामाथा-नल्ला पोचम्मा की मूर्ति स्थापित करने का सौभाग्य मिला जिसके लिए मैं सभी कापुवाड़ा कॉलोनीवासियों एवं कोनेरू परिवार का आभारी रहूंगा।उन्होंने कहा कि श्री एल्लाम्मा रेनुकामाता-नल्ला पोचम्मा मां से प्रार्थना करता हूं कि वह हमेशा कापुवाड़ा कॉलोनी निवासियों पर अपनी कृपा बरसायें एवं आशीर्वाद प्रदान करती रहें।

दारुल अंसार ट्रस्ट द्वारा रमज़ान राशन किट वितरित

काग़ज़नगर 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)

कोमुरामभीम जिला काग़ज़नगर शहर में दारुल अंसार ट्रस्ट के तत्वावधान में ट्रस्ट के सदस्यों ने अल्पसंख्यक समारोह भवन में रमजान राशन किट वितरित किये। इस मौके पर कागजनगर के मुख्य सचिव मुफखम अहमद ने कहा कि 18 स्वयंसेवकों ने बुधवार को फज्र की नमाज के बाद विभिन्न वार्डों में सर्वेक्षण किया, जिसमें 170 लोगों को 500 रुपये नकद और चावल राशन किट दिए गए। उन्होंने बताया कि वृद्ध महिलाओं और विधवाओं को राशन किट के साथ 200 रुपये दिए गए। कुल मिलाकर 36,000 रुपये मूल्य की 1 लाख राशन किट और 1 लाख रुपये नकद वितरित किए गए। ट्रस्ट के संयुक्त सचिव हफीज रियाज ने अपनी ओर से 20 राशन किट सौंपे।

उक्त कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष अब्दुल रहीम मलनास, ट्रस्ट के उपाध्यक्ष अब्दुल शाकिर, सदस्य अब्दुल मुकीम, मुस्तैद अली, नसीर, तय्यब बिन ईसा, अब्दुल सत्तार, अफरोज, शाहनवाज, अवेज़, शादाब, नदीम, फरहान अमीर, अजमूफ, फरीद, सर्वे समेत अन्य ने भाग लिया।

खोये हुए सेलफोन सौंपे गए

काग़ज़नगर, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

कोमुरमभीम जिला काग़ज़नगर मंडल के इसगांव विलेज नंबर 13 निवासी प्रताप सरकार का रियल मी मोबाइल, पेंचिकलपेट निवासी किरण पोको को मोबाइल और कागजनगर निवासी सिद्धार्थ विवो का माबाइल इसगांव पुलिस थाना के अंतर्गत खो गया था, जिसकी शिकायत दर्ज कराई गइ थी। पुलिस ने इसे सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से ट्रेस किया और पीड़ितों को उनके सेलफोन सौंप दिये गये। इस अवसर पर इसगांव एसआई रमन कुमार ने कहा कि यदि किसी का भी मोबाइल खो गया है या चोरी हो गया है, वह तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराता है, तो मोबाइल का पता लगाने की अधिक संभावना होती है । मोबाइलों को ट्रेस करने में पुलिस कांस्टेबल नईम को विशेष रूप से बधाई दी गई। इस अवसर पर एएसआई हीरामन आदि शामिल थे।

होली उत्सव समिति बोवेनपल्ली की बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि समिति के तत्वावधान में 24 मार्च को सुबह 9 बजे ठंडी होली की पूजा की जाएगी। तत्पश्चात रात्रि 11.15 बजे होली दहन किया जाएगा। अवसर पर दुर्गाप्रसाद बंसल, गनपत पटेल, हरीश, अनिल अग्रवाल, नन्हें यादव आदि उपस्थित थे।

गर्मियों की समस्याओं से निपटने को अफसरों ने की बैठक

तानूर, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

तानूर मंडल केंद्र के मंडल विकास कार्यालय में गुरूवार को अधिकारीयों ने ग्रीष्म काल को लेकर पंचायत कार्यदर्शियों वे एएनएम के साथ बैठक क़ी।

उक्त बैठक में तानूर प्रथमिक चिकित्सालय के डॉ. राम्या उपस्थित रहेकेर ग्राम पंचायत कार्यदर्शीयों को तथा चिकित्सालय के एएनएम को कहा कि ग्रीष्मकाल को लेकर निर्मल ज़िले मे दिन ब दिन तापमान बढ़ता जा रहा है, मंडल स्थाई ग्राम पंचायत से सम्बंधित प्रति अधिकारी हर रोज अपने अपने क्षेत्र में उपस्थित रहकर तापमान के बारे में जानकारी देते रहें।

इस अवसर पर मंडल विकास इंचार्ज अधिकारी मोहन सिंह, चिकित्सालय सुप्रींटेंडेन्ट अब्बा, मंडल क्षेत्र के ग्राम पंचायत कार्यदर्शी, चिकत्सालय के एएनएम आदि उपस्थित थे।

पूर्व विधायक ने थामा कांग्रेस का दामन

तानूर, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

मुधोल निर्वाचन क्षेत्र के पूर्व विधायक गड्डीगारी विट्ठल रेड्डी बीआरएस छोड़कर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने गुरूवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के समक्ष मंत्रि सीतक्का मंत्री कोमटीरेड्डी वेंकटरेड्डी के उपस्थित में कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। पूर्व विधायक जी. विट्ठल रेड्डी का कांग्रेस पार्टी में शामिल होने पर सीएम रेवंत रेड्डी ने शाल डालकर स्वागत किया। तत्पश्चात विट्ठल रेड्डी ने कहा कि वह घर वापसी कर खुश हैं। उन्होंने आगामी संसदीय चुनाव में पार्टी की जीत के लिए काम करने का आश्वाशन दिया। इस अवसर पर खानापुर विधायक आदि भी उपस्थित थे।

वार्षिक ब्रह्मोत्सव के अंतिम दिन अष्टोत्तर शतघटाभिषेक का आयोजन

यादगीरी गुट्टा, 21 मार्च (शुभ लाभ ब्युरो)।

यदागिरिगुट्टा श्री लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी का ब्रह्मोत्सव स्वस्तिवाचन के साथ शुरू हुआ और गुरुवार को अंतिम दिन उद्यम प्रधानालयम मंदिर के पुजारियों ने स्वयंभू श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के लिए अष्टोत्तर शतघटाभिषेकम आयोजित किया। अलाया पुजारियों ने 108 कलशों से स्वामी का अभिषेक किया। सबसे पहले, नित्य पूजा तिरुवर्धन, सामूहिक विष्णु-सहस्रनाम पाठ, मूलम मंत्र जप और नित्याहवन किया गया। तत्-पश्चात लक्ष्मीनरसिम्हा स्वामी ने 108 कलश नदी जल से उनका अभिषेक किया गया। स्वामी के अभिषेक पूजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

भाजपा ने जिन नेताओं के टिकट काटे उन्हें थमाई बड़ी जिम्मेदारी

प्रवेश वर्मा-सतीश पूनिया को बनाया सह प्रभारी

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।
भाजपा ने जब उत्तर पश्चिमी दिल्ली की सीट से वर्तमान सांसद प्रवेश वर्मा का टिकट काटा था, तब दिल्ली के सियासी गलियारों में हलचल मच गई थी। पार्टी के इस निर्णय को लेकर लोग हतप्रभ थे क्योंकि प्रवेश वर्मा की जीत भी लगभग पक्की मानी जा रही थी। लेकिन सीट काटने के बाद भी भाजपा ने अपने इस मजबूत जाट नेता पर दोबारा विश्वास जताया है। उन्हें राजस्थान में चुनाव सहप्रभारी बनाकर पार्टी ने उनकी क्षमताओं का लाभ उठाने का निर्णय किया है। डॉ. विनय सहस्रबुद्धे को राजस्थान का चुनाव प्रभारी बनाया गया है, जबकि विजया रहाटकर को उनके सहयोगी के रूप में राजस्थान में चुनाव सह प्रभारी के रूप में नई जिम्मेदारी दी गई है। राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया भी जाट समुदाय से आते हैं। जब भाजपा ने उन्हें गुजरात विधानसभा चुनाव में लगभग 40 सीटों पर प्रभारी बनाकर बड़ी जिम्मेदारी सौंपी थी, सतीश पूनिया ने 35 से ज्यादा सीटों पर जीत दिलाकर पार्टी को बढ़त बनाने में मदद की थी।

इस बार उन्हें हरियाणा का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। सुरेंद्र सिंह नागर उनके साथ हरियाणा के चुनाव सह प्रभारी की जिम्मेदारी निभाएंगे। पार्टी के महासचिव अरुण सिंह को आंध्र प्रदेश का चुनाव प्रभारी और सिद्दार्थनाथ सिंह को चुनाव सह प्रभारी बनाया गया है।

एसबीआई ने चुनावी बॉन्ड की सभी जानकारियां चुनाव आयोग को सौंपी

सुप्रीम कोर्ट को बताया कि हर बॉन्ड का सीरियल नंबर भी दिया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।
भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में बताया कि उसने चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी सारी जानकारी सौंप दी है। एसबीआई ने कहा कि नई जानकारी में बॉन्ड्स के सीरियल नंबर भी शामिल हैं। पिछली बार इनकी जानकारी नहीं होने पर सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई के चेयरमैन को फटकार लगाई थी। 18 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को आदेश दिया था कि 21 मार्च की शाम 5 बजे तक हर बॉन्ड का अल्फान्यूमेरिक नंबर और सीरियल नंबर, खरीद की तारीख और राशि सहित सभी जानकारियां दें। बैंक ने दोपहर 3.30 बजे ही कोर्ट में एफिडेविट दाखिल कर दिया। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने एफिडेविट में यह भी लिखा कि बैंक अकाउंट नंबर और केवाईसी के अलावा कोई भी डिटेल नहीं रोकी गई है। सुरक्षा कारणों के चलते चंदा देने वालों और राजनीतिक दलों के केवाईसी नंबर सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।सीजेआई चंद्रचूड़ की बेंच ने कहा कि एसबीआई जानकारियों का खुलासा करते वक्त सिलेक्टिव नहीं हो सकता।

इसके लिए आप हमारे आदेश का इंतजार न करें। एसबीआई चाहती है हम ही उसे बताएं किसका खुलासा करना है, तब वे बताएंगे। ये रवैया सही नहीं है।

इससे पहले बेंच ने 11 मार्च के फैसले में एसबीआई को बॉन्ड की पूरी डिटेल देने का निर्देश दिया था। हालांकि, एसबीआई ने सिर्फ बॉन्ड खरीदने और कैश कराने वालों की जानकारी दी। इस बात का खुलासा नहीं किया गया था कि किस डोनर ने किस राजनीतिक पार्टी को कितना चंदा दिया। इसके बाद कोर्ट ने 16 मार्च को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) को नोटिस देकर 18 मार्च तक जवाब मांगा था।

दरअसल, भारतीय स्टेट बैंक ने 2018 में योजना की शुरुआत के बाद से 30 किस्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड जारी किए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को 12 अप्रैल 2019 से खरीदे गए चुनावी बॉन्ड की जानकारी निर्वाचन आयोग को सौंपने का निर्देश दिया था। एसबीआई चुनावी बॉन्ड जारी करने के लिए अधिकृत वित्तीय संस्थान है।

व्हाट्सएप पर विकसित भारत संदेश भेजना बंद करे सरकार

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।
निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह विकसित भारत संपर्क के तहत व्हाट्सएप संदेश भेजना तुरंत बंद करे। दरअसल, बीते दिन बड़ी संख्या में लोगों को विकसित भारत संपर्क के तहत व्हाट्सएप संदेश भेजे गए थे। इसका मकसद सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना है। मामले की शिकायत मिलने के बाद चुनाव आयोग ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को इस संबंध में निर्देश जारी किए। चुनाव आयोग ने कहा कि यह कदम चुनाव में समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। यह आयोग की ओर से उठाए जा रहे जरूरी कदमों का हिस्सा है। आयोग ने मंत्रालय से इस मामले पर अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी है। इससे पहले मंत्रालय ने आयोग को सूचित किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पत्र के साथ जारी संदेश 16 मार्च को आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले भेजे गए थे। कुछ संदेश शायद नेटवर्क संबंधी कारणों की वजह से कुछ लोगों तक देरी से पहुंचे।

बता दें कि आयोग को कई शिकायतें मिली थीं कि आम चुनाव 2024 की घोषणा और आचार संहिता लागू होने के बावजूद सरकार की योजनाओं को बताने वाले संदेश अभी भी आम जनता के फोन पर भेजे जा रहे हैं। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने इस संदेश पर आपत्ति जताई थी। दोनों ने आयोग से कार्रवाई करने की मांग की थी।

नोहर में 10-10 हजार के इनामी अपराधी गिरफ्तार

दिनदहाड़े तहसील परिसर से चुराई थी बोलेरो गाड़ी

हनुमानगढ़,21 मार्च (एजेंसियां)।
हनुमानगढ़ की नोहर थाना पुलिस ने दस-दस हजार रुपये के इनामी दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपराधी बोलेरो चोरी के मामले में वांछित थे। नोहर पुलिस थाना प्रभारी ईश्वरानंद ने बताया कि शिवचरण रेगर निवासी मालिया ने रिपोर्ट दी थी कि वह अपनी बोलेरो गाड़ी नंबर आरजे-31 यूए- 3252 को तहसील परिसर नोहर में खड़ी कर जमीन की रजिस्ट्री के लिए तहसील कार्यालय में चला गया। कुछ देर बाद वापस आया तो गाड़ी गायब मिली।

इसी तरह निराणाराम निवासी जबरासर ने रिपोर्ट दी कि उसने अपनी बोलेरो गाड़ी नंबर आरजे-08 यूए-0171 को शिवाजी बस स्टैंड नोहर में खड़ी की थी। वापस आया तो गाड़ी गायब मिली। थाना प्रभारी के अनुसार, दोनों रिपोर्ट पर अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए गए। दोनों प्रकरणों में सफलता हासिल करते हुए सुरेन्द्र उर्फ धोलू (21) पुत्र दयाराम धानक, निवासी बरासरी पीएस नाथूसरी चौपटा हरियाणा व जयवीर (42) पुत्र श्रीचन्द जाट निवासी ख्योवाली तहसील कालांवाली पीएस ओडा जिला सिरसा को पूर्व में गिरफ्तार कर चोरीशुदा बोलेरो गाड़ियां बरामद की गई।

प्रकरणों में अन्य दो वांछित अपराधियों की दस्तयाबी के लिए पुलिस टीम की ओर से कई बार दबिश दी गई, मगर आरोपी नहीं मिले। थाना प्रभारी ईश्वरानंद के अनुसार, भरसक प्रयास के बावजूद आरोपी की दस्तयाबी नहीं होने पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दस-दस हजार रुपये का इनाम घोषित करवाया गया। नोहर कस्बे में बढ़ रही चोरी की वारदातों को मद्देनजर रखते हुए थाना स्तर पर वांछित अपराधियों की गिरफतारी के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया।

आरोपियों की पतारसी कर प्रकरण में सफलता हासिल करते हुए मंगलवार रात को बोलेरो चोरी के प्रकरणों में वांछित अपराधी अजय कुमार (21) पुत्र सुभाष चन्द्र जाट व अक्षय कुमार (24) पुत्र सुभाष चन्द्र जाट निवासी नथोर पीएस ऐलनाबाद जिला सिरसा हाल बरासरी पीएस नाथूसरी चौपटा, जिला सिरसा को गिरफ्तार करने में सफलता हाथ लगी।

केजरीवाल की गिरफ्तारी न्याय संगत: भाटिया

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को न्याय संगत बताया है।

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने गुरुवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी के समन पर उनकी जिम्मेदारी बनती थी कि वो (श्री केजरीवाल) जाए और ईडी के सवालों का जवाब दें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि ईडी ने श्री केजलीवाल को नौ समन भेजे, लेकिन श्री केजरीवाल ईडी के समक्ष उपस्थित नहीं हुए, जिसके बाद आज ईडी ने कार्रवाई की है, जो न्याय संगत भी है।

श्री भाटिया ने कहा कि ईडी ने श्री केजरीवाल को पहला समन 02 नबंवर 2023 को भेजा था। उन्होंने कहा कि श्री केजरीवाल ने शपथ ली है कि वो संविधान का पालन करेंगे उसकी सुरक्षा करेंगे। ईडी के समन पर उनकी जिम्मेदारी बनती थी कि वो जाए और ईडी के सवालों का जवाब दें।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)
सोना : 68,240/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 75,850/-
(प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

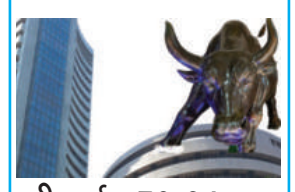

बीएसई : 72,641.19
+539.50 +0.75% ↑
एनएसई :22,011.95
172.85 (0.79%) ↑

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34°
न्यूनतम : 23°

आपा के सामने मंडरा रहा नेतृत्व संकट

केजरीवाल जेल से चलाएंगे शासन या फिर किसी और को मिलेगी कमान

नई दिल्ली, 21 मार्च (एजेंसियां)।
दिल्ली में शाम ढलते ही हाई वोल्टेज ड्रामा शुरू हो गया है। फ्लैग रोड स्थित मुख्यमंत्री निवास पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंची और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से शराब नीति मामले में पूछताछ शुरू कर दी। रात होते ही यह खबर आई की उनकी गिरफ्तारी हो गई है। इसके बाद दिल्ली सरकार के सामने नेतृत्व संकट का सवाल खड़ा हो गया। चर्चा आम हो गई कि मुख्यमंत्री जेल जाते है तो दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन होगा। इतना ही नहीं कांग्रेस के साथ गठबंधन पर भी संशय उठने लगा। कांग्रेस की लोकसभा प्रत्याशियों की सूची भी आई लेकिन उसमें दिल्ली के तीन लोकसभा सीट के उम्मीदवारों के नाम नहीं आए। हालांकि आपा ने एक हस्ताक्षर कैंपेन चलाया था, जिसमें 90 प्रतिशत लोगों ने यह कहा था कि जेल से ही मुख्यमंत्री दिल्ली का शासन संभालेंगे।

दिल्ली की सियासत में बड़ा उफान गुरुवार रात को देखने को मिला। भाजपा आम आदमी पार्टी पर पूरी तरह से हमलावर रही। कांग्रेस पार्टी ने चुप्पी साध लिया। उधर, आम आदमी पार्टी के कुछ बड़े नेता अपने मुखिया की गिरफ्तारी के बाद मुखर रहे और यहां तक बोला कि जेल से ही मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली की सत्ता संभालेंगे। आपा के कई विधायक ऊहापोह की स्थिति में रहे कि उन्हें मुख्यमंत्री निवास तक जाना है या नहीं। उन्हें अपने घरों में नजरबंद होने का भी संशय रहा। आम आदमी पार्टी में यह भी चर्चा आम रही कि अगला मुख्यमंत्री कौन होगा। सूत्रों की माने तो मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जेल में होने की वजह से मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज ही कद्दावर नेता बनकर उभरे है। वहीं यह भी कयास लगाया जा रहा है कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल भी सत्ता संभाल सकती है। हालांकि इस स्थिति में आम आदमी पार्टी के कई नेताओं में इस स्थिति में नाराजगी नहीं हो और पार्टी एकजुट रहे इसे लेकर भी सहमति बनानी होगी।

इधर, कांग्रेस पार्टी की चुप्पी से गठबंधन पर भी संशय बना हुआ है। पार्टी को यह भी डर सता रहा है कि अगर भ्रष्टाचार के मामले ज्यादा तेजी से उठते है तो प्रत्याशियों को इसका खामियाजा उठाना पड़ेगा। कार्यकर्ता भी चुनाव में गर्म जोशी के साथ चुनावी समर में नहीं उतरेंगे। गठबंधन से वैसे ही कांग्रेस का एक खेमा काफी नाराज है। दूसरी तरह कांग्रेस की नीति यह भी हो सकती है कि अपने छिटके हुए कैडर को इसी बहाने वापस कांग्रेस के पक्ष में लाया जाए।

आम आदमी पार्टी (आपा) के सामने अब चुनौती एक योग्य नेता को सामने लाने की है। जो उनकी अनुपस्थिति में दिल्ली में पार्टी और सरकार दोनों को संभाल सके। पूर्व आईआरएस अधिकारी सुनीता केजरीवाल के अलावा आतिशी और सौरभ भारद्वाज की भी दावेदारी हो सकती है। आतिशी दिल्ली सरकार में शिक्षा, वित्त, पीडब्ल्यूडी, राजस्व और सेवाओं सहित सबसे अधिक विभाग हैं। केजरीवाल की करीबी भी माना जाता है। भाजपा पर हमलावर भी रही हैं। भारद्वाज दिल्ली मंत्रिमंडल के एक प्रमुख सदस्य हैं, जिनके पास स्वास्थ्य और शहरी विकास सहित कई महत्वपूर्ण विभाग हैं। वह, भी, पार्टी का एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अक्सर पार्टी और उसके नेताओं का बचाव करने और केंद्र में भाजपा और उसकी सरकार को राजनीतिक मुद्दों पर जवाबी हमला करने में लगे रहते हैं।

आपा नेता कुमार गौतम का कहना है कि पिछले साल दिसंबर में, आपा ने एक हस्ताक्षर कैंपेन चलाया गया था। मैं भी केजरीवाल जिसमें लोगों से पूछा गया कि क्या उन्हें दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देना चाहिए या गिरफ्तार होने पर जेल से सरकार चलानी चाहिए। अभियान के दौरान 90 प्रतिशत लोगों की राय थी कि केजरीवाल के पास ही दिल्ली का जनादेश है। चुने हुए मुख्यमंत्री है।

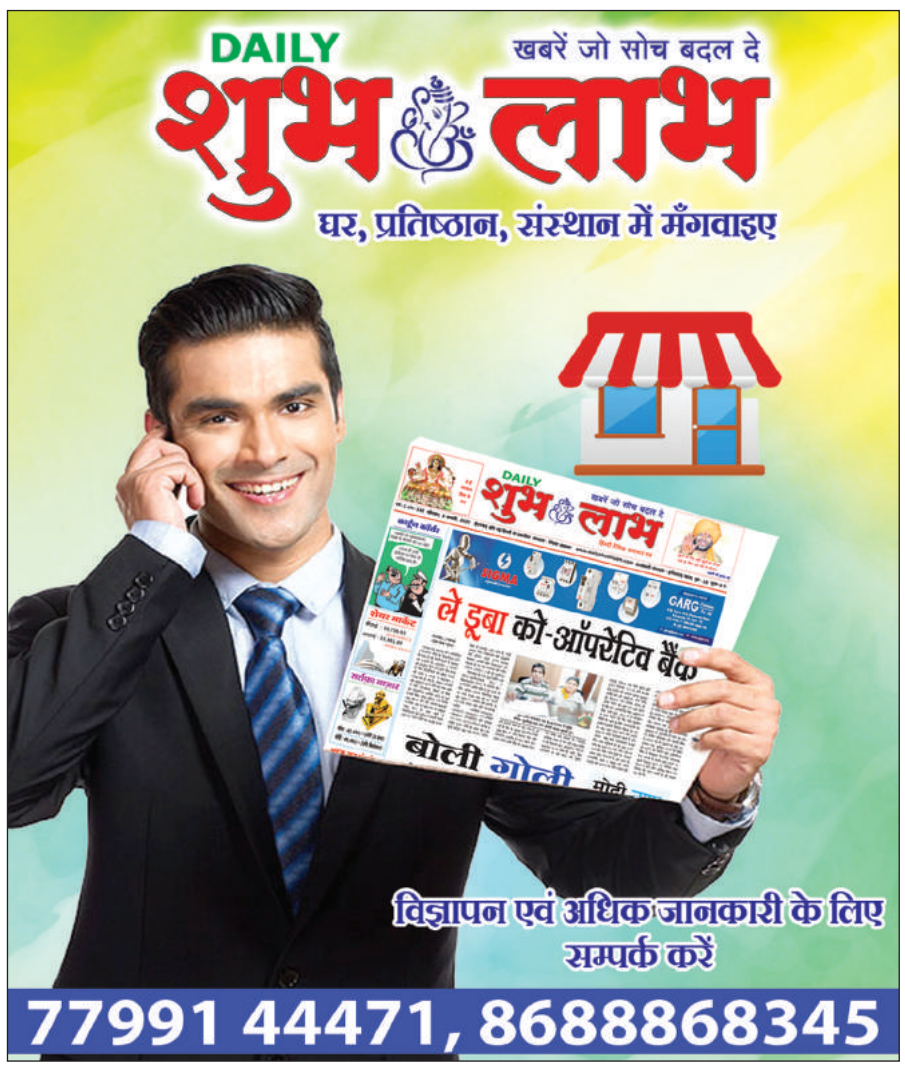

कांग्रेस ने आदिवासियों को वोट बैंक के रूप में किया इस्तेमाल - साय

सुकमा, 21 मार्च (एजेंसियां)।
छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आरोप लगाया हैं कि कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया। वोट बैंक के रूप में आदिवासियों के वोट लेते रहे लेकिन आदिवासियों का विकास नहीं हुआ। श्री साय ने आज बस्तर में भाजपा के चुनाव प्रचार का शुभारंभ करते हुए कहा कि बस्तर और सरगुजा हमारी सरकार के विशेष फोकस में रहेगा। बस्तर क्षेत्र का और छत्तीसगढ़ का विकास अगर किसी ने किया है तो भाजपा की सरकार ने किया है। श्री साय ने कांग्रेसी कुशासन की चर्चा करते हुए कहा कि पिछले पांच वर्षों में क्या हाल हुआ ? केंद्र से गरीबों के लिए जो योजनाएं थी सबको बंद करने का काम कांग्रेस की सरकार ने किया। गरीबों का हक छीना। पांच साल में ग्रामीण क्षेत्र में एक भी गरीब का प्रधानमंत्री आवास नहीं बना। हमने विकास की जो शुरुआत की थी, वह भी अधूरी रहीं।

कांग्रेस ने देश को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और आतंकवाद दिया: भजन लाल

कोटा, 21 मार्च (एजेंसियां)।
राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने 60 वर्ष के शासन में देश को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और आतंकवाद दिया। कांग्रेस की नीति और नीयत सही होती तो पार्टी आज इस तरह हाशिये पर नहीं जाती।

श्री शर्मा ने गुरुवार को कोटा में कोटा, बूंदी, झालावाड़ और भीलवाड़ा के भारतीय जनता पार्टी भाजपा कार्यकर्ताओं की क्लस्टर बैठक को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी से लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी तक पार्टी ने गरीबी हटाओं का नारा दिया, लेकिन गरीबों की दशा सुधारने के लिये कुछ नहीं किया।

Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, Shankar spouse of Army No.6942261W Hav Girirajsinh Nanbha Jadeja, R/o. Balaji Park 02, Plot No.1201, Opp:Digram Mill, Street No.1, Vill, Post &Teh:Jamnagar, Dist:Jamnagar, Gujrat have changed my name from **SAHANBA** to **SAHANBA JADEJA** vide affidavit dt:21-3-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.15811829P L/Nk Eswara Rao Tamarapu of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad hereby declare that my father name is to be changed from **SIMHACHALAM** to **TUMARAAPU SIMHACHALAM** and mother name is to be changed from **VARA LAXMI** to **TAMARAAPU VARALAXMI** vide affidavit dt:21-3-2024

CHANGE OF NAME
I, BD ARUN KUMARI Spouse of Army No.16112904K L/Nk B GOVIND RAO, R/o.5-26, Vill:BheemireddiPalem, Po:Pamulavaka, Teh:Kotauratla, Dist:Visakhapatnam, Andhra Pradesh have changed my name from **BD ARUN KUMARI** to **BHEMEREDDY DURGA ARUNA KUMARI** vide affidavit dt:21-3-2024 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Army No.6942261W Hav Giriraj sinh Nanbha Jadeja of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana hereby state that my daughter name is to be changed from **DIVYA BA** to **DIVYA BA JADEJA**.

CHANGE OF NAME & DOB
I, JC 442695H Nb/Sub Matam Mahesh Kumar, R/o.3-67/1, Vill and Po:Hasnabad, Teh:Kodangal, Dist:Mahaboob Nagar, Telangana that my daughter name and DOB is to be changed from **M DHARANI**, DOB:**19-12-2006** to **MATAM SAHETHI**, DOB:**19-12-2008** vide affidavit dt:21-3-2024 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, PRIYANKA S spouse of Army No.15332776M L/Hav C SENTHIL KUMAR, R/o.1-95, Vill and Po : Chinna Agaraharam, Teh:Krishnagiri, Dist:Krishnagiri, Tamilnadu have changed my name and DOB from **PRIYANKA S**, DOB:**1-5-1990** to **PRIYANKA K**, DOB:**1-5-1992** vide affidavit dt:30-9-2023 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Kulai Eswari spouse of Mohanarao Geddam R/o Vill: Ampuram, Post: Kanchili, Dist: Srikakulam, State:Andhra Pradesh. Pin: 532290 have changed my name from **KULAI ESWARI** To **ESWARI GEDDAM** Vide affidavit dt:21-03-2024 before judicial magistrate court Hyderabad, Telangana.

CHANGE OF NAME
I, Service No- JC-781649H, Rank - NB SUB, Name - PIYUSH KUMAR SONI, S/O HIRALAAL SONI, Residing at Vill & PO - Raniganj, Tehsil - Bairia, Dist - Ballia, Uttar Pradesh, Pin-277208. I have change my Daughter Name from - **AAROHI** to **AAROHI SONI**, for all purpose vide affidavit dated: 21/03/2024.

CHANGE OF DOB
I, SHALAN LAXMAN MANE Legally Mother of Service NO . 6495 304Y, Rank :- HAV, Name : Mane Haridas Laxman, UNIT :- 554 ASC BN, C/O 56 APO, VILL & POST :- MANDAVE, TEH : SATARA, DIST : SATARA, STATE :- MAHARASHTRA, PIN :-415519, Changed my D.O.B :- **01/07/1957** to **01/01/1950** Mother of HAV MANE HARIDAS LAXMAN Aadhar card No :- 5754 2982 1958 Affidavit signed by Advocate and NOTARY P. Raveendranath B.com. B.L ON 21/03/24.

A PROJECT BY

BASAI GROUP

hmda
Growing Global

PUSHPA RESIDENCY

KRISH RESIDENCY

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta <<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

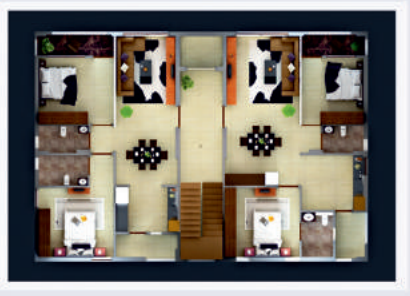

SCAN FOR SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.